केवल सरकारी प्रयोगार्थ

विकेन्द्रित वार्षिक जिला योजना

जनपद—फर्रुखाबाद

1987—88

शिवनन्दन गुप्त
जिला अर्थ अधिकारी

जे० राम
जिला विकास अधिकारी

के० के० सिन्हा
जिलाधिकारी

54221
309.26
UTT-V

प्रस्तावना

नियोजकों एवं विद्वान अर्थशास्त्रियों का दृढ़ मत है कि स्थानीय परिस्थितियों एवं उपलब्ध संसाधनों पर आधारित जो योजनाएं निर्मित की जाती हैं उनसे ही किसी क्षेत्र विशेष की आर्थिक स्थिति का सुधार सम्भव है । इसी परिपेक्ष्य में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली का सूत्रपात वर्ष 1982-83 में किया गया था और तब से जनपद स्तर पर योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है । इस प्रकार जिला योजना संरचना तथा उसके क्रियान्वयन का पर्याप्त अनुभव होने लगा है और शनैः शनैः इस प्रक्रिया से प्रदेश को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ भी प्राप्त होने लगा है । वर्ष 1987-88 की जिला योजना इस प्रक्रिया में अब षष्टम कड़ी है ।

वर्ष 1987-88 की योजना अवधि हेतु शासन से 777.55 लाख रु० की धनराशि स्वीकृत की गई है । दिनांक- 4.9.86 की जिला योजना एवं कार्यान्वयन समिति की बैठक द्वारा प्रस्तावित विभागवार, परिव्यय/ारो आवंटन की स्वीकृति दिनांक- 14.9.86 में जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा दी गई ।

जनपद की जिला सेक्टर योजना में 739.627 लाख रु० की चालू योजनायें तथा 37.923 लाख रु० की नवीन योजनाओं का समावेश किया गया है ।जनपद की विशेष योजनाओं के अन्तर्गत 2 कृषि बीज भण्डार एवं 3 कृषि रक्षा गोदामों का निर्माण 75 हजार रु० की धनराशि, पम्पसेटों के सुधार, लाख-वहोसी में वन-मनोरंजन केन्द्र व रेन्ज तथा प्रभागीय कार्यालय के भवन निर्माण, 4 राजकीय नलकूपों का निर्माण इन्दरगढ पर्यटन केन्द्र का विकास, 17 जूनियर वेसिक स्कूल, 10 सीनियर वेसिक स्कूलों के भवन निर्माण, वेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय का सुदृढीकरण, वर्तमान राजकीय वेसिक विद्यालय के भवनों एवं छात्रावासों का निर्माण, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निर्माण, विस्तार, विद्युतीकरण तथा विशेष मरम्मत, राजकीय इन्टर कालेजों में अतिरिक्त अनुभाग खोलना, तथा नये विषयों का समावेश, राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बस की व्यवस्था, एक बालिका इन्टर कालेज की फर्रुखाबाद नगर में स्थापना, फतेहगढ स्टेडियम में क्रीडांगन का विकास, 2 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का निर्माण 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों ...ों की स्थापना, वर्तमान राजकीय

NIEPA DC
D03806

आयुर्वेदिक /यूनानी चिकित्सालय के भवनों का निर्माण एवं बिजली, पानी की व्यवस्था, ग्रामीण पेयजल व निर्बल वर्ग के आवासीय भवनों के निर्माण की योजनाओं प्रमुख रूप से विशेष उल्लेखनीय है ।

उक्त योजना की संरचना में जिला विकास अधिकारी (सचिव, विकेन्द्रित योजना) अपर-अधिकारी तथा कार्यालय के समस्त सहायक एवं कर्मचारियों का योगदान विशेष सराहनीय रहा जिन्होंने अपने अथक परिश्रम से योजना की संरचना अल्प समय में तैयार करके प्रस्तुत की ।

के०के०सिन्हा,
जिलाधिकारी,
फर्रुखाबाद ।

गनेश/24•9•86

Sub National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. 3806
Date. 11.6.87

विकेन्द्रित जिला योजना वर्ष 1987-88

विषय सूची

क्रमसंख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	जिला योजना की रूप-रेखा	1-4
2.	अवस्थापना	5-8
3.	प्रशासनिक तथा संस्थागत ढाँचा	7-10
4.	आर्थिक कार्य कलाप	11-13
5.	सेवायोजन सम्बन्धी समस्यायें	14-14
6.	पिछड़े समुदाय की समस्यायें	16
7.	जिला योजनाओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन	17-19
8.	स्थानीय संसाधनों का वितरण	20
9.	दीर्घ कालीन विकास की रूप-रेखा	21-23
10.	जिला योजना की पूर्वता	24
11.	राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	25-27
12.	पिछड़े समुदाय के लिए कार्यक्रम	28-30
13.	जनपद के विकास कार्यक्रम	31-40
14.	योजना का वित्त पोषण	41-42

		जी0एन0-2की पृष्ठ संख्या	जी0एन0-3की पृष्ठसंख्या
1.	कृषि विभाग	1	1
2.	कृषि रक्षा विभाग	2	2
2.	उद्यान/आलू विकास	3	3
3.	गन्ना विकास	4	4
4.	कृषि विपणन	5	5
5.	भूमि सुधार (राज्यांश)	6	6
6.	निजी लघु सिंचाई	7	7
7.	राजकीय लघु सिंचाई	8	8
8.	भूमि एवं जलसंरक्षण	9	-
9.	पशुपालन	10-15	9-10
10.	मत्स्य पालन	16	11
11.	वन-विभाग	17	12
12.	पंचायत राज	18	13
13.	प्रादेशिक विकास दल	19	14

14.	ग्राम्य विकास(सा.मु.वि.)	20	15
15.	ग्राम्य विकास-		
	1.एकीकृत ग्राम्य विकास	21	16
	2.लघु/सीमान्त कृषकों को उत्पादकता वृद्धि हेतु अनुदान	22	
16.	सहकारिता	23	17-18
17.	विद्युत	24	19
18.	ग्रामीण एवं लघु उद्योग	25-26	20
19.	सड़क एवं पुल	27-28तथा 28क से ध तक	-
20.	पर्यटन विकास	29	
21	सामान्य शिक्षा :-		
	1.बेसिक शिक्षा	30-32	21-22
	2.माध्यमिक शिक्षा	33-34	23-24
	3.प्रौढ शिक्षा	35	25
22.	स्पोर्ट्स/खेलकूद	36	26
23.	प्रावैधिकशिक्षा	37	27
24.	चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य		
	1.एलोपैथिक चिकित्सा	38-39	28-29
	2.आयु०/यूनानी चिकित्सा	40	30
25.	पेयजल एवं जलोत्सारण		
	1.जल-निगम	41	31
	2.ग्राम्य विकास	42	32
26.	ग्रामीण आवास		
	1.राजस्व	43	-
	2.ग्राम्य विकास	44	33
27.	शिल्पकार पुशिक्षण (आई०टी०आई०)	45	34-36
28.	अनु०जाति/जनजाति एवं पिछडी जाति का कल्याण	46-48	37-38
29.	समाज कल्याण	49	39
30.	पुष्टाहार कार्यक्रम(समाजकल्याण)	50	-
	आधार-भूत आँकडे	1-29	

जिला योजना की रूप-रेखा

अध्याय-1

(भूमिका)

1. स्थिति:-

इलाहाबाद मण्डल के सुदूर उत्तर पश्चिम के कोने में स्थित यह एक कृषि प्रधान जनपद है, जिसकी लम्बाई लगभग 105 कि0मी0 तथा चौड़ाई लगभग 70 कि0मी0 है। वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 4274 वर्ग कि0मी0 है। यह जनपद गंगा व यमुना के दक्षिणी दो आब में स्थित है जिसके कारण यहाँ की भूमि उपजाऊ है और कृषि के दृष्टिकोण से यह एक महत्वपूर्ण जिला बन गया है। जनपद सामान्यतया मैदानी है।

2. वर्षा :-

जनपद की सामान्य वर्षा 793.3 मि0मी0 है। वर्ष 1978-79 एवं 1980 में क्रमश: 1095, 554 तथा 1024 मि0मी0 हुई तथा वर्ष 1984 में 793.2 मि0मी0 वर्षा हुई। वर्ष 1977 एवं 1978 में अच्छी वर्षा के फलस्वरूप बाढ़ की स्थिति तथा वर्ष 1979 में कम वर्षा के कारण भयंकर सूखा की स्थिति रही। वर्ष 1983 की वास्तविक वर्षा 953 मि0मी0 रही तथा वर्ष 1984 की वास्तविक वर्षा 1013.2 मि0मी0 रही।

3. तापमान :-

जनपद का तापमान गर्मियों में अधिकतम 45.8 से0ग्रे0 तक पहुँच जाता है। गर्मियों के मौसम में भयंकर लू चलती है। सर्दियों में तापमान गिरकर 4.6 से0ग्रे0 तक आ जाता है। जैसे-जैसे पहाड़ों पर बर्फ गिरती है वैसे-वैसे ही मैदानी सर्दी बढ़ती जाती है। वर्ष के माह मई एवं जून अत्याधिक गर्म तथा दिसम्बर, जनवरी अत्याधिक ठंडे रहते हैं।

4. नदियाँ:-

गंगा, रामगंगा, काली नदी व ईसन नदी जनपद की प्रमुख नदियाँ है जिनमें पानी वर्ष भर भरा रहता है। अरिन्द व पाण्डु

छोटी -छोटी बरसाती नदियाँ व वधार नाला है ।

5. जल-निकास:-

वर्षा ऋतु में गंगा व रामगंगा में बहुधा बाढ आती है , जो राजेपुर , कमालगंज, कायमगंज , शमशाबाद , जलालाबाद , व कन्नौज तक ही सीमित रहती है । वर्षा ऋतु में काली, ईसन , अरिन्द तथा पाण्डु नदियों के तटवर्ती क्षेत्र बाढ से प्रभावित हो जाते हैं और प्रतिवर्ष 300 से 600 ग्राम बाढ से प्रभावित होते हैं । राजेपुर विकास खण्ड गंगा व रामगंगा नदियों के मध्य स्थिति होने के कारण सबसे अधिक बाढ से प्रभावित होता हैं ।

6. वनस्पति :-

जनपद में वन का क्षेत्रफल अधिक नहीं है । वन विभाग के अधीन 3270 हे0 क्षेत्र है । इसके अतिरिक्त सड़कों के किनारे वन-विभाग द्वारा पेड़ लगवाये गये हैं । जिनमें यूकेलिप्टस व शीशम प्रमुख है जिससे अच्छी लकडी की उपलब्धि होती है ।

7. ग्राम तथा नगर :-

1971 की जनसंख्या के अनुसार जनपद में कुल 1784 ग्राम हैं जिनमें से 1626 आवाद व शेष 158 गैर आवाद हैं । जनसंख्या के अनुसार ग्रामों का वर्गीकरण निम्न प्रकार है :-

क्रमसंख्या	जनसंख्यावर्ग	ग्रामों की संख्या
1.	गैरआवाद	158
2.	500 से कम	704
3.	500से 999	509
4.	1000से1499	207
5.	1500 से 1999	80
6.	2000से 2499	49
7.	2500 से 4999	64
8.	5000 से 9999	12
9.	10000 से अधिक	1
	योग	1784

1971 की जनगणना के अनुसार जनपद के नगर एवं उनकी जनसंख्या निम्नांकित है ।

क्रमसंख्या	नगरक्षेत्र	जनसंख्या
1.	अ. फर्रूखाबाद -फतेहगढ़ नगरपालिका	102768
	ब. फतेहगढ -छावनी	8867
2.	कन्नौज - नगरपालिका	28187
3.	कायमगंज -नगरपालिका	15154
4.	शिवराजपुर -नगरपालिका	15726

उपर्युक्त के अतिरिक्त जनपद में आठ टाउन एरिया हैं जिन्हें 1971 की जनगणना के अन्तर्गत ग्रामों में सम्मिलित किया गया है ।

8. जनसंख्या :-

जनपद की कुलजनसंख्या 1971 व 1981 के जनगणना के अनुसार निम्नप्रकार है :-

	1971	1981
कुल जनसंख्या	1556930	1949137
पुरूष	856725	1067996
स्त्री	700205	881141

व्यवसायवार जनसंख्या की स्थिति 1971 की जनगणना के अनुसार निम्नतालिका में वर्णित है :-

क्रमसंख्या	व्यवसाय वर्ग	कर्मकरों की संख्या	कुल कर्मकरों की प्रतिशत
1.	कृषक	314694	68.7 %
2.	कृषक मजदूर	53530	11.7 %
3.	उद्योग (पारिवारिक-गैरपारिवारिक)	30493	6.7 %
4.	अन्य	59431	12.9 %
	कुल योग	458148	100 %

उपयुक्त तालिका में वर्णित आँकडों से स्पष्ट है कि कर्मकारों में लगभग 80 प्रतिशत कृषि के ऊपर आश्रित हैं । इसके उपरान्त उद्योग में अधिक संख्या में लोग लगे हैं । जनपद का मुख्य व्यवसाय कृषि है। इसके उपरान्त फर्रूखाबाद का छपाई का कार्य , छिबरामऊ , गुरसहायगंज में बीडी उद्योग , कन्नौज में इत्र उद्योग तथा कायमगंज में चीनी मिल एवं खाडसारी की व तम्बाकू विधायन की इकाईयाँ प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है जनपद में आलू उत्पादन प्रचुर मात्रा में होने के कारण जनपद में 31 मार्च 1985 की स्थिति के आधार पर 80 शीतगोदाम स्थापित हैं ।

9. आर्थिक तथा सामाजिक विशेषता:-

जनपद कृषि उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी है । जनपद में खाद्यान्न उत्पादन का स्तर ऐसा है कि स्थानीय आवश्यकता की पूर्ति कर पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न राज्य के दूसरे जनपदों को निर्यात किया जाता है । आलू उत्पादन के क्षेत्र में जनपद राज्य में विशेष स्थान रखता है । यहाँ से आलू , आसाम , बंगाल एवं बम्बई को पर्याप्त मात्रा में भेजा जाता है आलू उत्पादकों को आलू देश के दूसरे स्थान में निर्यात करने में रेलवे - बैगनों की कमी होने के कारण बहुत कठिनाई उत्पन्न होती है । यदि फर्रूखाबाद -कानपुर से सीधी बडी लाइन से सम्बद्ध हो जाती है तो आवागमन एवं आलू निर्यात में पर्याप्त सुविधा मिलेगी ।

तम्बाकू एवं सुगन्धित पदार्थों के उत्पादन में भी जनपद अपनी विशिष्टता रखता है । बीडी बनाने का छोटी इकाईयाँ जनपद की फर्रूखाबाद , कन्नौज एवं छिबरामऊ तहसीलों में बडी संख्या में कार्यरत हैं । फर्रूखाबाद अपनी छपाई के कार्य के कारण एवं देश तथा विदेशों में प्रसिद्ध है । यहाँ से पर्याप्त मात्रा में छपी साडियाँ चद्दरे आदि विदेशों को निर्यात की जाती है जिससे विदेशी मुद्रा देश को पर्याप्त होती है । फर्रूखाबाद , शिकोहाबाद , दिल्ली रेलवे लाइन पर मेल व एक्सप्रेस चलने से छपाई उद्योग के निर्यात में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।

अध्याय-2

-:अवस्थापना:-

2- संचार प्रणाली :-

जनपद की आन्तरिक प्रणाली व्यवस्था में सुधार होने के उपरान्त भी उसे आवश्यकता के अनुकूल उस समय तक नहीं कहा जा सकता है जबतक कि फर्रुखाबाद जनपद के ग्रामीण अंचलों में सड़कों का निर्माण नहीं होता है। जनपद में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं स्थानीय निकायों द्वारा के अन्तर्गत वर्ष 1983-84 के अन्त में क्रमशः 51 तथा 58 कि0मी0 पक्की सड़के विद्यमान है। जनपद में 6 बड़े मन्डी स्थल फर्रुखाबाद कमालगंज मोहम्मदाबाद कायमगंज, कन्नौज व छिबरामऊ पक्की सड़कों से सम्बद्ध है, साथ ही सभी प्रशासनिक केन्द्र पक्की सड़कों से सम्बद्ध है। चिकित्सा, पशुचिकित्सा, शिक्षा बैकिंग संग्रहण सुविधाये उपलब्ध कराये जाने से सम्बन्धित प्रायः पक्की सड़के से सम्बद्ध है। हसेरन विकास खण्ड में पक्की सड़कों की सुविधा का अभाव है। इस क्षेत्र में पक्की सड़कों की लम्बाई के प्रसार की आवश्यकता है। जनपद के 378 ग्राम पक्की सड़कों से सम्बद्ध है। शेष ग्रामों का पक्की सड़क से दूरी के हिसाब से विभाजन निम्न प्रकार है :-

क्र0सं0	पक्की सड़क से दूरी	ग्रामों की संख्या
1-	1कि0मी0 तक	685
2-	1से3कि0मी0	375
3-	3से5कि0मी0	316
4-	5कि0मी0 से अधिक	201

न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत शासन की घोषित नीति के अनुसार 1990 तक 1500 से ऊपर की आबादी के समस्त ग्रामों को लिंक रोड से जोड़ा जायेगा। 1000 से 1500 तक की आबादी के ग्रामों को 50 प्रतिशत को भी 1990 के अन्त तक लिंक रोड से जोड़े जाने का प्रस्ताव है कार्यक्रम है। 1986 के अन्त तक इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 50 प्रतिशत तक लक्ष्य पूर्ति किया जाना प्रस्तावित है। जनपद का मुख्य व्यवसाय कृषि होने के कारण क्रय विक्रय की मुख्य क्रियाये भी कृषि सम्बन्धित है। इसके लिए पारम्परिक मंडियां व मेले तो है ही साथ में आधुनिक ढंग की मण्डियां भी बनाई गई है। जो कि कायमगंज, फर्रुखाबाद मोहम्मदाबाद कमालगंज छिबरामऊ एवं कन्नौज में है।

उपरोक्त मन्डी समितियों के अतिरिक्त छिबरामऊ एवं कन्नौज की उपमन्डी समिति क्रमशः गुरुसहायगंज एवं तिर्वा में कार्यरत है।

क्रमशः

मण्डी समितियों के अतिरिक्त जनपद में सात सहकारी क्रय विक्रय समितियाँ फर्रुखाबाद कायमगंज मोहम्मदाबाद ,कन्नौज तालग्राम कमालगंज छिबरामऊ में स्थित है

2-3 भण्डारण एवं विपणन:- प्रत्येक विकास खण्ड में एक ग्रोथ सेन्टर विकसित किया जा रहा है । जहाँ कृषकों को सभी सुविधाएं प्राप्त होंगी। जनपद में कृषि उत्पादन सहकारिता एवं खाद्य विभाग के पास क्रमशः 7,8 तथा 30 5-6 तथा 1-2 हजार मी0टन भण्डारण की सुविधा उपलब्ध है । इसके अतिरिक्त भारतीय खाद्य निगम के 2 गोदाम में 5 वेयर हाउसिंग कारपोरेशन के दो गोदामों में 10.9 राज्य सरकार के 2 गोदामों में 4-0 सहकारी -4 भण्डारों में 4.0 हजार मै0टन की भण्डारण क्षमता उपलब्ध है । जनपद का 1983-84 का कुल खाद्यान्न उत्पादन 20-12 लाख मै0टन था जिसको देखते हुए भण्डारण क्षमता पर्याप्त नहीं है। विश्व बैंक के सहयोग से प्रत्येक न्याय पंचायत में सहकारिता विभाग द्वारा ग्रामीण गोदाम निर्मित कराये जा रहे है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्पादकों को भण्डारण सुविधाएं ग्रामीण अंचलों में प्राप्त हो सकेगी । एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत खाद्यान्न भण्डारण हेतु गांवों में कुठारियों का वितरण किया गया है । निजी उत्पादकों को इससे भी राहत हुयी है।

जनपद में आलू का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाता है। वर्ष 1983-84 में 10-32101 मै0टन आलू का उत्पादन किया गया । जनपद में 80 शीतभण्डार है। जिनकी भण्डारण क्षमता लगभग 4-8 लाख मी0टन है । आलू की भण्डारण क्षमता इसके उत्पादन को देखते हुए कम है । जिसके लिए और अधिक शीत गृह बनाये जाने की आवश्यकता है ।

उद्योग विपणन:- कायमगंज क्षेत्र में एक चीनी मिल तथा खाण्डसारी की छोटी छोटी कई इकाइयाँ कार्य कर रही है तथा तम्बाकू की भी इकाइयाँ कायमगंज क्षेत्र में स्थित है। कन्नौज तथा छिबरामऊ में मूंगफली के दाने निकालने की तथा कायमगंज में तम्बाकू के विपणन उद्योग कार्यरत है। फलों के विपणन की भी एक इकाई कायमगंज में स्थित है । आलू के प्रचुर मात्रा में उत्पादन को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में आलू के चिप्स बनाने की 5 छोटी छोटी इकाइयाँ तथा एक बड़ी इकाई कार्यरत है । आलू के चिप्स बनाने की और इकाइयाँ स्थापित किये जाने की आवश्यकता है ।

2-4 सिंचाई सुविधाएं:- जनपद में नहर राजकीय नलकूप एवं व्यक्तिगत अल्प सिंचाई साधनों से सिंचाई की जाती है । 1983-84 में सिंचाई की स्थिति स्रोतवार निम्नप्रकार रही है:-

क्र0सं0	सिंचित स्रोत	वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल है0में0
1-	नहर	30447
2-	राजकीय नलकूप	8151
3-	व्यक्तिगत अल्प सिंचाई साधन	127775
4-	अन्य साधन	16238
	योग-	182611

जनपद में शुद्ध बोये गये 280731 हे० में से 18261। में कुल सिंचाई सुविधा उपलब्ध है जनपद में 383 राजकीय नलकूप कार्यरत है नहर सिंचाई प्रणाली केवल आंशिक सिंचाई सुविधा ही प्रदान करती है। इससे आर्थिक होने वाली उत्पादन देने वाली फसलों के लिए 4 से 5 सिंचाई की सुविधा संम्भव नही है। राजकीय नलकूप और व्यक्तिगत सिंचाई साधन ही सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते है। कृषकों को निजी साधन से व्यक्तिगत अल्प सिंचाई साधनों की ओर है। वर्ष 84-85 के अन्त में 17571 निजी नलकूप 9362 रहट तथा 276 पम्पसेट से सिंचाई सुविधा कृषकों जनपद में उपलब्ध हो रही थी। व्यक्तिगत अल्प सिंचाई साधनों से प्रतिवर्ष लगभग 16000 हे० अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन हो रहा है।

2-5 विद्युत की सुविधायें:- जनपद में विद्युत प्रजनन की कोई इकाई नही है। [illegible] की 33 के०वी० लाइन तथा 11 के०वी० लाइनों की लम्बाई 2538.8 कि०मी० है साथ ही 2862-15 कि०मी० लो टेन्शन लाइन जनपद में स्थित है।

जनपद में 4 नगरीय क्षेत्र फर्रुखाबाद, फतेहगढ़, कन्नौज, छिबरामऊ तथा कायमगंज विद्युतीकृत है।

इसके अतिरिक्त 1027 कि०ग्रा० केन्द्रीय विद्युत उपयोग की परिभाषानुसार विद्युतीकृत किये जा चुके है। जो फर्रुखाबाद ग्रामों का [illegible]5-1 प्रतिशत है इसके अतिरिक्त वितरण तन्तुओं का जाल बिछाकर 379 ग्राम विद्युतीकृत किये जा चुके है। जो कुल आबाद ग्रामों का 24-0 प्रतिशत है। जनपद की 525 बस्तियों हरिजन बस्तियों में विद्युतीकृत है। जनपद के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 1345 तथा 1142 औद्योगिक कनेक्शन उपलब्ध है। निजी नलकूप 11393 विद्युतीकृत है।

फतेहगढ़ जनपद की विद्युत की आपूर्ति मैनपुरी तथा पनकी पावर हाउस से प्राप्त होती है। विद्युत उत्पादन में कमी के फलस्वरूप विद्युत आपूर्ति कभी 8 घन्टे तथा कभी इससे भी कम भी जनपद को प्राप्त होती है। जिससे कटौती के समय की निश्चित स्थिति की जानकारी उपभोक्ताओं तथा औद्योगिक इकाइयों को नही हो पाती है। जिसके फलस्वरूप बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जनपद में 80 शीत गोदाम है। जिसके कार्य में विद्युत की कटौती आलू के भण्डारण पर व्यय अधिक होता है।

अतः उक्त कठिनाइयों के समाधान हेतु जनपद में विद्युत आपूर्ति में बढ़ोत्तरी किये जाने की आवश्यकता है।

2-6- बैंक एवं ऋण सम्बन्धी सुविधायें:- 31 मार्च 1985 की स्थिति के अनुसार। जनपद में राष्ट्रीयकृत एवं अन्तर्राष्ट्रीय बैंकों की निम्न शाखायें कार्यरत हैं:-

राष्ट्रीयकृत बैंक

1- भारतीय स्टेट बैंक	फतेहगढ़, फर्रुखाबाद, गुरुसहायगंज, कन्नौज, कायमगंज, सरायप्रयाग तालग्राम, छिबरामऊ, जलालाबाद, सकरावा, कायमगंज, कृषि विकास शाखा कन्नौज सिटी।

क्रमशः 10 पर

2- बैंक आफ इण्डिया — फतेहगढ़, फर्रुखाबाद, कायमगंज, कम्पिल, मोहम्मदाबाद कन्नौज, तिर्वा, छिबरामऊ, सौरिख, गुरुसहायगंज एवं सिकन्दरपुर।

3- इलाहाबाद बैंक — फर्रुखाबाद, चटपुर, मकरन्दनगर, ठठिया।

4- सेन्ट्रल बैंक — फतेहगढ़, फर्रुखाबाद, कायमगंज,

5- पंजाब नेशनल बैंक — फर्रुखाबाद, शमशाबाद, कमालगंज।

6- ओरियन्टल बैंक आफ कामर्स — फर्रुखाबाद, छिबरामऊ।

7- बैंक आफ बड़ौदा — फर्रुखाबाद।

8- यूनाइटेड कामा0 बैंक — फर्रुखाबाद।

गैर राष्ट्रीयकृत बैंक
================

1- बरेली कारपोरेशन बैंक — फर्रुखाबाद, कन्नौज।

2- बनारस स्टेट बैंक — फर्रुखाबाद, छिबरामऊ, एवं गुरुसहायगंज।

3- हिन्दुस्तान कामा0 बैंक — फर्रुखाबाद।

4- सेठ बाशशाह बैंक — फर्रुखाबाद।

उपरोक्त के अतिरिक्त जनपद में 6 भूमि विकास बैंक एवं 16 सहकारी बैंकों की शाखायें कार्यरत हैं। निर्बल वर्ग के लोगों के वित्त पोषण सुविधापूर्वक, कार्यान्वित करने के उद्देश्य से जनपद में बैंक आफ इण्डिया द्वारा क्षेत्र ग्रामीण भूमि बैंक की शाखायें खोली गई हैं। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में इनका काफी प्रचार हुआ है। मार्च 1984 के अन्त में इनके शाखाओं की संख्या 82 हो गयी है। जनपद के सभी विकास खण्डों में व्यवसायिक बैंकों की शाखायें खोली जा चुकी है।

अध्याय- 3
प्रशासनिक एवं संस्थागत ढांचा

जिला स्तर पर प्रशासनिक ढांचा निम्न प्रकार है:-

प्रशासन एवं एवं राजस्व	पुलिस अधीक्षक	जिला जज
जिलाधिकारी	उपपुलिस अधीक्षक	सहायक जज एवं
अपरजिलाधिकारी	की सहायता से	अपरजिलाजज मुन्सिफ
परगनाधिकारियों की	थानों पर नि	मजिस्टेटों की सहायता से
सहायता से तहसीलें	नियन्त्रण	
नगरपालिकायें/टाउनएरिया		

नियोजन एवं विकास

अपरजिलाधिकारी (परि०)   जिला विकास अधिकारी

जिला कृषि अधिकारी, उद्यान अधिकारी, आलू विकास अधि० पशुपालन अधिकारी, पंचायत राज अधिकारी, सहायक निबन्धक सहकारी समितियाँ, सहायक अभियन्ता (ल०सि०) अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग, सामान्य प्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र, भूमि संरक्षण अधिकारी, अर्थ अधिकारी, संख्याधिकारी, एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी।

जनपद फर्रुखाबाद में 4 नगरपालिकायें फर्रुखाबाद कम फतेहगढ़, कायमगंज, कन्नौज, तथा छिबरामऊ तथा टाउन एरिया गुरुसहायगंज, कमालगंज, तालग्राम, सिकन्दरपुर, तिर्वागंज, शमशाबाद कम्पिल एवं सौरिख हैं। नगरपालिकाओं में नगरपालिका फर्रुखाबाद की वित्तीय स्थिति वर्ष 1978 से पूर्व अत्यन्त निम्न स्तर की थी नगरपालिका अपने कर्मचारियों को वेतन को निर्धारित तिथि को वितरित नहीं कर पाती है। नगरपालिका कन्नौज की स्थिति भी फर्रुखाबाद की तरह वर्ष 1973 से पूर्व की थी वर्ष 1978 के उपरान्त इस नगरपालिका की वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है। नगरपालिका छिबरामऊ की वित्तीय स्थिति 79 से पूर्व वहती से हुई आय के कारण अधिक अच्छी दशा में थी। शासन द्वारा इस अवस्था को 1979 में समाप्त किया गया। इसके फलस्वरूप इसकी आय में पर्याप्त कमी हो गई है। नगर पालिका कायमगंज की स्थिति (वित्तीय) अच्छी नहीं है। सभी नगर पालिका क्षेत्रों में पाइपों द्वारा जलसंम्पूर्ति की व्यवस्था है। सीवर की व्यवस्था किसी भी नगर में पालिका में नहीं है। फर्रुखाबाद मलापय योजना का कार्य लगभग पूर्ण है। परन्तु नाले की सफाई नहीं हो पायी, गन्दे पानी के बहाव हेतु नाले की सफाई अति आवश्यक है। छिबरामऊ नगरपालिका में भी मलोपयोगी योजना का काफी हद तक पूर्ण हो चुका है। समस्त नगरसमितियों की वित्तीय स्थिति संतोषप्रद नहीं है।

समस्त नगर समितियों की वित्तीय स्थिति संतोषप्रद नहीं है । पाइप द्वारा जल संम्पूर्ति की व्यवस्था टाउन एरिया गुरुसहायगंज, तालग्राम कमालगंज, तिर्वा कम्पिल एवं शमशाबाद में उपलब्ध है परन्तु आबादी के हिसाब से जल संम्पूर्ति नहीं हो पाती है । टाउन एरिया सिकन्दरपुर में जल संम्पूर्ति भी शीघ्र जलाशय का निर्माण कराया जा रहा है । टाउन एरिया कम्पिल में नलकूप का निर्माण जल निगम द्वारा जलसंम्पूर्ति हेतु कराया जा रहा है । सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराये जाने की आवश्यकता है ।

5- जनपद स्तर पर एक सहकारी बैंक, एक जिला सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंक एवं उत्तर प्रदेश सहकारी फैडरेसन की एक शाखा तथा 124 ग्रामीण क्षेत्रीय सहकारी तथा जिला सहकारी बैंकों की 16 शाखाये स्थित है। जिनका उद्देश्य मुख्यतः सहकारी सदस्यों को नकद तथा वस्तु के रूप में रुपये उपलब्ध कराना है । जिला स्तरीय संस्थाये राज्य स्तरीय संस्थाओं से संम्बद्ध है । इस सभी संस्थाओं वित्तीय साधन अंशपूंजी, अन्य उपलब्धियों, रिजर्व बैंक ऑफ इन्डिया, राज्यसरकार से प्रदेश स्तर पर स्थित उ०प्र० सहकारी बैंक के माध्यम से की जाती है । इस प्रकार यह स्पष्ट है । कि प्रदेश स्तर से लेकर ग्रामीण स्तर तक की सभी संस्थाये एक दूसरे से संम्बद्ध है । जो कि सभी एक दूसरे की सहायता करते है। जहाँ तक भूमि विकास बैंक का संम्बन्ध है राज्य से प्राप्त ऋण हिस्सा जनता में डिबेंचर जारी करके प्राप्त धन का वितरण कर सदस्यों के स्तर को ऊँचा उठाने में सहायता प्रदान करते है ।

अध्याय-4

प्राथमिक कार्यकलापों के अन्तर्गत जनपद में कृषि ही मुख्य व्यवसाय है। राज्य में यह जनपद आलू एवं तम्बाकू का अधिकतम उत्पादन करता है। गन्ना एवं मूँगफली का उत्पादन यहाँ पर्याप्त मात्रा में होता है। खाद उत्पादन की दृष्टि से मक्का की खेती जिले में काफी बडे क्षेत्र में होती है। अन्य मुख्य फसलों में यहाँ गेहूँ, चावल, चना, मटर, अरहर, जौ, बाजरा, पर्याप्त मात्रा में पैदा किया जाता है। जिन क्षेत्रों में सिचाई की सुविधा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है वहाँ वर्ष में 3 फसलें की जाती हैं। वर्ष 1982-83 में शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का 65.19 प्रतिशत क्षेत्र फसल विभिन्न सिचाई साधनों से चिंचित किया जाता है। वर्ष में शुद्ध बोये गये क्षेत्र का लगभग 49 प्रतिशत क्षेत्र एक से अधिक बार बोया जाता है। इस जनपद की विशेषता है कि अधिक से अधिक क्षेत्रफल में एकसेअधिक बार फसलें बोई जाती हैं। जनपद का सीमान्तः फसल चक्र निम्न प्रकार है :-

1. मक्का, आलू, गेहूँ, मूँग।
2. मक्का, आलू, मूँग, खरबूजा, तरबूज।
3. मक्का, तम्बाकू, सब्जी, जायद।
4. आलू गेहूँ, मूँग।

कृषि उत्पादन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से प्रमुख अड़चन अच्छे बीज की प्रचुर मात्रा में उपलब्ध न होने की है। बीज की जो आपूर्ति कृषि विभाग तथा सहकारिता विभाग द्वारा की जाती है, वह अत्यन्त नगण्य होती है। ऐसी स्थिति में कृषि विभाग द्वारा बीजों के प्रचुर मात्रा में उत्पादन उत्पादन हेतु बीज की अत्यन्त आवश्यकता है। उन्नतिशील बीजों के भण्डारण की सुविधा कृषि विभाग के पास जनपद में सुलभ नहीं हैं। जनपद स्तर पर इस सुविधा हेतु कृषि विभाग द्वारा 5 गोदामों का निर्माण कराये जाने का कार्यक्रम वर्ष 1986-87 हेतु स्वीकृत किये गये तथा वर्ष 1985-86 में 7 कृषि अपूर्ण गोदामों को भी पूरा कराने का भी प्रावधान किया गया था तथा वर्ष 1987-88 में 2 और नवीन कृषि गोदामों के निर्माण की योजना प्रस्तावित है।

जनपद के माध्यमिक कार्यकलापों के अन्तर्गत विभिन्न औद्योगिक इकाईयाँ हैं । अधिकतम जनसंख्या, ग्रामीण एवं लघु उद्योगों में कार्यरत हैं । जहाँ जहाँ जनपद में वृहद उद्योगों का विकास हुआ है वहीं दूसरी ओर लघु स्तरीय उद्योगों का भी विकास हो रहा है । यहाँ के प्रधान उद्योगों में छपाई, इत्र उद्योग, बीडी उद्योग, पीतल के वर्तन, लकडी के ठप्पे बनाना तथा साबुन बनाने के उद्योग हैं । जनपद के सघवाडे (फर्रुखाबाद) मोहल्ले में छपाई इकाइयों की संख्या 350 है । जिनमें लगभग 6000 कुशल तथा अर्द्धकुशल श्रमिक लगे हैं । इस उद्योग में लगभग 8 करोड कीपूँजी विनियोजित है । यहाँ के छपे वस्त्र, परदे, स्कार्फ, बेडशीटआदि मुख्यत: अमेरिका, इगलैण्ड, न्यूजीलैंड के देशों को निर्यात किये जाते हैं जिससे लगभग 2 करोड रुपये की विदेशी मुद्रा प्रतिवर्ष अर्जित की जाती है ।

कन्नौज नगरी में इत्र उद्योग केन्द्रित है । जो जनपद का प्राचीनतम उद्योग है । इस उद्योग की छोटी वडी लगभग 50 इकाइयाँ कार्यरत हैं । जिनमें 2.5 करोड रुपये विनियोजित है । इकाईयों में लगभग 1000 लोगों को रोजगार प्राप्त है । वहाँ का निर्मित इत्र अनेक जनपद की आवश्यकताओं को पूरा करता है । इन उद्योगों से प्रतिवर्ष 2 करोड रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त की जाती है । कन्नौज में चन्दन का तेल निकालने के लिए 10 कारखाने कार्यरत हैं जिनमें 100 व्यक्ति पूर्ण/आंशिक रूप से कार्यरत है ।

जनपद में 80 आलू संरक्षण संग्रहालयों में 1000 व्यक्ति कार्यरत है ।

कायमगंज तहसील जनपद में तम्बाकू, गन्ना, एवं फल के उत्पादन का प्रमुख केन्द्र है । यही कारण है कि किस्टिल्स, सुगर, एवं फल खाण्डसारी की इकाइयाँ यहाँ कार्य कर रही हैं जिसमें 1000 व्यक्ति सीजनल कार्यरत हैं । फलसंरक्षण का एक कारखाना पितौरा नामक स्थान में कार्यरत है । परन्तु फलोत्पादन का केवल 20 प्रतिशत ही इस कारखाने में उपयोग हो पाता है । अन्य उद्योगों में आलू चिप्स, रोलिंगमिल, चर्मशोधन, लकडी के ठप्पे, जनरल इन्जीनियर्स तथा मोमवत्ती, अगरवत्ती आदि स्थापित है ।

रेल विभाग वैगनों की पूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करने में अक्षम हैं जिससे औद्योगिक इकाइयों को कोयला नहीं मिल पाता है तथा उनको अधिक दर पर कोयला लेना पडता है जिससे उनकी उत्पादन दर अधिक हो जाती है ।

पावर की कमी के कारण इकाईयाँ पूर्ण कार्यक्षमता से उत्पादन नहीं कर पाती है। इस कारण उत्पादन का ह्रास होता है तथा पूरे समय तक कारीगरों को काम नहीं मिल पाता है।

वस्त्र छपाई उद्योग तथा सुगन्धित तेल व इत्र का निर्माण करने वाली इकाइयाँ पुरानी पद्धति से कार्य करती है क्योंकि वे आधुनिक पद्धति का उपयोग नहीं करती है। वह अपने परम्परागत ढंग से कार्य करती हैं तथा उनके कार्यों को आधुनिक रूप देने हेतु कन्नौज में इन्शोनिशयल आयल कम्पलेक्स तथा प्रयोगशाला तथा फर्रुखाबाद में अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड द्वारा सार्वजनिक सुविधा केन्द्र, छपाई प्रशिक्षण केन्द्र प्रिंटिंग प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की जा रही है जो कि उद्यमियों को आधुनिक कार्य प्रणाली अपनाने पर परामर्श देंगे जिससे नित्य नये फैशन के आधार पर बिल्कुल तैयार माल की निष्कासन हो सके तथा विपणन की कोई समस्या न रहे।

जनपद पिछड़ा होने के कारण बैंकों की कार्य पद्धति ठीक नहीं हैं। बैंक नवस्थापित होने वाली इकाइयों की माँग का केवल 10 प्रतिशत ही पूर्ति करती है। बैंको द्वारा ऋण देने की कार्य पद्धति सुगमता हों तथा वह शीघ्र इकाईयों को ऋण दे सके जिससे इकाईयों को स्थापना में अचल पूँजी की कार्यशील पूँजी की आवश्यकता की पूर्ति होने से इकाईयाँ की उन्नतिशील तथा प्रगतिशील रहेंगी।

- - - - - - - - - -

अध्याय-5

नियोजन सम्बन्धी समस्यायें :-

वर्तमान समय में जनपद -फर्रुखाबाद में एक सार्वजनिक क्षेत्र की कायमगंज में स्थापित चीनी मिल तथा कुछ निजी क्षेत्र कपडों की छपाई व ठप्पे बनाने से सम्बन्धित व बीडी उद्योग की लघु इकाइयों में ही अभ्यर्थियों को नियोजित करने की सुविधा उपलब्ध है । बडे उद्योगों का इस जनपद में अभाव होने के कारण बेरोजगारी की समस्या इस जनपद के लिए अभिशाप है ।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के अधिकाँशत: अभ्यर्थियों को स्वत: नियोजन हेतु जिला ग्रामोद्योग के माध्यम से एकीकृत ग्राम्य विकास एवं स्पेशल कम्पोनेन्ट तथा ट्राइसेस योजना के अन्तर्गत ऋण प्रदान करने की सुविधा उपलब्ध है ।

अशिक्षित शिल्पकार तथा पढे लिखे बेरोजगार नौजवानों को स्वत: प्रशिक्षण प्रदान करने की सुविधायें दी जा रही हैं । रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को सर्वप्रथम व्यवसायिक निर्देश दिया जाता है जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं शिशु प्रशिक्षण अधिनियम के अन्तर्गत नियोजकों के यहाँ लगाये जाने का प्रयास किया जाता है ।

अभ्यर्थियों की बेरोजगारी को देखते हुए उपरोक्त विभिन्न सुविधाओं के अन्तर्गत साधन पर्याप्त नहीं है तथा रोजगार केअवसर भी कम उपलब्ध है जिससे दिन-प्रतिदिन बेराजगारों की संख्या और अधिक बढती जा रही है । वर्तमान योजना में स्वत: रोजगार पर ही अधिक बल दिया गया है ।

इसके साथ ही साथ जनपद में एक आधुनिक तकनीकी युग में इस जनपद का मुख्यालय पर एक भी विज्ञान का शिक्षण संस्थान तक नहीं है, जिसके कारण मध्यम वर्ग के विज्ञान शिक्षणार्थियों को मजबूर होकर आगरा या कानपुर जाना पडता है । तकनीकी शिक्षा को ध्यान में रखते हुये जनपद मुख्यालय पर एक प्राविधिक शिक्षा के उद्देश्य से राजकीय पालीटेक्निक की स्थापना हेतु वर्ष 1984-85 की योजना में शासन से स्वीकृति प्राप्त भी की जा चुकी है । शिक्षित वर्ग को उनकी अभिरूचि के अनुसार न तो कोई प्रशिक्षण संस्थायें हैं और न ही कोई औद्योगिक इकाई है जहाँ कि वह कुछ सीखकर अपनी जीविकोपार्जन हेतु कार्य कर सकें ।

ऐसी दशा में आधुनिक प्रगतिशील युग में यदि खाद्य निर्माण उप-केन्द्र अथवा आलू जो यहाँ की मुख्य उपज है और पूरे प्रदेश में बाहुल्य से उत्पादित होती है । इसी से निर्मित होने वाली अन्य वस्तुओं के उपकरण लगाये जायें तो उनके उत्पादन का अधिक से अधिक लाभांश प्राप्त होगा और जनकल्याण होगा । जनपद में औद्योगिक केन्द्र स्थापित है किन्तु शिक्षित वर्ग को टंकण व शार्टहैण्ड व्यवस्था में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सुविधा नहीं है । अतएव शार्टहैण्ड व टंकण व्यवसाय, इलेक्ट्रानिक रेडियों व टेलीविजन के व्यवसाय बढ़ाने हेतु योजना की प्रस्तावना पर कार्यवाही की जा चुकी है । जनपद में निर्धन मध्यम वर्ग के लोगों को दैनिक समाचार व अन्य औद्योगिक साहित्य पढ़ने हेतु न तो कोई स्थान है और न कोई वाचनालय, जहाँ उपयोगी साहित्य प्राप्त हो सके । अच्छा होगा कि यदि किसी अच्छे वाचनालय की स्थापना की जाती ।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा उत्तीर्ण अथवा नवीन स्नातक अभ्यर्थी प्राय: व्यवसाय उधर खोजने हेतु नगर में आते हैं और यदि कोई व्यवसाय नहीं प्राप्त होता है तो प्राय: असामाजिक तत्वों के साथ में सम्मिलित होकर अनियंत्रित उद्दण्ड प्रकार के कार्य करने लगते हैं । अत: उन्हे खाली दिमाग न रखने एवं स्वत: नियोजन हेतु बैंकों से संरक्षण नीति अपनायी जाये तो सुधार होने की सम्भावना है ।

अध्याय-6

पिछडे समुदाय की समस्या

इस जनपद में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या प्रायः नगण्य है। अनुसूचित जातियों में जनपद में चमार, जाटव, धोबी, कोरी धानुक जातियों की संख्या का प्रतिशत अधिक है। अनुसूचित जातियों के अलावा जनपद में विमुक्त जातियाँ जैसे कंजड, नट, हगूडा, बिडिया, आदि भी निवास करते हैं। इन समुदायों के जीविका का साधन प्रायः मजदूरी पैतृक धन्धा तथा बटाई पर खेती करने का है। सामान्यतया इनको खेती के लिये भूमि बहुत कम मात्रा में होती है, जिसके मजदूरी और बटाई पर जमीन लेकर खेती करने के लिये दूसरों पर आश्रित रहना पडता है।

मुख्यतः पिछडे वर्ग के लोगों की समस्याऐं आर्थिक, सामाजिक व शैक्षिक हैं। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिये शासन द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम विभिन्न विकास विभागों द्वारा चलाई जा रहे हैं। मुख्यतः इस दिशा में हरिजन तथा समाज कल्याण विभाग ने कार्य किया है।

विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु उल्लेख अध्याय-12 में किया गया है।

अध्याय-7

जिला योजनाओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन

जिला नियोजन में कुछ क्षेत्र ऐसे है जो प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की भाँति विकास चाहते हैं और उनके लिए अन्य जनपदों की भाँति इस जनपद में भी कार्यक्रम है । कुछऐसे भी कार्यक्रम हैं जो इस जनपद की विशेष परिस्थितियों के अनुभव है । अतः उनके लिए विशेष कार्यक्रम बनाये जाते हैं । उनमें मुख्य कार्यक्रम निम्न हैं ।

1. एकीकृत ग्राम्य विकास योजना
2. स्पेशल कम्पोनेन्ट
3. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना
4. ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारण्टी योजना

एकीकृत ग्राम्य विकास योजना का मुख्य उद्देश्य देश में गरीबी की रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को इस रेखा से ऊपर उठाना है । जिन परिवारों की वार्षिक आय 3500.00रू0 तक है वह इस श्रेणी के परिवार माने जाते हैं । प्रत्येक वर्ष प्रत्येक विकास खण्ड से 600 परिवारों का चयन कर उनकी आय को इस प्रकार बढाना है कि वे इससीमा से ऊपर उठ जाये । इसके लिए अन्त्योदय प्रणाली क्लस्टर एप्रोच अथात् समूह चयन विधिप्रयोग की जाती है ।

आय बढाने के लिए परिवारों को उनके वर्तमान व्यवसायों में सहायता करना , नये व्यवसायों की स्थापना करके तथा परिवार के अन्य सदस्यों को अतिरिक्त आय अर्जन करने के अन्य कार्यों में लगाना है । इसके लिए कृषि पोषक, कृषि सहायक व्यापार , उद्यम तथा ट्राइसेम की योजनायें हैं ।

इस जनपद के सभी 14 विकास खण्डों में यह योजना कार्यान्वित की जा रही है तथा इस योजना अंतर्गत सन्तोषजनक उपलब्धियाँ प्राप्त की गई हैं । इन उपलब्धियों को और ऊँचा उठाने की आवश्यकता है । इस कार्यक्रम के संचालन में निम्न विशेषकठिनाइयों का सामना करना पड रहा है ।

1.कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए बैंको की वित्तीय सहायता पर निर्भर रहना पडता है । सभी बैंकोके शाखा प्रबन्धक कार्यक्रमों में आस्था न रखते हुए पूर्ण योगदान नहीं करते हैं ।

2. जो सहायता दी जाती है उसका लाभ परिस्थितियों वश या जानबूझकर नहीं उठाया जाता फलस्वरूप वित्तीय सहायता के दुरूपयोग के कारण ऋण वापस करना कठिन हो जाता तथा बैंक वसूली कम होने के कारण और अधिक ऋण सहायता देने में शाखायें रूचि नहीं लेती ।

3. जो सहायता निर्बल वर्ग को दी जाती है उसे कुछ विचौलिये सबल वर्ग के लोग पुराने ऋण के भुगतान के बदले बलपूर्वक प्राप्त कर लेते हैं अथवा ऋणी स्वयं पुराना ऋण दे देता है जिससे निर्बल परिवार को तो लाभ नहीं मिलता उस पर अदायगी का भार बढ जाता है ।

4. जो परिवार किसी कारण वश पूर्व के बकायादार होवे उनको ऋण सहायता प्राप्त नहीं कर सकते । ऐसे परिवारों की संख्या बहुत अधिक है जो दिन-प्रतिदिन बढती जा रही है । उपरोक्त कठिनाइयों को दूर करके ही इस कार्यक्रम को लोकप्रिय एवं लाभकारी बनाया जा सकता है ।

वर्ष 1980-81 से 1985-86 तक उक्त योजनान्तर्गत लाभान्वित परिवारों तथा उन्हें दिये गये अनुदान की धनराशि का विवरण निम्न तालिका में वर्णित है :-

वर्ष	सम्पूर्ण लाभान्वित परिवार संख्या	अनुसूचित परिवार संख्या	ट्राइसेम में प्रशिक्षित व्यक्ति	अनुदान की धनराशि (लाखों में)
1	2	3	4	5
1981-82	10163	4543	692	88.130
1982-83	9744	3565	560	126.275
1983-84	13712	5305	144	148.823
1984-85	12757	3644	350	175.458
1985-86	9320	4949	178	134.373

स्पेशल कम्पोनेन्ट योजना:- इस योजनान्तर्गत अनुसूचित व जनजाति के परिवारों को दी जाने वाली सहायता तथा ऋण प्राप्त करने में सुविधा प्रदान की गई है । प्रथम तो यह निर्धारित कर दिया गया है कि प्रत्येक विभाग के व्यय का 20 प्रतिशत कार्यों का सम्पादन

इस वर्ग के लोगों के लाभ में किया जाय । दूसरे एकीकृत ग्राम्य विकास के लाभार्जियों को सहायता में वृद्धि कर 25 प्रतिशत या 33,1/3 प्रतिशत अनुदान के ऊपर 50 प्रतिशत तक पूरा करने हेतु मार्जिन मनी 4प्रतिशत ब्याज पर ऋण के रूप में प्रदान की जाती है । यह योजना अनुसूचित जाति/ जनजातियों के कल्याण परिवारों के लिए विशेष लाभकारी है पर ग्रामीणक्षेत्रों में यह योजना एकीकृत ग्राम्य विकास योजना से बढकर रह गई है । दूसरी ओर उन्हीं परिवारों को लाभ मिल सकता है जो एकीकृत ग्राम्य विकास की योजनान्तर्गत लाभान्वित हो । शहरी क्षेत्र में इसका योगदान कम है क्योंकि वहाँ के लिए कार्यकर्ता कम है ।

इस योजना को सफल बनाने के लिए विकास खण्डों में अतिरिक्त स्टाफ की स्थापना करके सघन कार्यक्रम की योजना लागू करनी पडेगी ।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना :-

यह "श्रम के बदले अन्न" योजना का परिष्कृतरूप है । इस योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों , नाले , तालाब , पुलियाँ आदि बनाने का कार्यक्रम है । इस योजनान्तर्गत इस जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़के , पुलिया, नाले , तालाब, बनाये गये हैं जिनसे ग्रामीण मार्गों के जोडने में भी सुविधा प्रदान की गई है । कार्य के साथ ही साथ श्रमिकों को रोजगार भी उपलब्ध हुआ है लेकिन इस कार्यक्रम में भी कुछ कठिनाईयाँ अनुभव की जा रही है , वे नीचे सुधार हेतु वर्णित है ।

1. जो कार्य सम्पन्न किये गये हैं वे अस्थाई प्रकृति के हैं उन्हे स्थाईरूप से बनाना आवश्यक है और शासन की भी यही नीति है ।
2. भारी व बडे कार्यों के लिए श्रम व वस्तुअंश 60 प्रतिशत व40प्रतिशत है, जबकि कार्यदाही संस्थाओं के मतानुसार 20 प्रतिशत 80 प्रतिशत होना आवश्यक है ।

अध्याय-8

स्थानीय संसाधनः-

जनपद में खनिज पदार्थों के नाम पर कोई विशेष खनिज पदार्थ उपलब्ध नहीं है। भवन निर्माण कार्यों में मिट्टी से ईंटे बनाकर प्रयोग में आती है तथा गंगा के किनारों स्थानों से बालू उपलब्ध होती है भवन निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाला सीमेंट लोहा सभी जनपद के बाहर से आयात करना पड़ता है।

कृषि उत्पादन के अन्तर्गत गेहूँ मटर चना तिलहन धान मूँगफली मक्का तम्बाकू एवं आलू प्रचुर मात्रा में पैदा होते हैं। फलों के अन्तर्गत आम अमरूद नींबू की पैदावार उल्लेखनीय है। इस उत्पादित पदार्थों के अन्तर्गत आम अमरूद अधिक मात्रा में दूसरे प्रदेशों के लिए भेजे जाते हैं जिससे इस जनपद को अच्छी खासी आमदनी प्राप्त होती है अतः इस जनपद में प फलों का उत्पादन विशेष महत्व रखता है। इन उत्पादित पदार्थों से सम्बन्धित उद्योगों को कृषि उत्पादन के रूप में यह वस्तुएँ सुलभ होती हैं।

अध्याय -9

दीर्घ कालीन विकास की रूप रेखा

आगामी 5 वर्ष के बाद विभिन्न विकास विभागों में क्रिया कलापों का क्या स्वरूप होगा इसका विवरण निम्न अनुच्छेदों में वर्णित है।-

1- कृषि कार्यक्रमों के अन्तर्गत सप्तम पंचवर्षीय योजना में 5 प्रतिशत की दर प्रतिवर्ष रखी गयी है×। कृषि उत्पादन के अन्तर्गत प्रमुख खाद्यान्न के उत्पादनों के अन्तर्गत वर्ष 79-80, 84-85,89-90 के आंकड़े निम्न तालिका में दिए गये हैं :-

मद	वर्ष	उत्पादन हजार मी0 टन में	
खाद्यान्न	79-80	84-85	89-90
मक्का	39	46	51
मूंगफली	8	13	100 1
गेहूँ	210	215	220 18
अरहर	13	18	23

उद्यान

फर्रुखाबाद में आलू का पर्याप्त क्षेत्र फल है तथा उसका उत्पादन में अपना विशिष्ट स्थान है साग भाजी एवं फल उत्पादन का भी जनपद में उल्लेखनीय है। आलू एवं साग भाजी के अन्तर्गत क्षेत्रफल की दीर्घ कालीन रूप रेखा निम्नांकित है :-।उत्पादन हजार मी0 में।

मद	79-80 का स्तर	84-85 का स्तर	89-90 का स्तर
आलू के अन्तर्गत क्षेत्रफल हैक्0	35509	40000	450000
आलू का उत्पादन लाख मी0टन	4-54	9-00	11-700
फलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल	5257	8757	10886
साग भाजी के अन्तर्गत क्षे0है0	6753	13750	18700

जनपद आलू उत्पादन के क्षेत्र में विशिष्ट स्थिति को देखते हुये यह आवश्यक है कि फर्रुखाबाद जनपद को विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर अधिक से अधिक वैगन उत्पादन अवधि में उपलब्ध हों तथा उनको निर्दिष्ट स्थान पर तीव्र गति से पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

लघु सिंचाई:-

वर्ष 79-80 की स्थिति के अनुसार व्यक्तिगत अल्प सिंचाई साधनों की सिंचन क्षमता 155570 हे0था।,5 वर्षीय दीर्घकालीन परिप्रेक्ष्य से सम्भावना है कि लगभग 1 लाख हे0क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचन क्षमता में होगी। राजकीय लघु सिंचाई के अन्तर्गत वर्ष 90 तक 100 अतिरिक्त नलकूप के लगाये जाने का सम्भावित लक्ष्य है।

जिससे 10000 हे0 अतिरिक्त क्षेत्रफल में सिंचन क्षमता बढ़ेगी। (22)

9-4 सहकारिता:-

सहकारी समितियों द्वारा वर्ष 1970 के पूर्व ऋण का वितरण वैको द्वारा नही किया जाता था इसलिए अनेक गबन के मामले प्रकाश में आये जिन पर कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। उक्त प्रणाली से शासेतन ऋण बहुत बढ़ गया है जिससे समितियों की आर्थिक स्थिति जर्जर होने के साथ साथ सदस्यों के ऋण वितरण की क्षमता भी घट गयी जिसे रिव्यू कराने हेतु तथा शासेय ऋण के एवज में राज्य से ऋण प्राप्त करने हेतु प्राविधान भी किया गया×। इस प्रकार दीर्घ कालीन 5 वर्षों में जनपद की स्थिति सुदृढ़ हो जायेगी ।

जनपद में चल रहे शीतगृह घाटे में चल रहे हैं क्योंकि बिजली की आपूर्ति तथा इसकी असमान्य रेट तथा कमरों की कैपीसिटी कम होने के कारण इसका निराकरण जनरेटिंग सेट खरीदकर तथा एक कमरा और जोड़कर कैपीसिटी को बढ़ाकर भंडारण क्षमता को बढ़ाया जायेगा जिससे आमदनी बढ़ जायेगी इसी प्रकार आमदनी बढ़ाने हेतु एन0 सी0डी0सी0 तथा विश्व बैंक योजनान्तर्गत ऋण भी उपलब्ध हो रहा है जिससे प्रत्येक न्याय पंचायत समिति पर आलू भंडारण के अतिरिक्त अन्य वस्तुओं के भंडारण की क्षमता उपलब्ध हो जायेगी।

9-5 लघु उद्योग:- लघु उद्योग इकाइयों की स्थापना का जो लक्ष्य निर्धारित किया जाता रहा है उसमें उपलब्धता करीब 300 से 500 तक की थी तथा उपरोक्त उद्योग में सेवा पाने की भी उपलब्धि करीब 150 प्रतिशत रही। वर्तमान वर्ष से उद्योग स्थापना पर अधिक से अधिक बल ग्रामीण औद्योगीकरण पर दिया जा रह है तथा यह निश्चित किया गया है कि राजकीय सुविधाओं का ज्यादा से ज्यादा उपयोग ग्रामीण इकाइयों पर किया जाय शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इकाइयों की स्थापना का अनुपात 50 एवं 60 निश्चित किया गया है जिसके कार्यान्वयन का प्रयास किया जा रहा है।

9-6 सड़कें:- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के निर्धारित उद्देश्यों में व्यवस्था है कि वर्ष 1977 तक 1500 से ऊपर की आबादी के समस्त ग्रामों को लिंक रोड से जोड़ दिया जाय साथ×××××हीयहभी प्रस्तावित है कि 1000 से 1500 तक की आबादी के समस्त ग्रामों को 50 प्रतिशत सड़कों से इसी अवधि में जोड़ दिए जाँय ।

9-7 शिक्षा:-न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत यह ~~आवश्यक~~ है प्रस्तावित है कि वर्ष 1977 तक 6-14 वर्ष के बच्चों का शत प्रतिशत कक्षा प्रवेश सुनिश्चित किया जाय तथा नान फार्मल शिक्षा की व्यवस्था भी की जाय 15-35 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को इस अवधि में नान फार्मल शिक्षा के माध्यम से आच्छादन भी किया जाना अपेक्षित है।

3-8 चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्यः इस जनपद की कुल जन संख्या 1981 की जनगणना के अनुसार 1919137 है। वर्ष 2000 तक इस जनपद की अनुमानित जनसंख्या के लिए 68 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की आवश्यकता होगी जिनमें से अभी तक 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत हैं तथा हमें कुल 53 केन्द्र और स्थापित करने हैं। उनको क्रमशः दो भागों में विभाजित करने पर 1990 तक 25 केन्द्र नये स्थापित करने होंगे। हमारे पास 2 वर्ष का समय शेष है अतः तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रति वर्ष स्थापित करने हैं अन्तिम 3 वर्षों में चार केन्द्र स्थापित करके हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

इस जनपद में 14 विकास खण्ड हैं। प्रत्येक विकास खण्ड पर एक सामुदायिक विकास खण्ड की स्थापना करना 2000 ई० तक का लक्ष्य है। अतः हमें प्रत्येक वर्ष एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करना होगा। वर्ष 1987-88 की जिला योजना में ही एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना प्रस्तावित है।

अध्याय-10

जिला योजना की पूर्वता

केन्द्रीय योजना आयोग एवं राज्य स्तरीय नीति सिध्दान्तो के अनुरूप जिला योजना के मूलभूत सिध्दांत एवं पूर्वताएं निम्न प्रकार से निधार्रित हैं ।

10-1 विकास सामाजिक न्याय के साथ हों।

सघन ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के कार्यक्रम योजना में प्रस्तावित है । जिसका लाभ समाज के निर्बल वर्गों को मुलभ्त होंगें ।

10-2 जनपद के आर्थिक विकास के लिए स्थानीय, भौतिक तथा मानवीय संसाधनो का अधिकतम तथा सर्वोत्तम उपयोग हो जिससे आय एवं रोजगार दोनों में वृध्दि हो सके ।

10-3 भूमि पशुधन लघु एवं कुटीर उद्योगों की उत्पादकता की वृद्धि इस प्रकार से हो कि जो लाभ सम्भावित है उसका अधिकांश भाग समाज के दलित वर्ग छोटे किसान भूमिहीन कृषक तथा ग्रामीण उद्यमियों को मिल सके । इसी दृष्टिकोण से ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे गरीब परिवार सघन ग्राम्य विकास के अन्तर्गत चयन किये गये हैं ।

10.4 राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम:-

जिसमें प्राथमिक तथा प्रौढ शिक्षा , ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पेयजल तथा ग्रामीण सड़कें , ग्रामीण विद्युतीकरण , ग्रामीण निर्धनों के आवास हेतु पर्यावरण सुधार तथा पोष्टिक पुष्टाहार के कार्यक्रमों का समावेश जिला योजना में किया जाये ।

10.5 ऐसे सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थापनाओं का निर्माण किया जाये जिससे उपरोक्त लक्ष्यों की पूर्ति हो सके ।

10.6 उक्त वर्णित अवस्थापनाओं , संस्थाओं , को इस प्रकार पुनर्गठित किया जाये जिससे गरीबों के हितो की रक्षा हो सके ।

10.7 रोजगार के ऐसे अवसरों का सृजन किया जाये जिनसे भूमिहीनों, छोटे कृषकों आदि को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सके ।

10.8 रोजगार के अधिक अवसरों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दलितवर्ग भूमिहीनों , ग्रामीण उद्यमियों को विभिन्न प्रशिक्षण द्वारा प्रशिक्षित किया जाये ।

अध्याय-11

राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत योजना आयोग निर्धारित राष्ट्रीय लक्ष्य निम्न प्रकार है :-

मद	लक्ष्य	1985 तक का लक्ष्य
1	2	3
1-प्रारम्भिक शिक्षा	6-14 वर्ष के बच्चों का शतप्रतिशत कक्षा प्रवेश तथा नान फार्मल शिक्षा 15-35 वर्ष शतप्रतिशत 1990 तक नान फार्मल शिक्षा के माध्यम से आच्छादन।	6 से 11 वर्ष का 95 प्रति० कक्षा प्रवेश 50 प्रति० 11-14 वर्ष का कक्षा प्रवेश एक साथ ही नान फार्मल शिक्षा का कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं है।
2-ग्रामीण स्वास्थ्य	1990 तक प्रतिगाँव या प्रति एक हजार तक की आबादी पर 1 कम्युनिटी स्वास्थ्य सेवक।	1-4 लाख कम्युनिटी, हेल्थ स्वयं सेवकों की संख्या जो 1-4-80 को थी, को बढ़ाकर 3.60 लाख करना सब सेन्टरों की संख्या 50000 से 90 हजार अर्थात 75 प्रति० वृद्धि
	2- मैदानी इलाकों में 5000 जनसंख्या पर तथा पर्वतीय एवं जनजाति इलाके में 3000 जनसंख्या पर एक सब सेन्टरों की स्थापना 2000 ई० तक।	
	3-30000 की मैदानी जनसंख्या 20000 की पर्वतीय या जनजाति की जनसंख्या पर एक पी०एच०सी० 2000 ई० तक	5400 पी०एच०सी० एवं 1000 सब सेन्टरों में 600 अतिरिक्त पी०एच०सी० तथा 1000 सब सेन्टरों की स्थापना जिसे 45 प्रतिशत जनसंख्या आच्छादित हो सके
	4-2000 ई० तक प्रति एक लाख जनसंख्या पर या प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर एक सामुदायिक स्वा० केन्द्र की स्थापना	17 नये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना साथ ही 340 प्रोन्नति पी०एच०सी० का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में परिवर्तन।

3-ग्रामीण जल सम्पूर्ति		केवल पर्वतीय एवं रेगिस्तानी ग्रामों को छोड़कर अन्य समस्त जलाभाव ग्रस्त ग्रामों में जल सम्पूर्ति ।
4-ग्रामीण सड़कें	सन् 1990 तक 1500 से ऊपर सभी ग्रामों को लिंक रोड से जोड़कर तथा 50 प्रति० वैसे ग्रामों को भी जोड़ना जो 1000 से 1500 की आबादी के हैं ।	50 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति अर्थात् 20000 नये ग्रामों को लिंक रोड से जोड़ना ।
5-ग्रामीण विद्युतीकरण	प्रत्येक राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के 60 प्रति० ग्रामों का 1990 तक विद्युतीकरण।	40 प्रति० ग्रामों का विद्युतीकरण जिससे लक्ष्य पूर्ति हो सके अर्थात् 46464 ग्रामों का विद्युतीकरण।
6-ग्रामीण भूमिहीन मजदूरों को आवास सुविधा	1990 तक सभी भूमिहीन मजदूरों को आवास सुविधा इस सुविधा के अन्तर्गत मकान बनाने की सामग्री पानी पीने की सुविधा तथा विकास सड़क सामिल है।	शेष परिवारों को आवास स्थल का आवंटन तथा 25 प्रतिशत अर्ह परिवारों करीब 36 लाख परिवारों को मकान निर्माण में सहायता ।
7-शहरी गन्दी बस्तियों की वातावरण स्वच्छता	1990 तक शतप्रतिशत शहरी गन्दी बस्तियों का आच्छादन अर्थात जल सम्पूर्ति मलगम बहुसाती गलियों तथा सड़कों को पक्की करना इस कार्यक्रम में अनु० जाति विशेष भंगियों को प्राथमिकता दी जावेगी।	40 प्रति० गंदी बस्तियों की जनसंख्या अर्थात् 1 करोड़ या गन्दी बस्ती जनसंख्या का सुविधाओं से आच्छादन
8-पुष्टाहार		विशेष पुष्टाहार कार्यक्रम 600 आई०सी०डी०एस० ब्लाक के 50 लाख बच्चों तथा 5 लाख महिलाओं को समन्वित स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धि जिसमें भोजन स्वास्थ्य कल्याण सम्मिलित है । मिड डे मील:-एक करोड़ लाख लाभार्थी बच्चों को मिड डे मिल कार्यक्रम चलाना इसका

कार्यक्रम को अन्य आवश्यक सेवाओं
के साथ समन्वय कर दिया जावेगा।

विभिन्न कार्यक्रमोंपर विभागवार वर्ष 86-87 में व्यय का प्रविधान निम्नवत किया गया है ।

क्रमांक	विभागीय कार्य	वर्ष 86-87 में प्रस्तावित परिव्यय (हजार रु० में)
1-	प्रारम्भिक शिक्षा	4195.2
2-	ग्रामीण स्वास्थ्य	7997
3-	ग्रामीण जल सम्पूर्ति	4394.5
4-	ग्रामीण सड़कें	14000
5-	ग्रामीण आवास	661
6-	पुस्टाहार	2136
	योग 29961-2	33383.7

जिला योजना के अतिरिक्त राष्ट्रीय रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण विकास विभाग से धनराशि का प्रविधान किया जावेगा जो कि न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित किया जावेगा ।

उपरोक्त कार्यक्रमों के पूर्ण हो जाने पर राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम से सम्बन्धित लक्ष्यों का बहुत कुछ हिस्सा पूर्ण हो जावेगा ।

अध्याय-12

पिछड़े -समुदाय के लिये कार्यक्रम

पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों की समस्याओं के निवारण हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम वर्ष 1986-87 की योजना में प्रस्तावित है ।

अनुसूचित जातियों काकेल्याण :-

क्रमसं0	कार्यक्रम	वर्ष 1987-88 हेतु प्रस्तावित धनराशि ‖हजार रू0 में‖
1	2	3
1.	छात्रवृत्ति पाठ्य पुस्तिका तथा उपकरण हेत सहायता	
	‖क‖ जू0 हा0स्तर ‖6-8‖	300
	‖ख‖ प्राइमरी स्तर ‖कक्षा1-5‖तक	193
2.	नवम् एवं दशमोत्तर कक्षाओं की अन्तिम परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों का विशेष पुरूस्कार	25
3.	विभागद्वारा सहायता प्राप्त छात्रावासों पुस्तकालयों एवं पाठशालाओं के सुधार एवं विस्तार	25 420‖हरिजन‖
4.	स्वास्थ्य आवास सम्बन्धी गृह निर्माण हेतु अनुदान	660‖सामु0वि0‖

विमुक्त जातियों का कल्याण :-

1.	छात्रवृत्ति ,पाठ्यपुस्तिकाओंएवं उपकरण हेतु अनावर्तीय सहायता पिछड़ी जातियों का कल्याण	28
	1.जूनियर हाई स्कूल स्तर कक्षा 6-8	455
	2.प्राइमरी स्तर कक्षा 1-5	144
2.	निराश्रित विधवाओं को सहायता अनुदान	1200
3.	नेत्रहीन वधिक तथा शारीरिक रूप से विकलागों को अनुदान	274
4.	शारीरिक रूप से अक्षम तथा हड्डी रोग से ग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षा तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अनुदान	25
5.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के बच्चो को शैक्षिक तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अनुदान	12

6. शारीरिक रूपसे अक्षमव्यक्तियों को कृतिम सामान आदि खरीदने हेतु अनुदान	10
7.पुष्टाहार कार्यक्रम (आई०डी०सी०एस०योजनान्तर्गत	2136
8. हरिजन पेयजल योजना कूप एवं हैण्ड पम्प कार्यक्रम	840(हरिजनपेयजलकूप) 500(हैण्डपम्पकार्यक्रम)
9.सीलिंग पर आबंटियों को आर्थिक सहायता	250
	7497

उपरोक्त सुविधायें प्रदान करने के उपरान्त भी अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की निम्न समस्याओं के निराकरण हेतु निम्नवत् प्रक्रिया अपनाई जा रही है हरिजन उत्पीडन :- अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की हत्या किये जाने पर घोरी मकान जलाना गम्भीर रूप से आघात एवं अपंग करें पर चल सम्पति तथा आर्थिक क्षति पहुंचाने पर शासन द्वारा अनुदान किया जाता है ।

आर्थिक असमानताओं को दूर करने के लिये शासन ने स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान (हरिजन कल्याण) 2 अक्टूबर 1980 से प्रारम्भ किया है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सप्तम पंचवर्षीय योजना काल में 50 प्रतिशत अनुसूचित जाति के परिवारों को जो गरीबी की रेखा से नीचे अपना जीवनयापन कर रहे हैं और जिनकी आय शहरी क्षेत्र मे 4300/-रू० ग्रामीण क्षेत्र में 3500/-रू०से कम तथा शैक्षिक बेरोजगार को 6000/-रू० वार्षिक से कम हो उन्हें आर्थिक योजनायें देकर गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जायेगा ।

अनुसूचित जाति का सर्वांगीण विकास करने के लिये स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत उन विभागों में जिनकी योजनाओं के विकास किये जा सकते हैं 4, अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिये शासन द्वारा धन अलग से मात्राकृत किया जाता है । इसके अतिरिक्त जिन विभागों की योजनाओ का विभाजन नहीं हो जाता उन्हे यह आदेश दिये गये हैं कि वे अपनी योजना हरिजन बाहुल्य क्षेत्र में तथा उनके निकट प्रारम्भ करें जिससे कि अनुसूचित जाति के लोगों को अधिक से अधिक लाभ हो सके । स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्दर अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम बैंक ऋण का 50 प्रतिशत अनुदान 3000 तक मार्जिन मनी ऋण 4 प्रतिशत ब्याज पर 5000/- की सीमा तक इस आधार पर देता है कि योजना के नाम रिकरिंग लागत 2000/- रू० से अधिक नहीं होनी चाहिये ।

वर्ष 1987-99 में भी इतने ही लक्ष्य की पूर्ति करना प्रस्तावित है इस के अतिरिक्त अनुसूचित जाति के सर्वांगीण विकास के लिये विभिन्न विभागों द्वारा जो कार्य किये जाते हैं उनके विभागवार कार्यक्रम निम्नप्रकार है:-

क्रमांक	विभाग का नाम	कार्यक्रम
1.	सामुदायिक विकास	आवास एवं पेयजल
2.	पंचायत विभाग	राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना
3.	सिंचाई विभाग	ट्यूब वेल निर्माण
4.	विद्युत विभाग	हरिजन बस्ती का विद्युतीकरण एवं जनता कनेक्शन आदि
5.	मत्स्य विभाग	मत्स्य पालको पर मृण दिये जाने वाला अनुदान
6.	जिला परिषद	अल्पोदय कार्यक्रम
7.	शिक्षा विभाग	सामुदायिक पौधशाला अनुदान=तिलहन प्रदर्शन
8.	खादी ग्रामोद्योग विभाग	खादी एव ग्रामीण उद्योगो के लिये

अध्याय-13

वर्ष 1987-88 सप्तम पंचवर्षीय योजना काल का तृतीय वर्ष है इस वर्ष की योजना संरचना में विभागवार महत्वपूर्ण प्रस्तावित कार्यों का विवरण नीचे दिये जा रहे हैं :-

1. कृषि :- इस विभाग के अन्तर्गत वर्ष 1987-88 की योजना में राजकीय प्रक्षेत्र जाजपुर बंजारा पर 150 एकड भूमि में खेती कराना प्रस्तावित था, जबकि वर्ष 1985-86 में 100 एकड में खेती की गई थी। 50 एकड अतिरिक्त भूमि में ऊसर भूमि का सुधार करके खेती करना प्रस्तावित है जिसके लेआउट प्लाटिंग, मेडबन्दी, आदि कार्यक्रमों हेतु स्टाफ के वेतन, मजदूरी, माल सम्पूर्ति तथा अन्य कार्यालय व्यय हेतु 475 हजार रू0 की धनराशि प्रस्तावित की गई।

प्रक्षेत्र पर गत वर्षों से अनावासीय व आवासीय भवनों के अधूरे कार्यों को पूरा करने हेतु 309 हजार तथा 2 नवीन कृषि बीज भण्डारों के निर्माण हेतु 466 हजार रू0 की धनराशि का प्राविधान किया गया है। इस जनपद के 14 विकास खण्डों में 19 कृषि बीज भण्डारों की आवश्यकता है जिनमें से वर्ष 1985-86 में 4, 1986-87 में 6 तथा 1987-88 में 2 का लक्ष्य निर्धारित किया गया जिससे सप्तम पंचवर्षीय योजना के अन्त तक सभी कृषि बीज भण्डारों का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

राष्ट्रीय तिलहन विकास कार्यक्रम :- के अन्तर्गत इस जनपद में मूँगफली की खेती को प्रोत्साहन देने हेतु 2 लाख रू0 की धनराशि प्रस्तावित की गई है जिसमें 720 मूँगफली के 0.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल की दर से 600 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 300/- प्रतिदर्शन की दर से 360 हजार तथा 40 हेक्टेयर मे 0.5 हे0 क्षेत्रफल के 200 प्रदर्शन बीज मिनीकिट में सम्पन्न कराने में 40 हजार रू0 की धनराशि सुरक्षित की गई है।

ऊसर सुधार की योजनान्तर्गत पाइराइट, जिप्सम, मृदा सुधारको वा 340 हेक्टेयर के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु कृषकों को अनुदान स्वरूप 455 हजार रू0 की धनराशि प्रस्तावित की गई है।

2. कृषि रक्षा :- जनपद में 14 कृषि रक्षा इकाइयाँ स्थापित हैं जिनके स्टाफ के वेतन भत्तों आदि की व्यवस्था के साथ-साथ सप्तम पंचवर्षीय योजनान्तर्गत जनपद की सम्पूर्ण इकाइयों हेतु कृषि रक्षा गोदामों का निर्माण विभिन्न चरणों में रक्खा गया है। वर्ष 1985-86 में एक कृषि रक्षा गोदाम नवाबगंज में स्वीकृत किया गया जिस पर कार्य चल रहा है। वर्ष 1986-87 में 5 इकाइयों के गोदाम बढपुर, कन्नौज, छिबरामऊ, कायमगंज, एवं कासगंज में स्वीकृत किये जा चुके हैं। वर्ष 1987-88 में 3 कृषि रक्षा इकाइयों के भवन हसेरन, जसोदा तथा तिर्वा प्रस्तावित किये गये हैं। उपरोक्त कृषि रक्षा सेवा के सुदृढीकरण योजनान्तर्गत 525 हजार रू0 की धनराशि का परिव्यय स्वीकृत किया गया है।

गेहूं की फसल में गेहूंआ एवं जंगली जई/खरपतवार नियन्त्रण की योजना के अन्तर्गत गेहूं की फसल में फ्लेरिश माइनर एवं पेन्टुआ नामक रोग को आइसोप्रोट्यूरान नामक रसायन पर 25प्रतिशत अनुदान हेतु 9.5 हजार रु0 की धनराशि सुरक्षित की गई है ।

3. उद्यान/आलू विकास:- 10 एकड़ भूमि पर एक आलू प्रक्षेत्र की स्थापना की गई जिसपर लेवलिंग, नलकूप निर्माण, आफिस गोदाम तथा कांटेदार तार की वाउन्ड्री आदि लगभग फरवरी 1986 तक पूर्ण की जा चुकी है तथा अन्य शेष कार्यों को पूर्ण करने हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा द्वारा दिये गये पुनरीक्षित आगणनों के आधार पर 35 हजार रु0 की धनराशि प्रस्तावित की गई है । इस प्रकार स्टाफ के वेतन व अपूर्ण कार्य को पूरा करने हेतु 103 हजार रु0 की धनराशि का प्राविधान वर्ष 1987-88 की योजना में किया गया है ।

प्रदेश में औद्योगिक उत्पादन में सघनीकरण की योजनान्तर्गत विकास खण्ड-कन्नौज में ग्राम मानपुर में एक पौधशाला की स्थापना वर्ष 1979-80 में की गई जिसका क्षेत्रफल 10 एकड़ है। इस पर फलदार एवं शोभाकार पौधों का उत्पादन भी किया जा रहा है ।

एक पौधशाला लकूला में एक एकड़ की जिसके अन्दर पेड़ खड़े हैं इससे पौधों आसानी से सुलभ नहीं हो पाते । अत: एक और नई पौधशाला का प्रस्ताव वर्ष 1987-88 की योजना में प्रस्तावित है जिसको सम्मिलित करते हुये 240 हजार रु0 की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

प्रदेश में प्रमुख एवं पिछड़े क्षेत्रों में औद्यानिक विकास की योजनान्तर्गत विकास खण्ड-बढ़पुर, कमालगंज, कायमगंज, गुरसहायगंज, में सचल दल कार्यालय के नाम से चलाये जा रहे हैं लेकिन निजी कार्यालय न होने के कारण अनेकों कठिनाईयाँ है। वर्ष 1987-88 की योजना में एक कार्यालय भवन व विक्री केन्द्र की स्थापना हेतु गुरसहायगंज में प्रस्तावित है जिसके निर्माण पर 50 हजार का अनुदान लगाते हुए 270 हजार की योजना स्वीकृत की गई है ।

4. गन्ना विकास :- इस जनपद में गन्ना का क्षेत्रफल बहुत कम है वह भी कायमगंज, तहसील में हैं । वहाँ पर एक चीनी मिल की स्थापना पूर्व ही की जा चुकी है । गन्ना विकास की योजनान्तर्गत 100 हजार रु0 की धनराशि की स्वीकृति प्रदान की गई है ।

5. कृषि विपणन :- शमशाबाद व छिबरामऊ में मण्डी परिषद द्वारा कराये जा रहे निर्माण में 76 हजार रु0 की केन्द्र पोषित योजनान्तर्गत ग्रामीण गोदामों के निर्माण हेतु धन आवंटित किया गया है ।

6. भूमि सुधार :- इस योजना के अन्तर्गत 1000 भूमि हीन हरिजनों को राज्यांश के रूप में 250 हजार रु0 की धनराशि आवंटित की गई है । इतनी ही मांग केन्द्र से प्राप्त होगा ।

7. निजी लघुसिंचाई :- विकास खण्ड-वढपुर में एक बोरिंग गोदाम के निर्माण हेतु 40 हजार ,उपकरण एवं संयन्त्र क्रय हेतु 80 हजार रू0 की धनराशि को सुरक्षित करते हुये लघु/सीमान्त कृषकों को निर्धारित अनुदान के समायोजन हेतु 1013 हजार रू0 की अतिरिक्त धनराशि का भी प्राविधान वर्ष 1987-88 की योजना में किया गया है ।

नई पम्प सुधार योजना में 75 हजार रू0 की धनराशि भी स्वीकृत की गई है ।

8. राजकीय नलकूप :- इस विभाग की योजनाओं के मद 4 नवीन नलकूपों के निर्माण हेतु 25 लाख ,40 किलोमीटर पक्की व 60 कि0मी0 कच्ची गूलों के निर्माण हेतु 24 लाख तथा 10 पुराने असफल नलकूपों का पुनःनिर्माण हेतु 26 लाख रू0 को सम्मिलित करते हुये 75 लाख रू0 की परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

9. भूमि एवं जलसंरक्षण (कृषि) :- प्रदेश में क्षारीय एल्कालाइन भूमि के सुधार की योजनान्तर्गत 340 हेक्टर भूमि के सुधारक ,रसायनिक ,पाइराइट व जिप्सम पर अनुदान प्रदान करने हेतु 465 हजार रू0 की परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

10. पशुपालन :- इस विभाग की प्रमुख योजना मदों में निम्न आधार पर परिव्यय आवंटित किया गया है ।

1. पशु-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार एवं विस्तार की योजनान्तर्गत -पशुचिकित्सालय अमृतपुर की निरन्तरता हेतु 63 हजार , "द" श्रेणी पशु-चिकित्सालय नादेमऊ ,26 हजार ,मुख्य पशु-औषधि की 15 हजार पशु-सेवा केन्द्र तालपुर की निरन्तरता ,15 हजार को सम्मिलित करते हुये 119 हजार रू0 के व्यय का प्राविधान किया गया है । इसके साथ ही पशु- सेवा केन्द्र सेवा केन्द्र सकिसा का "द" श्रेणी के पशुचिकित्सालय में उच्चीकरण हेतु 15 हजार तथा पशु-सेवा केन्द्र डडौनी की स्थापना आदि नई योजनान्तर्गत 12 हजार रू0 का परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

2. वर्तमान पशुचिकित्सा एवं पशु सेवा केन्द्रों में अतिरिक्त सुविधाओं का प्राविधान :- इस योजना मद में अपूर्ण पशु-चिकित्सालय गुरसहायगंज , औरिख ,हसेरन ,को क्रमशः 120 , 90 तथा 130 हजार रू0 की धनराशि सुरक्षित की गई है इसके साथ ही पशु -चिकित्सालय तिर्वा के भवन निर्माण एवं पशु चिकित्सालय -सरायप्रयाग के भवन निर्माण हेतु क्रमशः 118.5, 118.5 हजार रू0 का परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

3. स्थानीय निकायों द्वारा चालित पशु-चिकित्सालयों का प्रान्तीयकरण- की योजनान्तर्गत पशु-चिकित्सालय तालग्राम की निरन्तरता हेतु अधिष्ठान पर 45 हजार रू0 खुरपका रोग की रोकथाम की केन्द्र पोषित योजना पर 7.5 हजार रू0 का परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

4. पशुधन विकास योजनान्तर्गत तरल वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का विस्तार एवं सुदृढीकरण में केन्द्र त्विर्वा पर बुलशैड , भूसा एवं राशनगोदाम, साँडलेबक , एवपशुधन विकास सहायक के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 180 हजार रु0 अतिहिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का सुदृढीकरण एवं विस्तार की योजना में 50 हजार रु0 की धनराशि का परिव्यय स्वीकृत किया गया है । इसके साथ ही कृत्रिम गर्भाधान ढाँचे के सुदृढीकरण 110 हजार रु0 का भी परिव्यय स्वीकृत किये गये हैं ।

5. नये कुक्कुट प्रक्षेत्रों की स्थापना एवं वर्तमान कुक्कुट प्रक्षेत्रों के सुदृढीकरण की योजनान्तर्गत 60 हजार तथा संयुक्त राष्ट्रवाल आपातनिधि के सहयोग से व्यवहारिक पुष्टाहार कुक्कुट उत्पादन की योजना में 8000 रु0 की धनराशि का भी प्राविधान किया गया है ।

6. भेड़ एवं ऊन विकास की योजनान्तर्गत बकरी प्रजनन सुविधाओं के प्रसार की योजना में 3.3 हजार रु0 की धनराशि का परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

7. सूकर विकास की योजनान्तर्गत , पशु-चिकित्सालय पर अभिजनन कार्य हेतु सूकर साँड रखने की योजना में 4हजार रु0 की धनराशि का परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

8. इनके अतिरिक्त अन्य पशुधन विकास की योजना के अन्तर्गत ग्रामीण प्रसार कार्यक्रम एवं पशु प्रदर्शनी हेतु 4.2 हजार रु0 की परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

9. चारा/चाराबीज तथा चारागाहों के विकास की योजना मद में 5000 रु0 का प्रस्तावित परिव्यय स्वीकृत किया गया है । इस प्रकार पशुपालन विभाग की सभी योजनाओं में 1200 हजार रु0 के परिव्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है ।

11. मत्स्य पालन :- मत्स्य पालन विकास अभिकरण की योजनान्तर्गत अनुदान हेतु 100 हजार रु0 के परिव्यय की स्वीकृति दी गई है ।

12. वन विभाग :- सामाजिक वानिकी योजना के अन्तर्गत 1700 हजार रु0 तथा लाख बहोसी में वन पालकों हेतु भवन के निर्माण हेतु 200 हजार रु0 तथा रेन्ज व प्रभागीय कार्यालय हेतु 200 हजार रु0 की दोनों नवीन योजनाओं के लिए परिव्यय की स्वीकृति कीगई है ।

13. पंचायत राज- इस विभाग के अन्तर्गत पंचायत उद्योगों को तकनीकी सहायता हेतु 20 हजार रु0 पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढीकरण में 6हजार ग्रामीण पर्यावरण में स्वच्छता हेतु (नाली खडंजा निर्माण) 500 हजार रु0 , पंचायतघरों के निर्माण हेतु 500 हजार रु0 हाटबाजार तथा मेलोंकीस्थिति

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B,Sri Aurbindo Marg,New Delhi-110016
D.C. No. 3866
Date 11/6/87

में सुधार हेतु गाँव सभाओं को अनुदान 55.0 हजार रू0 को सम्मिलित करते हुये कुल 109.1 हजार रू0 के परिव्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है ।

14. प्रादेशिक विकासदल :- इस विभाग की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत 524.00 हजार रू0 की धनराशि का प्राविधान किया गया है जिसमें नई योजनान्तर्गत 2 व्यायामशालाओं के निर्माण करने हेतु 202 हजार रू0 का परिव्यय भी सम्मिलित है ।

15. हरिजन पेयजलकूप :- यह योजना न्यूनतम आवश्यकता कार्य क्रम के अन्तर्गत वर्गीकृत है । इस जनपद में वर्ष 1982-83 की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 565 हरिजन बस्ती है जिनमें पेयजल सुविधा का अभाव है । वर्ष 1982-83 से वर्ष 1985-86 तक 183 हरिजन कूपों का निर्माण कराकर पेयजलसुविधा प्रदान की जा चुकी है तथा 1984-85 में 70 हैण्डपम्प जल-निगम विभाग द्वारा लगवाकर पेयजलसुविधा प्रदान की गई परन्तु हैण्डपम्पों की उचित देखभाल न होन सकने के कारण स्थानीय माँग के आधार पर कूपों का निर्माण अत्याधिक उपयुक्त पाया गया । सर्वेक्षण के अनुसार 565 हरिजन बस्तियों में 253 कूपों के निर्माण के उपरान्त 312 हरिजन बस्तियों में कूप निर्माण की और आवश्यकता है जिनमें से वर्ष 1987-88 की जिला योजना में 70 हरिजन कूप निर्माण हेतु 840 हजार रू0 की धनराशि का प्राविधान किया गया है ।

16. निर्बल वर्ग आवास योजनान्तर्गत लाभार्थी अपने भवन की दीवाल स्वयं तैयार करता है तथा 2000 रू0 की धनराशि सामग्री के रूप में प्रदान की जाती है स्थल विकास एवं आकस्मिक व्यय के अन्तर्गत 150/- व 50/-क्रमशः 200 रू0 की धनराशि का भी प्राविधान है ।

छटी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 20998 गृह विहीनों को आवास स्थल आवंटित किये गये तथा वर्ष 1985-86 तक 1753 भवनों का निर्माण भी कराया जा चुका है जिनमें 1584 अनुसूचित जाति के भवन भी सम्मिलित है। वर्ष 1986-87 में 119 भवनों का निर्माण किया जा रहा है तथा वर्ष 1987-88 में 300 अतिरिक्त भवनों के निर्माण हेतु 660 हजार रू0 का धन की योजना प्रस्तावित की गई है ।

17. ग्राम्य विकास (सामुदायिक विकास) जनपद में कार्यरत जिला विकास कार्यालय का भवन किराये पर है जोकि इतनी जीर्ण शीर्ण अवस्था में है. जिसमें वर्षात के दिनों में कार्य करना तो दूर रहा विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के लिये सुरक्षित कार्य करने के स्थान का भी अभाव है । उक्त कठिनाइयों को देखते हुयेगत वर्ष की जिला योजना में 31.61 लाख रू0 के आगणन के विरुद्ध 22.0 लाख रू0 की धनराशि

वर्ष 1986-87 में शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है जिसपर निर्माण की कार्यवाही प्रारम्भ की जा रही है [illegible] आगणन के विपरीत शेष 9.61 लाख रु० की धनराशि का प्राविधान वर्ष 1987-88 की योजना में प्रस्तावित है ।

इसके अतिरिक्त विकास खण्डों में आवासीय भवनों की कठिनाइयों को देखते हुये खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी तथा ग्राम विकास अधिकारी, टाइप आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 15.53 लाख रु० की धनराशि को सम्मिलित करते हुये कुल 25.14 लाख रु० की धनराशि का परिव्यय स्वीकृत किया गया है ।

18. ग्राम्य विकास (एकीकृत ग्राम्य विकास) :- इस विभाग के अन्तर्गत लघु एवं सीमान्त कृषकों तथा भूमिहीन श्रमिकों एवं शिल्पकारों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए 84 लाख रु० की धनराशि का अनुदान प्रस्तावित है । इसके अतिरिक्त निजी लघु सिंचाई योजना, कृषि कीट एवं मिनीकिट वितरण तथा वृक्षारोपण कार्य हेतु 35 लाख रु० की धनराशि केन्द्र पोषित योजनान्तर्गत प्रस्तावित की गई है ।

19. सहकारिता :- सहकारी बैंकों की 2 शाखाओं को प्रबन्धकीय सहायता अनुदान हेतु 16 हजार रु० 2 जिला सहकारी बैंक शाखाओं के नवीनीकरण हेतु 20 हजार रु० का अनुदान, क्रय-विक्रय समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन, 271 हजार रु० सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उपभोक्ता व्यवसाय हेतु "पैक्स" को सीमान्त धन 205 हजार तथा केन्द्रीय उपभोक्ता भण्डारों को व्यवसाय हेतु सीमान्त धन 25 हजार रु० की धनराशि को सम्मिलित करते हुये कुल 537 हजार रु० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

20 विद्युत :- विद्युत विभाग की 2 इकाइयाँ फर्रुखाबाद व कन्नौज में कार्यरत हैं जिनमें से कन्नौज खण्ड की सूचना ही प्राप्त हो सकी जिसमें [illegible] ग्रामीण विद्युतीकरण (राज्य सामान्य कार्यक्रम) के अन्तर्गत 19 लाख रु० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

21. ग्रामीण लघु उद्योग एवं हथकरघा :- इस विभाग की चालू योजनाओं में लघु उद्योगों को सहायता 100 हजार, एकीकृत मार्जिन मनी ऋण 300 हजार मेले एवं प्रदर्शनी 25 हजार तथा उद्यमकर्ता विकास योजना प्रशिक्षण एवं शोधकार्य हेतु 40 हजार रु० की धनराशि को सम्मिलित करते हुये कुल 465 हजार रु० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग योजनान्तर्गत हथकरघा सहकारी समितियों को हिस्सा पूँजी ऋण हेतु 159.5 हजार, हथकरघा सहकारी समितियों को रंगाई घरों की स्थापना हेतु सहायता मद में 37.5 हजार बुनकर सहकारी समितियों द्वारा कार्यशाला निर्माण हेतु 60 हजार तथा

हथकरघा बुनकर सहकारी समितियों को प्रवन्धकीय सहायता हेतु 18हजार रू० की धनराशि को सम्मिलित करते हुये कुल 275 हजार रू० का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

22. सड़क एवं पुल :- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत 1500 की आवादी तक के गाँवों को जोडने हेतु 11564 हजार रू० तथा 8 छोटे पुलो के निर्माण हेतु 2436 हजार रू० की धनराशि को सम्मिलित करते हुए 14000 हजार रू० का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

23. पर्यटन विकास :- सीकिसा पर्यटन केन्द्र के विकास हेतु चालू योजना में 200 हजार तथा इन्दरगढ पर्यटन केन्द्र के विकास हेतु नई योजना में 500 हजार रू० का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

24. समाज्य शिक्षा :- (अ) वेसिक शिक्षा (इस जनपद में लगभग 300 जूनियर वेसिक स्कूल तथा 170 सीनियर वेसिक स्कूल भवन रहित है उनमे से 50 प्रतिशत भवनो को पूर्ण करने हेतु सप्तम पंचवर्षीय योजना के अन्त तक लक्ष्य प्रस्तावित है । वर्ष 1987-88 की जिला योजना में 17 जूनियर वेसिक स्कूल तथा 10 सीनियर वेसिक स्कूलों के भवन निर्माण हेतु क्रमशः 1263. 1330 हजार रू० की धनराशि प्रस्तावित की गई है । नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 595.1 हजार रू० की धनराशि अंशकालिक कक्षायें खोलने हेतु प्रस्तावित है । इसके अतिरिक्त वेसिक शिक्षा की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के सभी मदों को सम्मिलित करते हुये चालू योजना के अन्तर्गत 4195.2 हजार रू० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

(ब) माध्यमिक शिक्षा :- इस विभाग की प्रमुख्य योजना मद वर्तमान राजकीय जिला पुस्तकालयों का विकास तथा नये जिला पुस्तकालयों की स्थापनाहेतु 200 हजार , उमर्दा के उ०मा० विद्यालय के भवन निर्माण हेतु द्वितीय चरणमें 500 हजार रू० चालू योजनाओं में प्रस्तावित किया गया है ।

इसके अतिरिक्त नवीन योजना के अन्तर्गत 1530.3 हजार रू० की योजना विभिन्न मदों हेतु प्रस्तावित है जिनमे से राजकीय इन्टर कालेजों में अतिरिक्त वनुभाग खोलने तथा नये विषयों के समावेश हेतु 188 हजार , राजकीय उच्चतर माध्यमिक वालिका के विद्यालय मे कक्षों की व्यवस्था हेतु 225 हजार तथा फर्रुखावाद नगर में एक वालिकाओं के उ०मा० विद्यालय की स्थापना हेतु प्रथम चरण में 905.5हजार रू० की प्रस्तावित योजना मे प्रमुख्य है । इस विभाग की योजना मदों में 2288.3 हजार रू० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

वयस्क शिक्षा :- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र पोषित योजना के मद राज्य सरकार के संसाधनों से ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजनान्तर्गत 1073हजार रू० का वचनवद्ध परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

25. खेलकूद/स्पोर्ट्स :- इस विभाग की विभिन्न योजनाओं में 863 हजार रू० का परिव्यय चालू योजनाओं में प्रस्तावित किया गया है जिसमें से 800 हजार रू० पत्तेहगढ के स्टेडियम के विकास हेतु सुरक्षित किया गया है ।

26. प्राविधिक शिक्षा :- जनपद -फर्रुखाबाद में वर्ष वर्ष 1984-85 की योजना में एक पालीटेक्निक की स्थापना हेतु शासन से स्वीकृति प्रदान की गई जिसमें चतुर्थ चरण में 10 लाख रू० का प्राविधान और किया गया है ।

27. चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य :- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत चालू योजनाअे में 51.5 लाख रू० का परिव्यय 2 नये उप-केन्द्रों का भवन निर्माण एक सब्सीडियरी हेल्थ सेन्टर की स्थापना हेतु 25 हजार, 2 नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो के भवन निर्माण हेतु 12 लाख ,5 नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना हेतु 435 हजार , तथा 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना हेतु 3000 हजार रू० की धनराशि प्रस्तावित की गई है जिसमें पुराने अधूरे कार्यों को पूरा करने हेतु भी धनराशि मात्राकृत की गई है ।

इसके अतिरिक्त एक अस्पताल में डीजल जनरेटर की स्थापना हेतु 222.0 हजार , 2 अस्पतालों में दन्त चिकित्सालयों की स्थापना हेतु 130.0 हजार रू० , 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बाल चिकित्सालय की स्थापना हेतु 168 हजार , 2 अस्पतालों में रेडियोलाजी हेतु 710 हजार रू० , मेडिकल एवं सर्जीकल सुविधाओं हेतु 60 हजार , 4 शहरी व ग्रामीण चिकित्सालयों होम्योपैथिक चिकित्सालय की स्थापना हेतु 120 हजार , राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालयों में आकस्मिक दवाओं की व्यवस्था , हेतु 20 हजार रू० तथा शहरी चिकित्सालयों में जल-सम्पूर्ति हेतु 561 हजार रू० की चालू योजनायें प्रस्तावित की गई है ।

इसके अतिरिक्त छिबरामऊ के प्राथमिक स्वास्थ्यकेन्द्र के विस्तार हेतु 389 हजार , अस्पतालों में विशिष्ट उपचार सेवाओं की व्यवस्था , पैथोलाजी , ई०एन०टी०हेतु क्रमशः 105 व 60 हजार रू० की धनराशि नई योजनाओं में प्रस्तावित की गई है ।

28. आयुर्वेदिक /यूनानीचिकित्सा - ग्रामीण क्षेत्रों में 4 शैय्यायुक्त आयु०/ यूनानी चिकित्सालय की स्थापना हेतु 35 हजार , शहरी क्षेत्र में एक 25 शैय्यायुक्त आयु०/यूनानी चिकित्सालय की स्थापना हेतु 70 हजार तथा वर्तमान आयु०/यूनानी चिकित्सालय के प्रोन्नयन हेतु चालू योजनोओं 40 हजार रू० का परिव्यय प्रस्तावित है ।

नवीन योजनान्तर्गत वर्तमान राजकीय आयु0/यूनानी चिकित्सालय के भवन का निर्माण एवं विद्युत पानी की व्यवस्था हेतु 150 हजार रू0 का परिव्यय भी प्रस्तावित है ।

29• ग्रामीण पेयजल (जल-निगम) :- ग्रामीण जल-सम्पूर्ति (न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम) के अन्तर्गत 3554•5 हजार रू0 की धनराशि का प्राविधान किया गया है जिसमें 20 ग्रामों में 2 हैण्डपम्प एशिया टाइप प्रत्येक गाँव में लगाने हेतु 5 लाख तथा 50 नये समस्याग्रस्त गाँवों को सेच्यूरेट करने हेतु 2354•5 हजार रू0 का परिव्यय भी सम्मिलित है ।

30• शिल्पकार प्रशिक्षण (आई0टी0आई0) इस विभाग की वर्तमान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के सुदृढ़ीकरण हेतु 30.4 हजार रू0 चालू योजनाओं में तथा नये व्यवसायों की स्थापना एवं साज-सज्जा हेतु 125 हजार रू0 की धनराशि भी प्रस्तावित की गई है ।

31• अनुसूचित जाति/जनजाति तथा पिछड़ी जातियों का कल्याण:-

इस विभाग की चालू योजनाओं में निर्धनता व योग्यता के आधार पर कक्षा- 6-8 तक के बच्चों को छात्रवृत्ति एवं पाठ्य पुस्तकीय सहायता हेतु 493 हजार रू0 की धनराशि का परिव्यय प्रस्तावित है ।

दशम एवं दशमोत्तर कक्षाओं को अन्तिम परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों को विशेष पुरस्कार हेतु 25 हजार रू0 का परिव्यय प्रस्तावित है ।

विभाग द्वारा सहायता प्राप्त छात्रावासों, पुस्तकालयों एवं पाठशालाओं के सुधार एवं विस्तार हेतु 25 हजार रू0 की धनराशि प्रस्तावित है ।

विमुक्त जातियों का कल्याण :5 जूनियर हाई स्कूल स्तर एवं प्राइमरी स्तर के छात्रों को छात्रवृत्ति, पाठ्यपुस्तकीय सहायता एवं उपकरण हेतु अनावर्तीय सहायतामद में 28 हजार रू0 की धनराशि का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

पिछड़ी जातियों का कल्याण :- योग्यता व निर्धनता के आधार पर जूनियर व प्राइमरी स्तर के बच्चों को छात्रवृत्ति एवं पाठ्यपुस्तकीय सहायता हेतु 599 हजार रू0 की धनराशि का परिव्यय प्रस्तावित है ।

गृह निर्माण सुधार की योजनान्तर्गत 70 आवासों के निर्माण हेतु 6000रू0 प्रति आवास की दर से 420 हजार रू0 की परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

खानाबदोश विमुक्तवासी जातियों को आर्थिक सहायता व कुटीर उद्योग स्थापित करने हेतु अनुदान के रूप में क्रमशः 30 - 30 हजार रू0 का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है ।

32. समाज कल्याण :- इस विभाग की चालू योजनाओं में शारीरिक रूप से अक्षम तथा हड्डीरोग से ग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षा तथा व्यवसाय प्रशिक्षण प्राप्त करने व अक्षम व्यक्तियों के बच्चों को शैक्षिक तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अनुदान के रूप मे क्रमशः 25 व 12 हजार रू० की धनराशि का परिव्यय प्रस्तावित है । इसके साथही साथ शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग खरीदने हेतु भी 10 हजार रू० का परिव्यय प्रस्तावित है ।

नेत्रहीन बधिर तथा शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को अनुदान हेतु 274 हजार रू० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

निराश्रित विधवाओं को अनुदान सहायता मद में 12 लाख रू० की धनराशि प्रस्तावित की गई है ।

33. पूरक पुष्टाहार :- बालाहार योजनान्तर्गत पूरक पुष्टाहार मद में 2130 हजार रू० की धनराशि न्यूतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित है ।

अध्याय - 14

14-1 राज्य की सेक्टर योजनाओं के सम्बंध में अपेक्षित सूचना समस्त विभागाध्यक्षों से अभी तक प्राप्त नहीं हुई है जिसके कारण यह इंगित करना सम्भव नहीं है कि वर्ष 1987-88 की अवधि में राज्य सेक्टर की योजनाओं से जनपद को कितनी वित्तीय सहायता सुलभ होगी ।

14-2 जिला सेक्टर की योजनाओं हेतु निर्धारित परिव्यय 77755.00 हजार रुपया है जिसमें से 74108.2 हजार रुपया चालू योजनाओं में तथा 3646.8 हजार रुपया की धनराशि नवीन योजनाओं के अन्तर्गत आवंटित की गई है । विभागवार प्रस्ताव के विवरण निम्न प्रकार हैं ।

जिला सेक्टर योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित सेक्टरवार योजनाओं हेतु वर्ष 1987-88 का परिव्यय (हजार रुपयों में)

क्र0 सं0	विभाग/कार्यक्रम	वर्ष 1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय चालू	नई	योग
1.	कृषि	1250	200	1450
2.	कृषि रक्षा	534.5	-	534.5
3.	उद्यान/आलू विकास	615	-	615
4.	गन्ना विकास	100	-	100
5.	भूमि विकास	76	-	76
6.	भूमि सुधार (राज्यांश)	250	-	250
7.	निजी लघु सिंचाई	1175	75	1250
8.	राजकीय लघु सिंचाई	7500	-	7500
9.	भूमि एवं जल संरक्षण	465	-	465
10.	पशुपालन	1200	-	1200
11.	मत्स्य पालन	100	-	100
12.	वन विभाग	1700	400	2100
13.	पंचायतराज	1091	-	1091
14.	प्रादेशिक विकास दल	517	7	524
15.	ग्राम्य विकास (सा0वि0)	2514	-	2514
16.	ग्राम्य विकास (एकी0ग्राम्य वि0)	8400	-	8400
17.	लघु/सीमान्त कृषकों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु अनुदान	3500	-	3500
17.	सहकारिता	537	-	537
18.	विद्युत विभाग	1900	-	1900
19.	ग्रामीण एवं लघु उद्योग	740	-	740
20.	सड़क एवं पुल	14000	-	14000
21.	पर्यटन विकास	200	500	700
22.	सामान्य शिक्षा			
	(अ) बेसिक शिक्षा	3945.2	250	4195.2
	(ब) माध्यमिक शिक्षा	758.5	1530.3	2288.8
	(स) प्रौढ़ शिक्षा	1073	-	1073
23.	स्पोर्टस/ खेलकूद	863	-	863
24.	प्राविधिक शिक्षा	1000	[illegible]	1000

1	2	3	4	5
25.	चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य			
	(अ) एलौपैथिक	7148	554	7702
	(ब) आयु०/यूनानी	145	150	295
26.	ग्रामीण पेयजल			
	(अ) जल-निगम	3554.5	–	3554.5
	(ब) ग्राम्य विकास	840.0	–	840
27.	ग्रामीण आवास			
	(अ) राजस्व	–	1	1
	(ब) ग्राम्य विकास	660	–	660
28.	शिल्पकार प्रशिक्षण	304	125	429
29.	अनु०जाति/जनजातिव पिछडी जातियों का कल्याण	1650	–	1650
30.	समाज कल्याण	1521	–	1521
31.	पोषाहार कार्यक्रम	2136	–	2136
	सम्पूर्ण योग	73962.7	3792.3	77755

गनेश/24.9.86

चिकित्सा योजना

वर्ष - 1987 - 88

जनपद फर्रुखाबाद

जिला योजना वर्ष 1987-88

जनपद-फर्रुखाबाद । जी0एन0-1 ॥हजार रूपये में॥

क्रमांक	विभाग का नाम	वर्ष 1986-87 का स्वीकृत परिव्यय	वर्ष 1987-88 हेतु परिव्यय कुल	चालू योजना	नई योजना	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7
1.	अ. कृषि	1860	1450	1250	200	
	ब, कृषि रक्षा	650	534.5	534.5	-	
2.	उद्यान/आलू विकास	624	615	615	-	
3.	गन्ना विकास	88	100	100	-	
4.	कृषि विपणन	169	76	76	-	
5.	भूमि सुधार ॥राज्यांश॥	250	250	250	-	
6.	निजी लघु सिचाई	1167	1250	1175	75	
7.	राजकीय लघु सिचाई	7125	7500	7500	-	
8.	भूमि एवं जलसंरक्षण ॥कृषि विभाग॥	366	465	465	-	
9.	पशुपालन	436	1200	1200	-	
10.	मत्स्य पालन	100	100	100	-	
11.	वन-विभाग	1792	2100	1700	400	
12.	पंचायत राज	889	1091	1091	-	

1	2	3	4	5	6	6	7
13.	प्रादेशिक विकासदल	200	524	517	7		
14.	ग्राम्य वि कास सामुदविकास	2200	2514	2514	-		
15.	ग्राम्य विकास एकीकृतविकास योजना	8400	8400	8400	-		
16.	लघु/सीमान्त कृषकों को उत्पादकता बढाने हेतु अनुदान	3500	3500	3500	-		
17.	सहकारिता	537	537	537	-		
18.	विद्युत विभाग	2456	1900	1900	-		
19.	ग्रामीण एवं लघु उद्योग	652	740	740	-		
20.	सड़क एवं पुल	12985	14000	14000	-		
21.	पर्यटन विकास	200	700	200	500		
22.	सामान्य शिक्षा						
	1. बेसिक शिक्षा	1142	4195.2	3945.2	250		
	2. माध्यमिक शिक्षा	754	2288.8	758.5	1530.3		
	3. प्रौढ शिक्षा	1073	1073	1073	-		
23.	स्पोर्टस /खेलकूद	200	863	863	-		

1	2	3	4	5	6	7
24.	प्रावैधिक शिक्षा	1500	1000	1000	-	
25.	चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य					
	1. एलोपैथिक चिकित्सा	8077	7702	7148	554	
	2. आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा	97	295	145	150	
26.	पेयजलयोजना					
	1. जल-निगम	3000	3554.5	3554.5	-	
	2. ग्राम्य विकास	708	840	840	-	
27.	ग्रामीण आवास					
	1. राजस्व	-	1	-	1	
	2. ग्राम्य विकास	263	660	660	-	
28.	शिल्पकार प्रशिक्षण (आई0टी0आई0)	300	429	304	125	
29.	अनुसूचितजाति/जनजातिवपिछडी जातियो का कल्याण	1150	1650	1650	-	
30.	समाज कल्याण	1243	1521	1521	-	
31.	पुष्टाहार कार्यक्रम	2136	2136	2136	-	
	सम्पूर्ण योग	68289	77755	74108.2	3646.8	

गनेश/20.9.86

रूपपत्र

जी॰एन॰2

जिला सेक्टर योजनाओं

का॰व्यय-परि॰व्यय

वर्ष - 1987-88

विलास

विभाग-कृषि जी0एन0 (वित्तीय प्रगति) (हजार रुपयों में)

क्र0सं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय।	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय।		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम।	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम।	कुल	पूँजी गत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजनाएं											
1-	प्रदेश की उन्नतिशील बीजों की सम्बर्द्धन एवं संग्रहण की योजना।	2415-2	1041	1800	1300	-	1800	1300	-	1250	775	-
	योग चालू योजना:-	2415-2	1041	1800	1300	-	1800	1300	-	1250	775	-
	नई योजना											
2-	केंद्र पोषित स्थान तिलहन विकास कार्यक्रम की योजना-	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	-
	योग नई योजना-	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	-
	सम्पूर्ण योग-	2415-2	1041	1800	1300	-	1800	1300	-	1450	775	-

विभाग-कृषि रक्षा (कृषि विभाग) जी0 एन0-2 (हजार रुपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना :-											
1.	प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में कृषि रक्षा सेवा के सुदृढ़ीकरण की योजना	206.99	114.02	645.0	435.0	-	700.0	675.0	-	525.0	405.0	-
2.	गेहूँ की फसल पर गेरुआ एवं खरपतवार निवारण की केन्द्र पोषित योजना	27.26	4.0	5.0	-	-	5.0	-	-	8.5	-	-
	योग चालू योजना	234.25	118.02	650.0	435.0	-	705.0	675.0	-	534.5	405.0	-
	नई योजना :-											
3.	सचल कृषि रक्षा इकाई की स्थापना हेतु नई जीप, ट्राली सहित क्रय करने की व्यवस्था	-	-	-	-	-	-	-	-	145.5	145.5	-
	नई योजना का योग	-	-	-	-	-	-	-	-	145.5	145.5	-
	सम्पूर्ण योग	234.25	118.02	650.0	435.0	-	705.0	675.0	-	680.0	550.5	-

गनेश/12.9.86

विभाग - आलू विकास

हजार रुपया में

क्रमसं0	योजना	80-85का वास्तविक व्यय	85-86का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			86-87काअनुमानित परिव्यय			87-88काप्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पंजीगत	न्यनतम आवश्यकताकार्यक्रम	कुल	पंजीगत	न्यनतम आवश्यकताकार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यनतम आवश्यकताकार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1-	वर्तमान उद्यानों प्रक्षेत्रों/ पौधशालाओं के सुधार की योजना	1254	191	269	59	-	269	59	-	345	135	-
1.	प्रदेश में आलू विकास के सघनीकरण की योजना	240	49	100	30	—	100	30	—	105	35	—
2-	प्रदेश के प्रमुख T एवं पिछड़े हुए क्षेत्रों में सघन औद्यानिक विकास की योजना	813	204	355	135	-	355	135	-	270	50	-
3.	प्रदेश में औद्योगिक उत्पादन में सघनीकरण तथा बीज प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी योजना	1014	142	169	29	—	169	29	—	240	100	—
	चालू योजनाओं का यो :-	2067	395	624	194	-	624	194	-	615	185	-

विभाग-गन्ना विकास [illegible] जी0एन0-2 (परिव्यय हजार रू0में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 काअनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87काअनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजनायें:-											
1.	गन्ना उत्पादकों को सस्ते [illegible] दर पर फसल रक्षा यन्त्र	14.80	3.0	2.0	-	-	3.5	-	-	8.0	-	-
2.	गन्ना बीज के यातायात पर अनुदान देने की योजना	8.34	3.3	5.0	-	-	3.0	-	-	4.0	-	-
3.	आधार गन्ना बीज के उत्पादन की योजना	75.50	17.1	20.0	-	-	20.0	-	-	20.0	-	-
4.	चीनी मिलों के 16 किमी0 परिधि क्षेत्र में सघन गन्ना विकास की योजना	38.10	7.7	40.0	-	-	15.0	-	-	20.0	-	-
5.	उ0प्र0 में गन्ना विकास की योजना	162.00	30.0	21.0	-	-	30.0	-	-	48.0	-	-
	योग चालू योजनायें	299.64	61.1	88.0	-	-	71.5	-	-	100.0	-	-

विभाग-मण्डीपरिषद जी0एन0-2 (हजार रुपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना :-												
1.	केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनान्तर्गत कृषि उपज के भण्डारण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण गोदामों के निर्माण हेतु मण्डी परिषद को अनुदान	-	-	169.0	-	-	169.0	-	-	76.0	-	-
	योग चालू योजना	-	-	169.0	-	-	169.0	-	-	76.0	-	-

गनेश/11.9.86

विभाग-सीलिंग (भूमि सुधार) जी0एन0-2 (हजार रूपये में) 6

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना -											
1.	सीलिंग भू-आवंटियों को आर्थिक सहायता (राज्यांश)	248.0	150.0	250.0	-	-	250.0	-	-	250.0	-	-
	योग चालू योजना-	248.0	150.0	250.0	-	-	250.0	-	-	250.0	-	-

गनेश/11.9.86

विभाग- निजी लघु सिंचाई | जी0एन0-2 | (हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	अनुमोदित 1986-87 का परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	अनुमानित 1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना:-												
1.	अनुदान	301.86	800.0	758.0	-	-	758.0	-	-	893.0	-	-
2.	बोरिंग गोदाम	4.10	49.0	30.0	30.0	-	30.0	30.0	-	40.0	40.0	-
3.	उपकरण एवं संयन्त्र	34.64	154.6	161.0	-	-	161.0	-	-	200.0	-	-
4.	अन्य व्यय। जिलास्तरअधिष्ठान।	304.07	-	218.0	-	-	218.0	-	-	42.0	-	-
योग चालू योजना		644.67	1003.6	1167.0	30.0	-	1167.0	30.0	-	1175.0	40.0	-
नई योजना-												
5.	पम्प सुधार योजना। अनुदान।	-	-	-	-	-	-	-	-	75.0	-	-
योग नई योजना		-	-	-	-	-	-	-	-	75.0	-	-
सम्पूर्ण योग		644.67	1003.6	1167.0	30.0	-	1167.0	30.0	-	1250.0	-	-

गनेश/12.9.86

विभाग-राजकीय नलकूप॥लघु सिंचाई॥ जी0एन0-2 ॥हजार रूपये में॥

क्रम सं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का अनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजनायें:-												
1.	राजकीय नलकूप॥सामान्य कार्यक्रम॥											
1.	नवीन नलकूपों के निर्माण कार्य	17570	2604	1531	1531	-	1531	1531	-	2500	2500	-
2.	नवीन नलकूपों के पिछले वर्षों में निर्मित अधूरे कार्य को पूरा करने हेतु	2848	1576	4079	4079	-	4079	4079	-	2400	2400	-
3.	नवीनीकरण एवं प्रतिस्थापन	1366	521	1515	1515	-	1515	1515	-	2600	2600	-
	सम्पूर्ण योग	21784	4701	7125	7125	-	7125	7125	-	7500	7500	-

गनेश/12.9.86

विभाग-भूमि एवं जलसंरक्षण   जी0एन0-2   (रूपयों में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का अनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना-											
1.	प्रदेश में क्षारीय एक्लकाइन भूमि के सुधार की योजना	446.6 466.6	266.0	366.0	-	-	366.0	-	-	465.0	-	-
	योग चालू योजना	446.6 466.6	266.0	366.0	-	-	366.0	-	-	465.0	-	-

गनेश/12.9.86

विभाग- पशुपालन (विकास) | जी0एन0-2 | (हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना-											
1.	पशुचिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार एवं विस्तार की योजना											
1.	राज्य में प0चि0एवं प0से0 केन्द्र की स्थापना	344.0	42.9	97.9	-	-	97.0	-	-	146.0	-	-
	(अ) प0चि0अमृतपुर की निरन्तरता हेतु 63.0											
	(ब) "द" श्रेणी प0चि0नादेमऊ 26.0											
	(स) मुख्य पशुऔषधिकी 15.0											
	(द) प0से0केन्द्र ताजपुर की निरन्तरता 15.0											
	119.0											
	नई योजनायें-											
	(ई) प0से0केन्द्र संकिसा का "द" श्रेणी प0चि0में उच्चीकरण 15.0											
	(फ) प0से0केन्द्र डडौनी की स्थापना 12.0											
	27.0											

विभाग- पशुपालन (क्रमशः) -2-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2.	वर्तमान प0चि0एवंप0से0केन्द्रों में अतिरिक्त सुविधाओं काप्राविधान	2159.5	127.3	8.6	6.6	-	8.6	8.6	-	577.0	577.0	-

(अ)अपूर्ण प0चि0केभवनों का निर्माण

(अ) प0चि0गुरसहायगंज(82-83)का शेष कार्य 120.0

(ब)प0चि0सौरिख(83-84काशेषकार्य 90.0

(स)प0चि0हसेरन(83-84)काशेषकार्य 130.0

अधूरी योजनाओंकायोग- 340.0

नईयोजनाएं-

भवनरहित प0चि0केभवनोंका निर्माण(प्रथमचरण)

(अ)प0चि0तिर्वा के भवनों का निर्माण 118.5

(ब)प0चि0सरायप्रयाग के भवनों निर्माण 118.5

योग नई योजना- 237.0

कुल योग 577.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
3. स्थानीय निकायों द्वारा चालित पशु चिकित्सालयों का प्रान्तीयकरण की योजना		330.4	-	28.0	-	-	28.0	-	-	45.0	-	-
(1) पु0चि0 तालग्राम की निरन्तरता हेतु अधिष्ठान पर व्यय		45.0										
(2) स्थानीय निकायों द्वारा चालित प0चि0 पर अतिरिक्त औषधि का प्रविधान		8.9	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(3) खुरपका मुँहपका रोग की रोकथाम की योजना (केन्द्रपोषित-		-	10.1	7.5	-	-	7.5	-	-	7.5	-	-
4. पशुधन विकास :-												
(1) तरलवीर्य द्वारा कृ0ग0 कार्यक्रम का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की योजना (अपरिहार्य [illegible])												
(अ) क0ग0 केन्द्र तिर्वा पर वलसैड, भुसा एवं राशन, गोदाम, साँडसेवक एवं पशुधन विकास सहायक (क0ग0) के आवासीय भवनों का निर्माण 180.0		204.8	50.0	12.5	12.7	-	12.7	12.7	-	180.0	180.0	-
(2) अतिहिमीकृत वीर्य द्वारा कृ0 ग0 कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार की योजना		384.0	-	-	-	-	-	-	-	50.0	-	-
(अ) अ0हि0 वीर्य द्वारा चालित क0ग0 केन्द्र की निरन्तरता हेतु 5 क्राइकेन का रिपलेसमेन्ट		50.0										
(3) पशुधन प्रक्षेत्रों का प्रजनन कार्य हेतु साँडो के उत्पादन की योजना		35.0	32.0	16.0	-	-	16.0	-	-	-	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(4) प्रदेश में कृ0ग0ढांचे का सुदृढ़ीकरण-												
राज्य में पशुप्रजनन सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण.-		758.6	380.4	219.0	189.0	-	219.0	189.0	-	110.0	80.0	-
(अ)-कृ0ग0केन्द्र/उप-केन्द्रो, ग्रामसमूह खण्डों एवं वीर्यसंग्रह केन्द्र छिबरामऊ (ब) ग्रा0सं0बढपूर पर भूसा एवं राशनगोदाम का पुनर्निर्माण रेवन्यू | पूँजीगत | योग 30.0 | - | 30.0 - | 80.0 | 80.0 30.0 | 80.0 | 110.0												
गोशाला विकास:-												
1. गोशाला विकास एवं गोशाला निधि की स्थापना-		357.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5-कुक्कुट विकास:-												
1. नये कुक्कुट प्रक्षेत्रों की स्थापना तथा वर्तमान कुक्कुट प्रक्षेत्रों के सुदृढ़ीकरण की योजना		93.0	-	-	-	-	-	-	-	60.0	-	-
(अ) वर्तमान कुक्कुटप्रक्षेत्र कायमगंज को 200 लेयर्स के स्थान पर 500 लेयर्स की क्षमता में उच्चीकरण 60.0												

विभाग-पशुपालन (क्रमशः) जी0एन0-2 -5-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	(2) संयुक्त राष्ट्रवाल आपातनिधि के सहयोग सेव्यवहारिक पुष्टाहार कुक्कुट उत्पादनकीयोजना (विकासखण्ड-तालग्राम-एवंछिबरामऊ)	[illegible].5	8.0	8.0	-	8.0	8.0	-	8.0	8.0	-	8.0
	6. भेड़ एवं ऊन विकास											
	(1) राज्य में बकरी प्रजनन सुविधाओं के प्रसार कीयोजना	46.0	9.3	9.0	-	-	9.0	-	-	3.3	-	-
	(अ) प0चि0 तिर्वा पर रखे गयेबकरों केखानपान औषधिआदि पर व्यय 1.0											
	(ब) वर्ष84-85के3अपूर्ण बकरावाड़ों के निर्माण पर व्यय 2.3											
	3.3											
	सूकर विकास-											
	सूकर प्रजनन सुविधाओं का प्रसार एवं सुदृढ़ीकरण की योजना											
	(अ) प0चि0पर अभिजनन कार्य हेतु सूकरसांडरखने की योजना-	84.0	26.4	4.0	-	-	4.0	-	-	4.0	-	-
	प0चि0 तिर्वा एवं सरायप्रयाग पर 85-86 में रखे गये सूकरों केखान-पान सफाई आदि पर व्यय 4.0											
	[illegible] विकास -											
	1. [illegible] विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों के [illegible] की योजना											

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
8.	अन्य पशुधन विकास-											
	1. पशुधन विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों के प्रसार कीयोजना अ. ग्रामीण प्रसार कार्यक्रम एवं पशुप्रदर्शनी	-	4.2	4.2	-	-	4.2	-	-	4.2	-	-
	12. छुट्टा एवं जंगली पशुओं के उत्पात रोकने तथा उनकी पकडवाने की योजना	2.0	4.0	2.0	-	-	2.0	-	-	-	-	-
9.	चारा विकास											
	1. चारा/चारावीज तथा चारागाहों के विकास कीयोजना	87.5	10.5	20.0	-	-	20.0	-	-	5.0	-	-
	कुल योग	4909.8	705.1	436.0	210.3	8.0	436.0	210.3	8.0	1200.0	837.0	8.0

गनेश/11.9.86

विभाग-मत्स्य पालकविकास अभि0जी0एन0-2 (वित्तीय प्रगति) (हजार रूपयों में)

क्रम सं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना :-											
1	मत्स्य पालक विकास अभिकरण की योजना	257	100	100	-	-	100	-	-	100	-	-
	योग-चालू योजना	257	100	100	-	-	100	-	-	100	-	-

शुक्ला/1986

वन विभाग-सामाजिक वानिकी प्रभाग जी0एन0-2 (हजार रुपयों में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 वास्तविक	1985-86 वास्तविक	1986-87का अनुमोदित व्यय			1986-87का अनुमानित व्यय			1987-88का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना											
1-	सामाजिक वानिकी योजना	5436	1400	1792	-	-	1792	-	-	1700	-	-
	योग चालू योजना	5436	1400	1792	-	-	1792	-	-	1700	-	-
	नई योजना											
1-	वन मनोरंजन/वनपालकों का विकास (लाखा वहोसी में)	-	-	-	-	-	-	-	-	200	200	-
2-	भवन निर्माण (रेन्ज तथा प्रभागीय कार्यालय हेतु)	-	-	-	-	-	-	-	-	200	200	-
	योग नई योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	400	400	-
	कुल योग	5436	1400	1792	-	-	1792	-	-	2100	400	-

शाुक्ला/11-9-86

विभाग- पंचायत राज | जी0एन0-2 | (हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना:-											
1.	पंचायतीराज उद्योगों को तकनीकी सहायता	53	20	30	-	-	30	-	-	30.0	-	-
2.	पंचायतीराज संस्थाओं के सुदृढीकरण की योजना	10	6	9	-	-	6	-	-	6.0	-	-
3.	ग्रामीण पर्यावरण में स्वच्छता हेतु अनुदान	1663	1083	450	450	-	450	450	-	500.0	500.0	-
4.	पंचायत भवनों का निर्माण	625	400	300	300	-	300	300	-	500.0	500.0	-
5.	हाट-बाजारों तथा मेलों की स्थिति में सुधार हेतु गाँवसभाओं को सहायता	99	50	50	50	-	50	50	-	55.0	55.0	-
6.	पंचायत उद्योगों की कार्यशाला भवन निर्माण	-	50	50	50	-	50	50	-	-	-	-
	चालू योजना का योग	2458	1609	889	850	-	889	850	-	1091.0	1055.0	-

गनेश/12.9.86

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल [illegible] जी0एन0-2

योजनावार व्यय/परिव्यय (हजार रुपयों में)

क्रमांक	योजना	वास्तविक व्यय 84-85	वास्तविक व्यय 85-86	86-87 का अनुमोदित परिव्यय			86-87 का अनुमानित व्यय			87-88 का प्रस्तावित परिव्यय	निर्माण एजेन्सी	
1	2	3	4	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना :-											
1-	स्वयं सेवकों का सुदृढीकरण	10	287	87	40	-	87	40	-	90	40	-
2-	युवक मंगल दलों को प्रोत्साहन	10	162	62	62	-	62	62	-	140	140	-
3-	युवक मंगल दलों को सेमिनार/वर्कशाप (विकास खण्ड स्तर)	-	8	8	-	-	8	-	-	20	-	-
4-	समाज सेवी कार्य (मेला प्रदर्शनी, तीर्थयात्रा आदि)	-	6	6	-	-	6	-	-	24	-	-
5-	ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन वि0खण्ड/जनपद स्तरीय	15	26	26	-	-	26	-	-	30	-	-
6-	व्यायामशालाओं का निर्माण/प्रोत्साहन		101	-	-	-	-	-	-	202	202	-
7-	तैराकी प्रतियोगिता	-	-	11	-	-	11	-	-	11	-	-
	योग चालू योजना :-	45	590	200	102	-	200	102	-	517	180	-
	नई योजना :- प्रकीर्ण व्यय :-	-	-	-	-	-	-	-	-	7	7	-
	कुल योग :-	45	590	200	102	-	200	102	-	524	187	-

शुक्ला/

विभाग-ग्राम्य विकास ‡सामुदायिक विकास‡ जी0एन0-2 ‡हजार रूपये में‡

क्रम0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना -											
1.	जिला विकास कार्यालय तथा विकास खण्डों में भवनों तथा विद्युतीकरण	--	300	2200	2200	-	3710.9	3710.9	-	2514.0	2514.0	-
	योग चालू योजना	-	300	2200	2200	-	3710.9	3710.9	-	2514.0	2514.0	-

गनेश/12.9.86

विभाग-जिला ग्राम्य विकास अभिकरण जी0एन0-2 (हजार रू0 में)

क्र0सं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना-												
1-	एकीकृत ग्राम्य विकास योजना	23500	5502	8400	-	-	8400	-	-	3400	-	-
	योग चालू योजना :-	23500	5502	8400	-	-	8400	-	-	8400	--	-

शुक्ला/1.1986

विभाग-जिला ग्राम्य विकास अभिकरण जी0एन0-2 (हजार रूपयों में)

क्रम सं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित व्यय			1987-88 का प्रस्तावित		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1-	लघु एवं सीमान्त कृषकों को उत्पादकता बढाने हेतु अनुदान	4144	3500	3500	-	-	3500	-	-	3500	-	-
	सम्पूर्ण योग	4144	3500	3500	-	-	3500	-	-	3500	-	-

शुक्ला/1.1986

विभाग-सहकारिता

जी0एन0-2

(हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना:-												
(अ) ऋण एवं अधिकोषण योजना -												
1.	सहकारी बैंकों की शाखाओं को प्रबन्धकीय सहायता अनुदान	40	16	16	-	-	16	-	-	16	-	-
2.	जिला सहकारी बैंक शाखाओं के नवीनीकरण हेतु अनुदान ऋण	45	-	10	-	-	10	-	-	20	-	-
(ब) क्रय-विक्रय एवं भण्डारण की योजना												
3.	कृषि ऋण समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	150	105	210	-	-	210	-	-	271	-	-
4.	सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उपभोक्ता व्यवसाय हेतु "थोक" को सीमान्त धन	150	22.5	105	-	-	105	-	-	205	-	-
5.	केन्द्रीय उपभोक्ता भण्डारों को उपभोक्ता व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	14.7	15.0	15	-	-	15	-	-	25	-	-
	योगचालू योजना	399.7	158.5	356.	-	-	356	-	-	537	-	-

गन्ना/12.9.86

विभाग- विद्युत

जी0एन0-2

(हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1984-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1.	ग्रामीण विद्युतीकरण											
	(राज्य सामान्य कार्यक्रम)	4062	-	2456	2456	-	2456	2456	-	1900	1900	-
	योग चालू योजना	4062	-	2456	2456	-	2456	2456	-	1900	1900	-

गनेश/12.9.86

ग्रामीण उद्योग योजनावार /परिव्यय (हजार रुपयो मे) जी0एन0-2

क्रमाक	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का आनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से मार्जिन मनी ऋण											
1-	लघु उद्योगो को सहायता	710-30	100-00	100-00	-	-	100-00	-	-	100-00	-	-
2-	एकीकृत मार्जिन मनी ऋण	-	-	246-00	-	-	246-00	-	-	-	-	-
3-	मेले एव प्रदर्शनी	-	25-00	25-00	-	-	25-00	-	-	300-00 25-00	-	-
4-	उद्यमन कर्ता विकास योजना प्रशिक्षण एव शोध	-	-	50-00	-	-	50-00	-	-	40-00	-	-
	योग	710-30	125-00	421-00	-	-	421-00	-	-	465-00		

विभाग- हथकरधा एवं वस्त्र उद्योग जी0एन0-2 वित्तीय प्रगति (हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना:-											
1.	हथकरधा सहकारी समितियों को हिस्सा पूँजी ऋण	-	75.0	175.0	-	-	175.0	-	-	159.5	-	-
2.	हथकरधों काआधुनिकीकरण	-	50.0									
अ.	हथकरधासह0समितियों को रंगाईघरों की स्थापना हेतु सहायता	-	-	-	-	-	-	-	-	37.5	-	-
ब.	बुनकरसह0समि0द्वारा कार्यशाला निर्माण हेतु सहायता	-	-	-	-	-	-	-	-	60.0	-	-
3.	हथकरधा बुनकर सहकारी समितियों को प्रबन्धकीयसहायता	35.0	-	16.0	-	-	16.0	-	-	18.0	-	-
	चालू योजनाओं का योग	35.0	75.0	191.0	-	-	191.0	-	-	275.0	-	-

गनेश/20.9.86

योजनावार व्यय/परिव्यय जी0एस0-2 सारांश (हजार रु0)

जनपद फर्रुखाबाद - निर्माण एजेंसी का नाम - सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त-46वाँ वृत्त स0नि0वि0जि0इटावा।

क्र0सं0 योजना	वर्ष 1980-85 वास्तविक व्यय	वर्ष 1985-86 वास्तविक व्यय	वर्ष 86-87 का अनुमोदित परिव्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	वर्ष 96-87 का अनुमानित व्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	वर्ष 1987-88 का प्रस्तावित परि0: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(क) चालू योजनायें											
तहसील फर्रुखाबाद	352	71	375	100	275	375	100	275	697	311	386
तहसील छिबरामऊ	7217	447	2034	550	1484	2034	550	1484	810	190	620
तहसील कायमगंज	-	-	300	300	-	300	300	-	100	100	-
तहसील कन्नौज	250	256	1277	277	1000	1277	277	1000	577	243	334
योग-	7819	774	3986	1227	2759	3986	1227	2759	2184	844	1340
(ख) एस0एन0डी0का											
1986-87 के प्रस्तावित कार्य											
तहसील फर्रुखाबाद	-	-	-	-	-	-	-	-	1339	950	389
तहसील छिबरामऊ	-	-	-	-	-	-	-	-	1800	-	1800
तहसील कायमगंज	-	-	-	-	-	-	-	-	2250	2000	250
तहसील कन्नौज	-	-	-	-	-	-	-	-	920	650	270
योग-	-	-	-	-	-	-	-	-	6309	3600	2709

शेष-पेज नं02 पर

(2)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ग) एस०एन०डी० 87-88												
तहसील फर्रुखाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1500	300	1200
तहसील छिबरामऊ	–	–	–	–	–	–	–	–	–	750	300	450
तहसील कायमगंज	–	–	–	–	–	–	–	–	–	520	380	140
तहसील कन्नौज	–	–	–	–	–	–	–	–	–	830	80	750
योग–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3600	1060	2540
योग– ====		352										
तहसील फर्रुखाबाद	[illegible]	[illegible]	71	375	100	275	375	100	275	3536	1561	1975
तहसील छिबरामऊ		7217	447	2034	550	1484	2034	550	1484	3360	490	2870
तहसील कायमगंज		–	–	300	300	–	300	300	–	2870	2480	390
तहसील कन्नौज		250	256	1277	277	1000	1277	277	1000	2327	973	1354
योग –		7819	774	3986	1227	2759	3986	1227	2759	12093	5504	6589
अतिरिक्त 1/16 प्रतिशत		860	124	637	196	441	637	196	441	1934	881	1053
महायोग–		8679	898	4623	1423	3200	4623	1423	3200	14027	6385	7642

"अरुण"

योजनावार व्यय/परिव्यय चालू कार्य — जी0एन0-2 (हजार रु0)

खण्ड-प्रान्तीय खण्ड सा0नि0वि0 फतेहगढ़ — एजेन्सी का नाम-सार्वजनिक निर्माण विभाग जनपद फर्रुखाबाद।

क्र0सं0	योजना	वर्ष 1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	वर्ष 1986-87 का अनुमोदित परिव्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	वर्ष 1986-87 का अनुमानित व्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	वर्ष 1987-88 का प्रस्तावित निर्माण परिव्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	जिला सेक्टर 537											
	मार्गों का नव निर्माण											
	1-अष्टम योजना से पूर्व का कार्य	------------------------शून्य------------------------										
	2-छठी पंचवर्षीय योजना के स्वीकृत कार्य-											
	प्रदेश में 300 किमी0 छूटी कड़ियों का निर्माण											
	1-मौंधा से माडल शंकरपुर मार्ग अनुमानित लागत 1374 हजार	752	71	100	100	-	100	100	-	311	311	-
	3- सप्तम योजना के स्वीकृत कार्य											
	एस0एन0डी0 वर्ष 85-86 के कार्य											
	1-फतेहगढ़, गुरुसहायगंज, मार्ग के किमी0-9 में [illegible] के सेतु का पुनः निर्माण अनुमानित लागत 661 हजार	-	-	275	-	275	275	-	275	386	-	386
	सप्तम योजना के कार्यों का योग-		-	275	-	275	275	-	275	386	-	386
	जिला सेक्टर का योग-	752	71	375	100	275	375	100	275	697	311	386

"अपूर्ण"

खण्ड - अट्ठाईस खण्ड सं0 1 आ0नि0वि0 फतेहगढ़: योजनावार व्यय/परिव्यय (जनपद फर्रुखाबाद) जी0एन0-2

क्र0सं0	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	वर्ष 86-87 का अनुमोदित परिव्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	वर्ष 1986-87 का अनुमानित व्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय: कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू कार्य											
1-	छठी योजना के पूर्व के कार्य											
1-	तिर्वा सौरिख मार्ग (नादेमऊ तक)	1945	098	400	400	-	400	400	-	050	050	-
2-	तालग्राम ताहपुर इन्दरगढ़ मार्ग	1911	11	150	150	-	150	150	-	140	140	-
	मन्त्रिमंडलीय उपसमिति द्वारा स्वीकृत कार्य											
1-	छिबरामऊ तालग्राम मार्ग	2933	261	300	-	300	300	-	300	300	300	300
	छठी योजना के पूर्व के कार्यों का योग-	6789	370	850	550	300	850	550	300	490	190	300
2-	छठी योजना के स्वीकृत कार्य 300 कि0मी0 छूटी कड़ियों का निर्माण											
1-	उमर्दा हरैया मार्ग	264	97	150	-	150	150	-	150	100	-	100
	2000 कि0मी0 के ग्रामीण मार्ग											
1-	कमतपुर कुठारपुलिया तक	164	(-)20	200	-	200	200	-	200	50	-	50
	छठी योजना के कार्यों का योग	428	77	350	-	350	350	-	350	150	-	150

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
स पंचवर्षीय योजना के कार्य:-											
मार्गों का डामरीकरण:-											
ाहपुर सतौरा मार्ग-	-	-	200	-	200	200	-	200	20	-	20
ण मार्गों का पुनः निर्माण											
ओटीओमार्ग से ...गंज ...टी मार्ग	-	-	300	-	300	300	-	300	100	-	100
कड़ियों का निर्माण :-											
...देमऊ इन्दरगढ ... मार्ग -	-	-	334	-	334	334	-	334	50	-	50
पंचवर्षीय योजना के ...ति कार्यों का योग-	-	-	834	834	834	834	-	834	170	-	170
योग-	7217	447	2034	550	1484	2034	550	1484	810	190	620

क्रमशः:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	जिला योजना के अन्तर्गत एस0एन0डी0 86-87 के प्रस्ताव :-											
	प्रदेश में 85 किमी0 छूटी कड़ियों का निर्माण:-											
	1-पृथ्वीपुर वाया कुमारिया पुर	-	-	-	-	-	-	-	-	100	-	100
	प्रदेश में 100 किमी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण:-											
	1-गुरूसहायगंज सुजनसराय से वनियानी	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	200
	2-छिवरामऊ सौरिख विधूना मार्ग से वेगमपुर होते हुए सकरावा	-	-	-	-	-	-	-	-	300	-	300
	3-चौकना से वहोसिया मार्ग	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	200
	प्रदेश में 607 किमी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण:-											
	1-मिट्टी स्तर से खड़न्जा तक -											
	1- सरायप्रयाग से खुदागंज गुमटी	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	200
	2-नादेमऊ-हसेरन मार्ग	-	-	-	-	-	-	-	-	400	-	400
	3-गुरूसहायगंज से इन्दुइया मार्ग	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	200
	प्रदेश में 175 किमी0 अन्य विभाग के मार्गों का पुनः निर्माण :-											
	1- खाजीपुर-कसावा मार्ग	-	-	-	-	-	-	-	-	200	-	200
	जिला योजना के अन्तर्गत एस0एन0डी0 86-87 के प्रस्ताव का योग :-	-	-	-	-	-	-	-	-	1800	-	1800

" अरुण "

योजनावार व्यय एवं/परिव्यय जी०एन०-2

प्रान्तीय खण्ड सा०नि०वि० फतेहगढ़ — वृत्त 46वाँ वृत्त सा०नि०वि० इटावा।

क्र०सं०	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित व्यय			1987-87 का प्रस्तावित व्यय		
				कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूंजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू कार्य- कायमगंज											
1-	छठी पंचवर्षीय योजना से पूर्व के कार्य					शून्य						
2-	छठी पंचवर्षीय योजना के स्वीकृत कार्य					शून्य						
3-	सप्तम योजना में स्वीकृत कार्य											
	वर्ष 1985-86 में स्वीकृत कार्य											
1-	कम्पिल रुदाइन मार्ग के कि०मी० 9 व 10 का सुदृढ़ीकरण लम्बाई 2.0 कि०मी०	-	-	300	300	-	300	300	-	100	100	100
	सप्तम योजना के कार्यों का योग	-	-	300	300	-	300	300	-	100	100	100
	महायोग:-	-	-	300	300	-	300	300	-	100	100	100

क्रमशः

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू कार्य - कन्नौज												
1- छठी पंचवर्षीय योजना में स्वीकृत कार्य 2000 कि0मी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण												
1- वेहटा कानपुर मार्ग 2.10 लाख			79	60	60	-	60	60	-	71	71	-
2- भसौली सिंहपुर गंगेमऊ मार्ग लागत 4.20 लाख		-	31	217	217	-	217	217	-	172	172	-
योग-		-	110	277	277	-	277	277	-	243	243	-
प्रदेश में 300 कि0मी0 छूटी कड़ियों का निर्माण												
1- ठठिया सौरनगर अमैर तथा वेला चौबेपुर मार्ग के बीच का भाग लागत 17.30 लाख		250	146	1000	-	1000	1000	-	1000	334	-	334
छठी योजना के स्वीकृत कार्यों का योग		250	256	1277	277	1000	1277	277	1000	~~334~~ 577	243	334
महायोग- कन्नौज		250	256	1277	277	1000	1277	277	1000	577	243	334

"अरुण"

योजनावार व्यय/परिव्यय जी०एन०-2 (हजार रु०)

प्रान्तीय खण्ड लो०नि०वि० फतेहगढ़ एजेन्सी का नाम सार्वजनिक निर्माण विभाग

क्र०सं०	योजना	वर्ष 80-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	वर्ष 1986-87 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजी गत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का अनुमोदित व्यय कुल	पूंजी गत	न्यूनतम आवश्यक कार्यक्रम	कुल 1987-87 का प्रस्तावित निर्माण परिव्यय कुल	पूंजी गत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	वर्ष 86-87 में नये प्रस्तावित कार्य											
	प्रदेश में छूटे हुए 50 लघु सेतुओं का निर्माण											
	1- जसमई दरवाजा सिरौली मार्ग के कि०मी०-3 में बघार नाले का पुल अनुमानित लागत 600 हजार		-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
	योग-		-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
	प्रदेश में 180 कि०मी० ग्रामीण मार्गों का निर्माण - (खण्डन्जा स्तर तक)											
	1- शिवपुरी शेखपुर मार्ग अनुमानित लागत 450 हजार		-	-	-	-	-	-	-	389	-	389
	योग		-	-	-	-	-	-	-	389	-	389

"अरुण"

क्रमशः

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
प्रदेश में 188 कि0मी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण :-												
(खण्डन्जा स्तर पैलेपनस्तर)												
1-	मोहम्मदाबाद से नीवकरोरी रेलवे स्टेशन सेवरा केशवमार्ग कि0मी0 3.4 अनु0 लागत 400 हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	400	400	-
2-	चाचूपुर भारखा मार्ग अनुमानित लागत 600 हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	450	450	-
योग-		-	-	-	-	-	-	-	-	850	850	-
महायोग:-		2050	-	-	-	-	-	-	-	1339	950	389

"अरुण"

जिला योजना के अन्तर्गत एस०एल०डी०86-87 के प्रस्ताव (कायमगंज)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
प्रदेश में 50लघु सेतुओं का निर्माण												
1- शमशाबाद, ढाईघाट मार्ग पर गंगा नदी पर पीपों का पुल लागत64.00लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	1500	1500	-	
प्रदेश में 85किमी०छूटी कड़ियों का निर्माण												
1- कम्पिल वहवलपुर गौरखेड़ा मार्ग का छूटा भाग 1किमी० लागत 2 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	200	200	-	
प्रदेश में 180किमी०ग्रामीण मार्गों का निर्माण -खड़ंजा स्तर तक टिकड़ी कुड़री अमरपुर मार्ग से ज्योना लम्बाई2किमी०लागत3.60 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	250	-	250	
प्रदेश में 500किमी०वाटरबाउन्ड प्रमुख जिला मार्ग तथा अन्य जिला मार्गों का सुधार एवं पुनः निर्माण 1-कायमगंज, अलीगंज मार्ग किमी०2,3,4 लम्बाई 3किमी० लागत 6 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	300	300	-	
एस०एल०डी०86-87के कुल योग	-	-	-	-	-	-	-	-	2250	2000	250	

"अ०ण०"

28-(ज)

जिला योजना के अन्तर्गत एस0एन0डी086-87 के प्रस्ताव

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
प्रदेश में 188 किमी0ग्रामीण मार्गों का निर्माण -[फाउंडेशनस्तर से सतह लेपन तक]												
1- सियरमऊ ,अनौगी मार्ग लं05किमी0लागत 10लाख		-	-	-	-	-	-	-	-	400	400	-
2- उमर्दा खानपुर मार्ग लं04किमी0 लागत -8.56 लाख		-	-	-	-	-	-	-	-	250	250	-
प्रदेश में 500किमी0वाटर बाउन्ड प्रमुख जिला मार्गों का सुधार एवं पुनः निर्माण												
1- गुरसहायगंज सजनसराय मार्ग से सीहानपुर लम्बाई1.5किमी0		-	-	-	-	-	=	-	-	270	-	270
एस0एन0डी086-87के कार्यों का योग		-	-	-	-	-	-	-	-	920	650	270

"अरुण"

विभाग-सड़क एवं पुल (सा0नि0वि0) जी0एन0-2 (हजार रूपये में)

क्रमसं0 योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
			कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
वर्ष 87-88 के नये प्रस्तावित कार्य :-											
1. प्रदेश में छूटे हुये लघु सेतुओं का निर्माण											
1. राजेपुर कडहर मार्ग के 7वें किमी0 में नासा नाले पर सेतु का निर्माण अनुमानित लागत 350 हजार रू0	-	-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
2. रजीपुर, उधरनपुर मार्ग के किमी0 10 में खन्तौ नाला पर सेतु लागत- 900 हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
3. श्रंगीरामपुर, इब्रहीमपुर मार्ग के किमी0 2 में खन्तास नाला पर सेतु निर्माण लागत-1500 हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
3750 हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	300	300	-
प्रदेश में 180 किमी0 ग्रामीण मार्गों का निर्माण :- (खडंजा स्तर)											
1. नगलाबागर झौरा सम्पर्क मार्ग अनुमानित लागत 540 हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	270	-	270

विभाग-सड़क एवं पुल ॥सा0नि0वि0॥क्रमशः॥

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2. शेखपुर लिंकमार्ग से गदनपुरतुर्रा देवसाजपुर लिंक मार्ग अनु0लागत540हजार		-	-	-	-	-	-	-	+	180	-	180
3. राजेपुर कडहर मार्ग का शेष भाग अनुमानित लागत 2310 हजार		-	-	-	-	-	-	-	-	250	-	250
योग	3390हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	700	-	700
3. प्रदेश में 607 किमी0ग्रामीण मार्गों का निर्माण ॥मिट्टी से खंडजा स्तर॥												
1. गूजरपुर कम्हरौर मार्ग अनु0लागत 375हजार		-	-	-	-	-	-	-	-	125	-	125
2. राजेपुर कडक्कामार्ग अनु0 लागत375 हजार		-	-	-	-	-	-	-	-	125	-	125
3. पिथनापुर अमैनापुरगुडेरामार्ग अनुमानित लागत-375हजार		-	-	-	-	-	-	-	-	125	-	125
4. ऊधरनपुरलीलापुर मार्ग अनुमानित लागत 125हजार		-	-	-	-	-	-	-	-	125	-	125
योग	1250हजार	-	-	-	-	-	-	-	-	500	-	500
महायोग	8120	-	-	-	-	-	-	-	-	1500	300	1200

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	जिला योजना 1987-88 के प्रस्ताव:-											
	विभिन्न योजनायों के अन्तर्गत निर्मित कच्चे मार्गों पर											
	(खडंजा व पुलिया का निर्माण)											
1-	विशुनपुर कैथौली मार्ग अनुमानित लागत 3.85 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	50	50	-
2.	जी0टी0मार्ग से नरूइया अनुमानित लागत3.50लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	45	45	-
3.	सकरावा पालन अड्डा से डिडौना अनुमानित लागत6.12 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	75	75	-
4.	उमर्दा हसेरन से वरौली अनुमानित3.50 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	45	45	-
5-	तालग्राम वेहपुर इंदरगढ से सलेमपुर अनु0लागत2.80लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	35	35	-
	लघु सेतु का निर्माण:-											
1.	सौरिख सकरावा से दौलतावाद मार्ग पर साइकन का निर्माण अनुमानित लागत 3.50 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	50	50	-

शुक्ला/

1	2	3	4	5	6	6	7	8	9	10	11	12	13
	1500 से अधिक आवादी को जोडने वाले मार्गों का नव निर्माण:-												
1-	सकरावा पालन अड्डा से शरीफाबाद वाया डिडौनी अनु० लागत 6.00 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50	-	50
	10 00से 1499 तक की आवादी को जोडने वाले मार्गों का नव निर्माण:-												
1	जी.टी.मार्ग से पन्थरा मार्ग अनु०ला० 10.00 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50	-	50
2.	सौरिख सकरावा बेहटारामपुर सम्पर्क मार्ग से कबीरपुर अनु०ला० 2.00 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	20	-	20
3.	तालग्राम ताहपुर इंदरगढ़ माधौनगर अनु०ला० 12 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50	-	50
4.	सी.एस.वी.सकतपुर से ऐराहीं होते हुए सी.एस.वी. मार्ग अनु०ला०14 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	60	-	60
5.	छिबरामऊ तालग्राम से त्योर मार्ग अनु०ला०6 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	70	-	70
6.	तालग्राम ताहपुर इंदरगढ मार्ग से टिकरी कलसानअनु०ला०5 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	60	-	60

शुक्ला/13986

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
7.	सी.एस.वी. मार्ग से वटोला अनु0ला0 8.00 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	50	-	50
8.	नादेमउ इंदरगढ मार्ग से वरियामउ अनुमानित लागत 5.00 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	40	-	40
	जिला योजना 1987-88 के अन्तर्गत नये प्रस्तावित कार्यों का योग:-											
	अनुमानित लागत 91.275	-	-	-	-	-	-	-	-	750	300	450

शुक्ला/

विभाग- सड़क एवं पुल

जी0एन0-2

जिला योजना के अन्तर्गत वर्ष 1987-88 के नये प्रस्ताव (कन्नौज) (हजार रूपये में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	प्रदेश में छूटे हुए लघु सेतुओं का निर्माण	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	प्रदेश में छूटी कड़ियों का निर्माण (खड़ंजा स्तर तक)	–	–	–	–	–	–	–	–	40	40	–
1-	जी0टी0मार्ग से सियरमऊ अगौनी तथा गरसहायगंज सुजनसराय के मार्ग का छूटा भाग लं0 2.70 किमी0 लागत 3.440 लाख											
2-	उमर्दा खौर नगर कैनाल पटरी मार्ग का छूटा भाग लं0 2 किमी0 ला0 4 लाख		–	–	–	–	–	–	–	40	40	–
3-	तिवाँ इन्दरगढ मार्ग से वेलामऊ मार्ग का शेष भाग 3 किमी0 6 लाख		–	–	–	–	–	–	–	40	–	40
4=	ग्रामीण मार्गों का निर्माण खड़ंजा स्तर तक											
1-	तिवांगंज से तिरमुखा 4 किमी0 ला0 8.00 लाख		–	–	–	–	–	–	–	40	–	40
2-	तिवाँ खौरनगर मार्ग से मलगवाँ वाया बहिसार तिलसरा लं0 5 किमी0 लागत 10 लाख	–	–	–	–	–	–	–	–	80	–	80
3-	तिवाँ ठठिया मकनपुर-मार्ग से पैथानालं0 2 किमी0 ला0 4 लाख	–	–	–	–	–	–	–	–	80	–	80
4-	बिलरायाँ, पनवारी मार्ग सेड़योढा लं0 3.50 किमी0 ला0 7 लाख	–	–	–	–	–	–	–	–	80	–	80
5-	बिलरायां पनवारी मार्ग से फुलनपुर बीरहार लं0 3 किमी0	–	–	–	–	–	–	–	–	50	[illegible]	50

क्रमशः:-------2 पर

* 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
6-संयोगिता मार्गसे चांदपुर वांगर मार्ग लं0 1 किमी0ला02लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	40	-	40
7-संयोगिता मार्ग से सौंसरापुर मार्गलं0 1.50 किमी0ला03 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	60	-	60
8-संयोगिता मार्ग से इब्राहीमपुर वांगर 3.50 किमी0ला0 7 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	40	-	40
ग्रामीण मार्गों का निर्माण खडंजा स्तर तक।											
1-जलालाबाद, गगरापुर मार्ग लं0 2.50 किमी0लं03.25 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	40	-	40
2-तिवाँ इन्दरगढ़ मार्गसे मनिकापुर लम्बाई 1.30 किमी0ला02.50लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	80	-	80
3- औरैर से सिमरिया मार्ग लं05 किमी0ला0 6 लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	80	-	80
4-तिवाँ खौरनगर मार्ग से किनौरा मार्ग लं00.75 किमी0ला0 1 लाख		-	-	-	-	-	-	-	40	-	40
वर्ष 87-88 के प्रस्तावों का योग:-		-	-	-	-	-	-	-	830	80	[illegible]50

शुक्ला/13986

विभाग- सड़क एवं पुल जिला योजना के अन्तर्गत वर्ष 1987-88 के नये प्रस्ताव (कायमगंज) (हजार रुपये में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	प्रदेश में छूटे हुये लघु सेतुओं का निर्माण											
	1. ठंडीकुइयाँ, ऊमरपुर मार्ग के 9 वें किमी0में बधार नाले पर सेतु का निर्माण (पहुँचमार्ग की लागत सहित) 16मीटर स्पान ला015लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
	प्रदेश में लघु सेतुओं का पुनः निर्माण											
	प्रदेश में छूटी कडियों का निर्माण खंडजा स्तर पर -											
	1. अचरा-अलीगंज मार्ग का छूटा भाग(ल01.5 कि0मी0ला02लाख)	-	-	-	-	-	-	-	-	40	40	-
	2. ठंडीकुइयाँ ऊमरपुर मार्ग से नबावगंज, अचरामार्ग के बीच का छूटाभाग 2 किमी0ला0 2.20लाख।	-	-	-	-	-	-	-	-	40	40	-
	ग्रामीणमार्गों का निर्माण खंडजा स्तर तक											
	1. कायमगंज, सराय अगहत मार्गसे जिराऊ लिंक मार्ग ल03.50कि0मी07लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	40	[illegible]	40

विभाग-सड़क एवं पुल (कायमगंज -क्रमश:)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	ग्रामीण मार्गों का निर्माण :-											
	मिट्टी स्तर से खडंजास्तर											
	1. कायमगंज , बरखेडा कैनाल पटरी मार्ग से नरैनामऊ लं01.20कि0मी0 लागत-1.5लाख	-	-	-	-	-	-	-	-	50	-	50
	2. कायमगंज, अलीगंज मार्ग से त्योर लिंक मार्ग वाया किन्दर नगला लं03 कि0मी0लागत3.75लाख.	-	-	-	-	-	-	-	-	50	-	50
	प्रदेश में प्रमुख जिला मार्गों एवं अन्य जिला मार्गों तथा बाटर बाउन्ड मार्गों कासुदृढीकरणतथा सुधार											
	1. कम्पिल , पचान मार्ग के7व8 कि0मी0कासुदृढीकरण लं02किमी0	-	-	-	-	-	-	-	=	100	100	-
	2. कायमगंज, अलीगंज मार्ग के 5व6वें कि0मी0कासुदृढीकरण ल02 कि0 मी0	-	-	-	-	-	-	-	-	100	100	-
	वर्ष 1987-88 के प्रस्तावकायोग	-	-	-	-	-	-	-	-	520	380	140

गनेश/13.9.86

विभाग- पर्यटन विकास जी0एन0-2 (हजार रुपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना -											
1.	संकिसा पर्यटन केन्द्र का विकास	400	253	200	200	-	200	200	-	200	200	-
	योग चालू योजना	400	253	200	200	-	200	200	-	200	200	-
	नई योजना-											
1.	इन्दरगढ पर्यटक केन्द्र का विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	500	500	-
	नई योजना का योग	-	-	-	-	-	-	-	-	500	500	-
	सम्पूर्ण योग	400	253	200	200	-	200	200	-	700	700	-

गनेश/12.9.86

विभाग-बेसिक शिक्षा-

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजनायें:-												
1.	ग्रामीण तथा नगरक्षेत्र मेंभवनरहित जू0वे0स्कूल के भवन निर्माण हेतु अनुदान	560.1	551.2	275.4	275.4	275.4	275.4	275.4	275.4	1263.0	1263.0	1263.0
2.	असहायिक मान्यता प्राप्त अशासकीयसी0वे0स्कूलों का अनुरक्षण अनुदान	3413.2	270.0	285.0	-	285.0	285.0	-	285.0	313.5	-	313.5
3.	ग्रामीण तथा नगरक्षेत्रों में सी0वे0स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान	881.2	203.6	125.6	125.6	125.6	125.6	125.6	125.6	1330.0	1330.0	1330.0
4.	ग्रामीण क्षेत्रों में मिश्रित जू0वे0स्कूल खोलने हेतुअनुदान	562.9	220.0	39.0	39.0	39.0	39.0	39.0	39.0	42.9	42.9	42.9
5.	ग्रामीण क्षेत्रों में बालक/ बालिकाओं के सी0वे0स्कूल खोलने हेतु अनुदान	511.0	-	245.0	245.0	245.0	245.0	245.0	245.0	269.5	269.5	269.5

विभाग-बेसिक शिक्षा- जी0एन0=2 ﴾हजार रूपये में﴿

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
6. कक्षा6-8 तक के विद्यार्थियों को 15/-रू0प्रतिमाह कीदर सेछात्रवृत्ति	62.2	40.0	110.0	-	110.0	110.0	-	110.0	64.8	-	64.8
7. बेसिक स्कूलों के अध्यापको को दक्षता पुरूस्कार	3.0	5.0	10.0	-	10.0	10.0	-	10.0	11.0	-	11.0
8. नि:शुल्क पाठ्यपुस्तको को उपलब्ध कराने हेतु सी0बे0 स्कूलों में पाठ्यपुस्तकबैंक की स्थापना	25.0 12.5	125	12.5	12.5	12.5	12.5	12.5	12.5	12.5	12.5	12.5
9. ग्रामीण क्षेत्रों के सी0 बे0 स्कूलों हेतु साज-सज्जा हेतु अनुदान	43.0	40.0	39.0	39.0	39.0	39.0	39.0	39.0	42.9	42.9	42.9
10. नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 6-14वयवर्ग के बच्चों को अंशकालीक कक्षायें खोलने हेतु अनुदान	302.5	650.0	541.0	541.0	541.0	541.0	-	541.0	595.1	-	595.1
योग चालू योजना	644.0	1992.5	1682.5	1397.5 856.5	16825	1682.5	1397.5 856.5	1682.5	3945.2	2959.3	3945.2

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
नई योजनायें :-												
1. जिला बेसिक शिक्षाअधिकारी, कार्यालय का सुदृढीकरण										125.0	125.0	125.0
2. वर्तमान रा0 बे0शिक्षाअधिकारी विद्यालयकेभवनों एवं छात्रावासों का निर्माण										125.0	125.0	125.0
योग नई योजना										250.0	250.0	250.0
योग सम्पूर्ण		6449.0	1992.3	1682.5	1397.5	1682.5	1682.5	1397.5	1682.5	14195.2	3209.3	14195.2
					856.5			856.5				

विभाग- माध्यमिक शिक्षा — जी0एन0-2 — [हजार रूपयों में]

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का अनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना:-												
1.	खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के बाहर शैक्षिक कार्यक्रम तथा योगों के कल्याण हेतु प्राविधान	5.0	3.5	4.0	-	-	4.0	-	-	5.5	-	-
2.	उच्चतर मा0वि0के बालचर योजना का प्रसार	9.8	8.5	20.0	-	-	20.0	-	-	20.0	-	-
3.	वर्तमान राजकीय जिला पुस्तकालयों का विकास तथा नये जिला पुस्तकालय की स्थापना	-	97.3	100.0	-	-	100.0	-	-	200.0	200.0	-
4.	राजकीय उ0मा0वि0का निर्माण विस्तार विद्युतीकरण तथा विशेष मरम्मत	-	-	500.0	500.0	-	500.0	500.0	-	500.0	500.0	-
5.	संस्कृत पाठशालाओं को विकास अनुदान	15.5	-	15.0	-	-	15.0	-	-	15.0	-	-
6.	सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनुदान	21.0	15.0	15.0	-	-	15.0	-	-	18.0	-	-
	योग चालू योजना	51.3	124.3	654.0	500.0	-	654.0	500.0	-	758.5	700.0	-

विभाग-माध्यमिक शिक्षा (क्रमशः) जी0एन0-2

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	नईयोजनायें :-											
	1. सहायता प्राप्त उ0मा0वि0में पुस्तकालयों का सम्वर्धन									20.0	-	-
	2. सहायता प्राप्त उ0मा0वि0को छात्र तथा सेनेटरी सुविधा हेतुअनुदान									37.6	-	-
	3. राज0इन्टर कालेजो मेंअतिरिक्त अनुभाग खोलना तथा नये विषयों का समावेश									188.0	-	-
	4. ग्रामीण क्षेत्र में वालकों केसहायता प्राप्त उ0मा0वि0में पढ़रहेबालक-बालिकाओं के लिये विशेष सुविधा									48.75	-	-
	5. रा0मा0वि0 में वसों की व्यवस्था									225.0	225.0	-
	6. जि0वि0नि0कार्यालय का सुदृढीकरण									85.45	-	-
	7. प्रदेश के प्रत्येक जिलेमेंकक्षा 6-8 तक रू0 5 प्रतिमाह की दर से 3 वर्ष के लिये योग्यता छात्रवृत्ति									20.0	-	-
	8. नया रा0वा0वि0 हाईस्कूल एवं इन्टरमीडियेट कालेज आदि का खोलना									905.5	905.5	-
	योग नई योजना									1530.3	1130.5	-
	सम्पूर्ण योग	91.3	124.3	654.0	500.0	-	654.0	500.0	-	2288.8	1630.5	-

क्रम0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित व्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना :-												
1-	राज्य सरकार के संसाधनों से ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजना	1099.3	675.0	1073	-	1073	1073	-	1073	1073	-	1073
संयोग	चालू योजना :-	1099.3	675.0	1073.0	-	1073	1073	-	1073	1073	-	1073

शुक्ला/12986

विभाग-खोलकूद/स्पोर्ट्स विभाग जी0एन0-2 (हजार रू0 में)

क्रम सं0	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का अनुमानित कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजनाएं-												
1-	ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय अशासकीय स्कूलों में खोलकूद की स्थापना	1.80	1.15	4.10	-	-	4.10	-	-	3.20	-	-
2-	खोलकूद उपकरणों की सम्पूर्ति पर व्यय	25.00	20.85	17.10	-	-	17.10	-	-	10.00	-	-
3-	क्रीड़ा प्रतिष्ठानों के निर्माण पर व्यय	869.00	553.65	173.80	+73.80	-	173.80	173.80	-	800.00	800.00	-
4-	क्रीड़ा एवं खोलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन पर व्यय	28.95	1.20	5.00	-	-	5.00	-	-	50.00	-	-
	उप-जोड़ योग नई योजना-	900.75	576.85	200.00	173.80-	200.00	173.80	-		863.20	800.00	-

क्र0सं0	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित			1986-87 का अनुमानित			1987-88 का प्रस्तावित		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना :-												
1-	जनपद फर्रुखाबाद में पालीटेक्निक की स्थापना	3000	1844	1500	1500	-	1500	1500	-	1000	700	-
	योग चालू योजना :-	3000	1844	1500	1500	-	1500	1500	-	1000	700	-

शुक्ल/

विभाग-चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य जा0एन0-2 (हजार रूपये में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का प्रत्याशित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना:-											
1.	उप-केन्द्रों का भवन निर्माण	932	400	415	415	415	415	415	415	497	497	497
2.	सब्सीडियरी हेल्थ सेन्टरों की स्थापना एवं भवन निर्माण	414	280	140	121	-	140	121	-	25	25	25
3.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो का भवन का निर्माण	3531	1685	1400	1400	1400	1400	1400	1400	1200	1200	1200
4.	नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना	-	250	245	-	245	245	-	245	435	-	435
5.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना	4050	-	2817	2017	-	2817	800	-	3000	3000	3000
6.	अस्पतालों में साज-सज्जा एवं आवश्यक सामग्री (डीजल जनेरटर)	310	230	200	200	-	200	200	-	122	200	-
7.	दवाखानों की स्थापना	110	50	50	-	-	29.3	-	-	130	40	-
8.	उच्चीकृत प्राथमिक स्वा0 केन्द्रों एवं चुने हुये चिकित्सालयों में बालरूजालयों की स्थापना	60	80	100	-	-	151.6	-	-	168	18	-
9.	रेडियोलॉजी	147		20	10	-	20	10	-	710	630	-

विभाग-चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य जी0एन0-2 (हजार रूपये में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजनायें-												
10 मेडिकल /सर्जिकल सुविधायें	–	–	100	50	–	100	50	–	60	4	–	
11. शहरी एवं ग्रामीण चिकि0 में होम्योपैथिक चिकि0की स्था0	7.0	–	20	–	–	20	–	–	120	10	–	
12. राजकीय होम्योपैथिक चिकि0 में आकस्मिक दवाओं की व्यवस्था	–	–	10	–	–	10	–	–	20	20	–	
13. शहरी चिकि0में जल-सम्पूर्ति	–	–	100	100	–	100	100	–	561	561	–	
योग चालू योजना	9561.6	4940 / 2975	5677 / 8632	4313	1815	8047.9	3096	2060	7148	620[illegible]	5157	
नई योजना:-												
1. वर्तमान प्राथमिक स्वा0केन्द्रों का विस्तार									389	389	389	
2. अस्पतालों में विशिष्ट उपचार सेवाओं की व्यवस्था												
क-पैथालॉजी									105	63	–	
ख-ई0एन0टी0									60	[illegible]0	–	
योग नई योजना									554	46[illegible]	389	
सम्पूर्ण योग	11316.6	4940	8632	4313	1815	8047.9	3096	2060	7702	666[illegible]	5546	

गनेश/13. 9. 86

क्रम0	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजनायें :-											
	1-ग्रामीण क्षेत्रों में 4 शैयायुक्त आयु0यूनानी चिकि0की स्थापना	324.0	25.0	30.0	-	30.0	30.0	-	30.0	35.0	-	35.0
	2-शहरी क्षेत्र में25शैयायुक्त आयु0यूनानीचिकि0की स्थापना	-	25.5	30.0	-	30.0	30.0	-	30.0	70.0	-	70.0
	3-वर्तमान राजकीय आयु0/यूनानी चिकि0का प्रोन्नयन	50.0	-	37.0	-	37.0	37.0	-	37.0	40.0	-	40.0
	योग चालू योजना :-	374.0	50.5	97.0	-	97.0	97.0	-	97.0	145.0	-	145.0
	नई योजना :-											
	1-वर्तमान रा0आयु0/यूनानी चिकि0 में भवनों का निर्माण एवं पानी बिजली की व्यवस्था।	-	-	-	-	-	-	-	-	150.0	150.0	150.0
	योग नई योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	150.0	150.0	150.0
	सम्पूर्ण योग :-	374.0	50.5	97.0	-	97.0	97.0	-	97.0	295.0	150.0	295.0

शुक्ला/

विभाग- ग्रामीण पेयजल (जल निगम)   जी0एन0-2   (हजार रु0 में)   (41)

क्रमांक	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	12	12	13
ग्रामीण जल-सम्पूर्ति (न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम)												
चालू योजनायें:-												
1-ढिलावल ग्राम समूह पेयजल		2363	350	600	600	600	600	600	600	300	300	300
2-कम्पिल ग्राम समूह पेयजल		1897	300	500	500	500	500	500	500	200	200	200
3-उदैतापुर ग्राम समूह पेयजल		2938	-	1000	1000	1000	1000	1000	1000	200	200	200
4-हैण्ड पम्प कार्यक्रम-												
अ- नये समस्याग्रस्त ग्रामों में अधिकतम दो हैन्ड पम्पों का लगाया जाना		1020	-	900	900	900	900	900	900	500	500	500
5- नये समस्याग्रस्त ग्रामों का का सेवुरेशन		655	-	-	-	-	-	-	-	2354.5	2354.5	2354.5
सम्पूर्ण योग:- (चालू योजना)		8873	650	3000	3000	3000	3000	3000	3000	3554.5	3554.5	3554.5

शुक्ला/

विभाग-ग्राम्य विकास (पेयजलापूर्ति) ... व्यय/परिव्यय जी0एन0-2 (हजार रू0 में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	1986-87का अनुमोदित परिव्यय			1986-87का अनुमानित परिव्यय			1987-88का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजनायें:-											
1-	ग्रामीण हरिजन पेयजल योजना	1625·0	708·0	708·0	708·0	708·0	708·0	708·0	708·0	840·0	840·0	840·0
	योग:-	1625·0	708·0	708·0	708·0	708·0	708·0	708·0	708·0	840·0	840·0	840·0

शुक्ल/12986

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	नई योजना-											
1.	ग्रामीण आवास	-	-	-	-	-	-	-	-	1.0	1.0	1.0
	योग नई योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	1.0	1.0	1.0

व्यय/परिव्यय जी0एन0-2 (हजार रू0में)

क्रम सं0	योजना	1980-85 वास्तविक व्यय	1985-86 वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजनायें:-												
1-	निर्बल वर्ग आवास योजना	1783.13	161.2	263	263	263	263	263	263	660	660	660
	योग:-	1783.13	161.2	263	263	263	263	263	263	660	660	660

शुक्ल/12986

विभाग- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान   जी0 एन0-2   (हजार रुपयों में)

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजनायें:-												
1-	वर्तमान औ0प्र0सं0 का विस्तार एवं सुदृढीकरण	1101	232	300	300	-	300	300	-	304	240	-
	योग चालू योजना:-	1101	232	300	300	-	300	300	-	304	240	-
नई योजनायें-												
1-	वर्तमान औ0प्र0सं0 में नये व्यवसायों की स्थापना एवं साज सज्जा क्रय करना	-	-	-	-	-	-	-	-	125	105	-
	योग नई योजना:-	-	-	-	-	-	-	-	-	125	105	-
	सम्पूर्ण योग:-	1101	232	300	300	-	300	300	-	429	345	-

मधुकला/12986

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 काअनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
चालू योजना:-												
1.अनुसूचित जाति कल्याण(शिक्षा)												
1.छात्रवृत्ति पुस्तकीय सहायतातथा उपकरण हेतु अनावर्तक सहायता												
अ.जूनियर हाई स्कूल स्तर(कक्षा-6से8 तक)												
1.निर्धनता के आधार पर		-	65	150.0	-	-	150.0	-	-	150.0	-	-
2.योग्यता के आधार पर		-	77	150.0	-	-	150.0	-	-	150.0	-	-
ब.प्राइमरी स्तर(कक्षा 1 से 5 तक)												
1.निर्धनता के आधार पर			85	100.0	-	-	100.0	-	-	105.0	-	-
2.योग्यता के आधार पर			50	80.0	-	-	80.0	-	-	88.0	-	-
2.दशम पूर्व वदशमोत्तर कक्षाओं को अन्तिम परीक्षाओं में प्रथमश्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों को विशेष पुरूष्कार।		-	4	20.0	-	-	20.0	-	-	25.0	-	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
3. विभाग द्वारा सहायता प्राप्त छात्रावासों, पुस्तकालयों एवं पाठशालाओं का सुधार एवं विस्तार		-	17.0	30.0	-	-	30.0	-	-	25.0	-	-
4. विमुक्त जातियों का कल्याण (शिक्षा)												
1. छात्रवृत्ति, पाठ्यपुस्तकीय एवं उपकरण हेतु अनावर्तीय सहायता												
अ. जूनियर हाई स्कूल स्तर (कक्षा-6 से 8 तक)												
1. निर्धनता के आधार पर		-	0.5	5.0	-	-	5.0	-	-	7.0	-	-
2. योग्यता के आधार पर विशेष पुरस्कार			8.0	5.0	-	-	5.0	-	-	7.0	-	-
प्राइमरी स्तर (कक्षा-1 से 5 तक)												
अ. निर्धनता के आधार पर			-	5.0	-	-	5.0	-	-	7.0	-	-
ब. निर्धनता के आधार पर		-	-	5.0	-	-	5.0	-	-	7.0	-	-
5. पिछड़ी जातियों कल्याण (शिक्षा)												
छात्रवृत्ति पुस्तकीय सहायता												
अ. जूनियर हाई स्कूल स्तर (6-8 तक)												
1. निर्धनता के आधार पर		-	-	150.0	-	-	150.0	-	-	225.0	-	-
2. योग्यता के आधार पर		-	-	150.0	-	-	150.0	-	-	230.0	-	-

विभाग-अनु0जाति/जनजातियों का कल्याण (क्रमशः)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ब. प्राइमरी स्तर (कक्षा-1 से 5 तक)												
1. योग्यता के आधार पर	-	-	20.0	-	-	20.0	-	-	72.0	-	-	
2. निर्धनता के आधार पर	-	-	20.0	-	-	20	-	-	72.0	-	-	
6. गृह निर्माण सुधार हेतु अनुदान	-	-	140.0	140.0	-	140.0	-	-	420.0	-	-	
7. खानाबदोश स्थिरवासी जातियों को आर्थिकसहायता	-	-	5.0	-	-	5.0	-	-	30.0	-	-	
8. खानाबदोश वस्थिरवासी जातियों को कुटीरउद्योग हेतु अनुदान	-	-	5.0	-	-	5.0	-	-	30.0	-	-	
योग चालू योजना	-	307.50	150.0	140.0	-	150.0	-	-	1650.0	-	-	

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1986-87 का अनुमानित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजना:-											
1.	शारीरिकरूप से अक्षम तथा हड्डीरोग से ग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षा तथा व्यवसाय प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति	-	7.0	20.0	-	-	20.0	-	-	25.0	-	-
2.	शारीरिक रूप से अक्षमव्यक्तियों केबच्चों को शैक्षिक तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति	-	-	10.0	-	-	10.0	-	-	12.0	-	-
3.	शारीरिक रूप से अक्षमव्यक्तियों को कृत्रिम अंग इत्यादि खरीदने हेतु अनुदान	-	5.0	5.0	-	-	5.0	-	-	10.0	-	-
4.	नेत्रहीन बधिर तथा शारीरिकरूप से अक्षम व्यक्तियों को अनुदान	-	130.3	136.0	-	-	136.0	-	-	274.0	-	-
	महिला कल्याण:-											
5.	निराश्रित विधवाओं को सहायक अनुदान	-	1110.0	1072.0	-	-	1072.0	-	-	1200.0	-	-
			1232.3	1243.0	-	-	1243.0	-	-	1521.0	-	-

विभाग --समाज कल्याण॥पुष्टाहार॥ जी0एन0-2 ॥हजार रूपये में॥

क्रमसं0	योजना	1980-85 का वास्तविक व्यय	1985-86 का वास्तविक व्यय	1986-87 का अनुमोदित परिव्यय			1986-87 का अनुमानित परिव्यय			1987-88 का प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	कुल	पूँजीगत	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	चालू योजनाऐं:-											
1.	पूरक पुष्टाहार	21	2136	2136	-	-	2136	-	-	2136.	-	-
	सम्पूर्ण योग	-	2136	2136	-	-	2136	-	-	2136	-	-

गनेश/13.9.86

प्रपत्र

जी॰एन॰3

भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ

वर्ष - 1987-88

विभाग- कृषि विभाग भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी०एन०-3

क्र०सं०	मद	ईकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	उपलब्धि	सातवीं योजना 85-86 के प्रारम्भ का स्तर	85-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 86-87 लक्ष्य	अनुमोदित उपलब्धि	वर्ष 87-88 का लक्ष्य	निर्माण एजेंसी का नाम।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	प्रदेश के उन्नतिशील बीजों के सम्बर्धन एवं संग्रहण की योजना									
1-	फार्म की स्थापना	है0	1	1	100एकड़ ऊसर भूमि कोकृषि योग्य बनाया गया।	100एकड़	20	20	23-2	-
2-	स्टाफ के लिए क्वार्टर आदि निर्माण की योजना-	सं0	9	3	3	-	-	-	-	-
3-	पंम्पिगसैट लगाना-	सं0	2	2	2	-	-	-	-	-
4-	कृषि बीज भंडारों के भवनों का निर्माण-	सं0	4	-	-	-	6	6	2	-
5-	ट्रैक्टर गैरिज का निर्माण	सं0	-	-	-	-	-	-	2	-
2-	राष्ट्रीय तिलहन विकास-कार्यक्रम (मूंगफली प्रदर्शन-एवं उत्पादन कार्यक्रम)	है0	-	-	-	-	-	-	600	-
3-	उ0प्र0 में अल्पकालयन भूमि सुधार की योजना-	है0	1440	1440	1440	7,50	750	750	340	-

यादव/

विभाग- कृषि विभाग॥कृषि रक्षा अनुभाग॥ भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना वर्ष 1985-86 के प्रारंभ का स्तर।	वर्ष 85-86 की वास्तविक उपलब्धि।	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	वर्ष 1986-87 उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य ।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	कृषि रक्षा सेवा में सुदृढीकरण की योजना								
अ-	कृषि रक्षा इकाईयों की स्थापना	सं0	-	-	14	-	-	-	-
ब-	भवन निर्माण	सं0	-	-	1	-	5	5	4
2-	गेहूँ की फसलमें गेहुओं एवं जंगली जई, खरपतवार निवारण की केंद्र पोषित योजना। ॥ राज्यांश॥	हे0	266-68,	266-68	266-68	266-68	266-68	266-68	400
3.	सचल कृषि रक्षा इकाई की स्थापना हेतु नई जीप ट्राली सहित क्रय करने का प्रस्ताव	सं0	-	-	-	-	-	-	एक जीपवट्राला

विभाग- उद्यान विभाग भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3

क्र0सं0	मद	ईकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना वर्ष 85-86		वर्ष 86-87		वर्ष 1987-88
			लक्ष्य	उपलब्धि	86-87 के प्रारम्भ का स्तर	की वास्तविक उपलब्धि।	लक्ष्य	उपलब्धि	का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ए-	वर्तमान उद्यानों, प्रक्षेत्रों/ पौधशालायों के सुधार की 5 योजना-								
1-	आलू बीज का उत्पादन	कुं0	3000	-	-	-	3000	3200	3000
2-	सब्जी बीज का उत्पादन	,,	60	-	-	-	60	65	60
3-	फलदार पौधों का- उत्पादन	सं0	150000,	192125	192125	86220	60000	70000	80000
4-	शोभाकार पौधों का उत्पादन-	,,	100000	39511	39511	7100	40000	25000	40000
बी-	प्रदेश के प्रमुख एवं पिछड़े- हुए क्षेत्रों में सघन औद्यो- निक विकास की योजना-								
1-	नवीन उद्यानों का रोपण	है0	1600,	1661-49,	1661-49	430-21	320	435-00	320
2-	पुराने बागों का जीर्णोद्धार	है0	2000	2987-37	2987-37	779-16	400	800-00	400
3-	सब्जी क्षेत्र में वृद्धि	है0	3000	3762-37	3762-37	1150-84	600	1200-00	600
4-	सब्जी बीज उत्पादन- कार्यक्रम-	है0	450	3817-64	3817-64	943-79	90	885-00	90

यादव/

जी०एम०-3 "भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि — गन्ना विकास विभाग जनपद फर्रुखाबाद ।

क्र.सं.	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 का प्रारम्भिक स्तर	वर्ष 85-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	वर्ष 1986-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 98-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	गन्ना रक्षा यन्त्र वितरण स्प्रेयर	संख्या	150	138	138	21	17	24	80
2-	गन्ना बीज यातायात	कुन्तल	-	2508=15	2508.2(-)	662	3220	900	1350
3-	पौधशाला बुवाई (क) आदर्श	है०	6.5	8=65	8=65(-)	2=22	1=5	1=92	1-5
	(ख) प्राथमिक	"	32.5	56=22	56=22(-)	6=59	10=0	14=43	15=0
	(ग) माध्यमिक	"	272.0	279=26	279.6 (-)	55-41	60-0	55=24	60=0
4-	पेड़ी गन्ने पर यूरिया छिड़काव	"	3000	2992=74	2992.7(-)	-	2000	388.9	2000
5-	बीज/भूमि उपचार	"	3600	6828=80	6828.6(-)	303.0	1800	1800	4000
6-	प्रदर्शन अधिष्ठापन								
	(1) संख्या	संख्या	300	476	476 (-)	[illegible]	60	60	[illegible]
	(11) क्षेत्रफल	है०	150.0	215.20	215.2(-)	43.06	30.0	30.0	48.0

विभाग- मंडी परिषद भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जनपद- फर्रुखाबाद जी0एन0-3

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारंभ का स्तर।	1985-86 का वास्तविक उपलब्धि।	वर्ष 86-87 लक्ष्य	वर्ष 86-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	केंद्र द्वारा पुरो निधानित योजनान्तर्गत कृषि उपज के भंडारण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण गोदामों के निर्माण हेतु मंडी परिषद को अनुदान-	सं0	-	-	-	-	-	-	2 छिबरामऊ शमशाबाद

यादव/

विभाग-अपराजिता टिकरी विoखo: जनपद फर्रुखाबाद, भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जीoएनo-3

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 80-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 80-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 85-86 के प्रारम्भ का स्तर	85-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	वर्ष 1986-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 87-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1- सीलिंग आवन्टियों को आर्थिक सहायता	संख्या	1060	1060	1060	557	(-) 1000	(-) 1000	(-) 1000

"अरुण"

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर ।	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 86-87		वर्ष 87-88 का लक्ष्य
			लक्ष्य	उपलब्धि			लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	सिंचाई कूप	सं0	350	430	12412	4	-	-	-
2-	रहट	,,	300	346	9362	3	-	-	-
3-	पम्प सैट बोरिंग पर	,,	13010	14117	27644	3276	3100	3000	2850
4-	निजीनल कूप	,,	3120	2979	17671	296	200	150	150
5-	बोरिंग	,,	-	-	41030	2928	3300	3150	3000
(अ)	विभागीय बोरिंग	,,	-	-	-	1365	1200	1200	1200
(ब)	व्यक्तिगत निकायों से	,,	-	-	-	1563	2100	1950	1800
6-	नि:शुल्क बोरिंग	,,	-	-	-	1044	1200	1200	1200
7-	पम्प सुधार योजना	,,	-	-	-	-	-	-	100
8-	अतिरिक्त सिंचन क्षमता में वृद्धि	है0	78331	85083	220398-50	17864	16500	15750	15000

यादव/

विभाग- राजकीय नलकूप (लघु सिंचाई) नलकूप निर्माण खंड, कानपुर भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना वर्ष 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87		वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
			लक्ष्य	उपलब्धि			लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	नलकूपों का छिद्रण	सं0	60	62	449	4	4	4	4
2-	सिंचन क्षमता में वृद्धि हजार है0		5-4	6-4	43-6	1-0	0-8	0-8	0-4
3-	पिछले वर्षों में निर्मित नवीन नलकूपों के अधूरे कार्य=								
1-	पक्की गूल/पाइप लाइन	कि0मी0	-	-	-	24-125	40	40	40
2-	कच्ची गूल/बरहा	,,	-	-	-	42-450	44-74	44-74	60
3-	पुराने असफल नलकूपों का पुन: निर्माण-	सं0	-	-	-	4	3	3	10
4-	पुराने नलकूपों पर अन्य कार्य- (पम्प सैट बदलने सहित)	सं0	-	-	-	-	-	-	लम्बित

यादव/

विभाग-पशुपालन भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि : जनपद फर्रुखाबाद (जी0एन0-3)

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 (लक्ष्य)	(उपलब्धि)	सातवीं योजना (1985-86 के प्रारम्भिक स्तर)	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 (लक्ष्य)	(अनुमानित उपलब्धि)	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1- राज्य में प0चि0 एवं पशुसेवा केन्द्रों की स्थापना		12	12	2	2	1	1	2
2- वर्तमान प0चि0 एवं प0से0 केन्द्रों में अतिरिक्त सुविधाओं का प्राविधान		18	18	2	2	4	4	5
3- भवन रहित प0चि0 भवनों का निर्माण (स्थानीय निकायों द्वारा चालित) (पशुचिकित्सालयों का प्रान्तीकरण)		4	3	-	-	1	1	-
4- खुरपका/मुहपका रोग की रोकथाम		-	-	1	1	1	1	1
5- कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र तिर्वा के आवासीय भवन का निर्माण		-	-	1	1	1	1	3
6- अतिहिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भा0 कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण		2	2	8	8	3	3	2
~~7- अतिहिमीकृत वीर्य द्वारा कृ0 ग0 कार्यक्रम~~								
7- राज्य में बकरी प्रजनन सुविधाओं का विस्तार		8	8	1	1	1	3	3

क्रमशः

1	2	3	4	5	6	7	8	9
क								
कुक्कुट विकास								
8- संयुक्त राष्ट्र बालआपातनिधि के सहयोग से व्यवहार एवं पुष्टाहार कुक्कुट उत्पादन की योजना		5	5	2	2	2	2	2
भेड़ एवं ऊन विकास								
9- राज्य में बकरी प्रजनन सुविधाओं की योजना		8	8	1	1	1	3	3
अन्य पशुधन विकास								
10- छुट्टा एवं जंगली पशुओं का उत्पात रोकने तथा उनको पकड़ने व जिला गौसदन क्षेत्र भेजने की योजना		-	-	80	80	40	40	40
चारा विकास कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण								
11- चारा बीज तथा चरागाहों के विकास की योजना -	(हैक्टर में)	3500	3500	700	700	700	700	700

विभाग- मत्स्य पालक विकास अभिकरण भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3 (फर्रुखाबाद)

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 की 1985-86 के वास्तविक प्रारंभ का स्तर	उपलब्धि।	वर्ष 86-87		वर्ष 1987-88 का लक्ष्य।
			लक्ष्य	उपलब्धि			लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	चालू योजना								
	मत्स्य पालक विकास अभिकरण की स्थापना-								
1-	तालाबों का सुधार	है0	380	135	135	118	100	100	100
2-	मत्स्य पालकों का प्रशिक्षण-	सं0	300	306	306	100	100	100	100

यादव/

विभाग- सामाजिक वानिकी प्रभाग।वन विभाग। भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3 ।फर्रूखाबाद।

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 के प्रारंभ का स्तर।	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87		वर्ष 87-88 का लक्ष्य।
			लक्ष्य	उपलब्धि			लक्ष्य	उपलब्धि	
1	2	3	44	5	6	7	8	9	10
1-	वृक्षारोपण	है0	680	680	680	100	162	162	100
2-	अग्रिम मिट्टी खुदान	,,	849	849	849	162 अग्रिम	100	100	100
3-	वन मनोरंजन/पार्कों का- विकास-	सं0	-	-	-	-	-	-	1
4-	भवन निर्माण	सं0	-	-	-	-	-	-	/2 ।भाग में।

विभाग-पंचायत राज भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जनपद-फर्रुखाबाद जी0एन0-3

क्र0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर।	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि।	वर्ष 1986-87		1987-88 का लक्ष्य।
			लक्ष्य	उपलब्धि			लक्ष्य	उपलब्धि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	पंचायती राज उद्योगों की तकनीकी सहायता-	सं0	5	4	4	1	2	2	2
2-	पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढीकरण हेतु उन्हें अपनी आय में बृद्धि करने हेतु प्रोत्साहन-	सं0	9	9	9	-	3	3	3
3-	ग्रामीण पर्यावरण में स्वच्छता हेतु अनुदान-	,,	66	50	50	25	50	50	50
4-	पंचायत भवनों का निर्माण-	,,	25	23	23	13	50	50	20
5-	पंचायत उद्योगों का कार्य-शाला निर्माण-	,,	-	-	-	-	1	1	-
6-	हाट बाजार व मेलों की स्थिति में सुधार	,,	20	20	20	10	10	10	10

यादव/

विभाग- जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल [illegible] भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर।	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि।	वर्ष 86-87 लक्ष्य	वर्ष 86-87 अनुमानित उपलब्धि।	1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	स्वंय सेवकों का सुदृढीकरण वर्दी	सं0	60	60	200 वर्दीसैट	200	185	-	260
2-	युवक मंगल दलों को प्रोत्साहन	सं0	10	10	162	162	62	-	140
3-	ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता	,,	15	15	15	15	15	-	16
4-	व्यायाम शाला निर्माण-	सं0	-	-	1	1	-	-	2
5-	तैराकी प्रतियोगिता	,,	-	-	-	-	×100	-	100
6-	युवक विचार गोष्ठी (ब्लाक स्तर)	,,	-	-	14	[illegible]	1	-	15
7-	समाज सेवा (बाढ़, मेला)	,,	-	-	47	47	400 मानव दिवस	-	1600 मानव दिवस
8-	प्रकीर्ण व्यय- 14 विकास खंडों को एक-2 अलमारी, पेट्रोल, स्थापना, स्टेशनरी, फरनीचर आदि-	सं0	-	-	-	-	-	-	14 विकास खंडों को एक-2 अलमारी, पेट्रोल स्थापना-फरनीचर आदि।

विभाग- ग्राम्य विकास भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि जी0एन0-3 फर्रूखाबाद।

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 की वर्ष 86-87				वर्ष 1987-88 के लक्ष्य।
			लक्ष्य	उपलब्धि	1985-86 के प्रारंभ का वास्तविक उपलब्धि।		लक्ष्य	उपलब्धि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	विकास खंड कार्यालयभवन एवं सूचना केंद्र तथा गैरेज निर्माण-	सं0	4	4	-	-	-	-	-
2-	खंड विकास अधिकारी टाइप आवासीय भवन निर्माण-	सं0	1	1	-	1	-	-	4
3-	सहायक विकास अधिकारी टाइप आवासीय भवन- निर्माण-	सं0	-	-	-	-	-	-	36
4-	ग्राम विकास अधिकारी टाइप आवासीय भवन- निर्माण-	सं0	1	-	-	-	-	-	35
5-	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी टाइप आवासीय भवन निर्माण-	सं0	-	-	-	2	-	-	42
6-	जिला विकास संग्रहीत- कार्यालय भवन निर्माण	,,	-	-	-	-	-	-	1

यादव/

विभाग- जिला ग्राम्य विकास अभिकरण भौतिक/लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारंभ का स्तर	1985-86 की उपलब्धि	वर्ष 86-87 लक्ष्य	वर्ष 86-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
एकीकृत ग्राम्य विकास योजना-									
1-	बैलगाड़ी	सं0	5000	5245	7599	1177	1745	1745	1800
2-	दुधारू पशु	सं0	8000	8410	11,700	1645	769	769	750
3-	कुक्कुट यू0	यू0	30	16	22	2	18	18	20
4-	सूकर यू0	यू0	2000	2297	3093	398	293	293	300
5-	बकरी यू0	यू0	3000	3089	4551	731	450	450	450
6-	पम्प सैट	सं0	4000	4475	5239	382	1020	1020	1000
7-	कूप रहट बोरिंग	,,	190	190	206	8	76	76	70
8-	नलकूप	,,	4000	352	486	67	178	178	180
9-	उद्योग उद्योग	सं0	20000	20169	29989	4910	5068	5068	5000
10-	प्रशिक्षण-	सं0	3000	3142	4274	566	560	560	560

यादव/

विभाग-सहकारिता/ भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि   जनपद फर्रुखाबाद जी0एस0-3

मद	इकाई	छठी योजना 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भिक स्तर	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	वर्ष 1986-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1- जिला सहकारी बैंक								
शाखाएं खोलना	=2	2	2	-	-	-	-	2
शाखाओं का नवीनीकरण	सं0			-		2	2	2
2- ऋण वितरण अल्पकालीन	" (लाख रु0)	1717-400	161-650	-	39722	88900	50000	
मध्य कालीन		21-500	69.433	-	21.718	7500	5000	
3- क्रय विक्रय समितियाँ								
अ) मूल्य उतार चढाव निधि से द्वारा लाभान्वित समितियाँ		4	4	-	-	7	7	7
ब) उर्वरक व्यवसाय में प्राप्त सीमान्त से लाभान्वित समितियाँ		1	1	5	5	1	1	-
		10	10	7	7	14	14	20
द) समितियों में अंशपूंजी वृद्धि	रु0	150	150	105	105	210	210	300
य) जिला सहकारी संघ में अंशपूंजी वृद्धि		-	-	100	100	100	100	-
4- विपणन एवं शीतगृह -								
अ) डीजल जनरेटिंग सेट के क्रय हेतु प्राप्त अनुदान से लाभान्वित शी0गृ0		1	1	-	-	-	-	-

	2	3	4	5	6	7	8	9
विभाग- सहकारिता-								
उपभोक्ता योजना-								
[क] उपभोक्ता व्यवसाय हेतु प्राप्त सीमान्त धन से लाभान्वित होनेवाली समितियों की संख्या		20	20	3	3	15	15	25
[ख] समितियों में अंश पूंजी वृद्धि		150	150	-	22.5	105	105	225

विभाग - विद्युत   भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जनपद फर्रुखाबाद विद्युत वितरण खण्ड कन्नौज (जी0एन0-3)

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष (1980-85) लक्ष्य	छठी योजना वर्ष (1980-85) उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 का प्रारम्भ स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 लक्ष्य	1986-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	निजी नलकूपों का ऊर्जीकरण	सं0	775	775	4493	145	283	200	280
2-	केन्द्रीय परिभाषानुसार ग्रामों का ऊर्जीकरण	"	63	63	458	27	40	40	20
3-	तन्तुओं का जाल बिछाकर ग्रामों का विद्युतीकरण	"	53	53	144	26	17	17	30
4-	हरिजन बस्तियों का ऊर्जीकरण	"	53	53	278	26	17	17	30

अरुण "

विभाग – ग्रामीण उद्योग   भौतिक लक्ष्य / उपलब्धि जनपद फर्रुखाबाद   (जी०एन०-3)

मद	इकाई	छठी योजना (1980-85) लक्ष्य	छठी योजना (1980-85) उपलब्धि	सातवीं योजना (1985-86) के प्रारम्भ स्तर	वर्ष 1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	1986-87 लक्ष्य	1986-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1– जिला उ०केन्द्र मार्जिन मनी ऋण	सं०	18	18	18	11	10	10	10
2– मेले एवं प्रदर्शिनी	"	–	–	3	3	3	3	3
3– उद्यम कर्ता विकास योजना	"	–	–	201	130	130	130	130
4– सहकारिता क्षेत्र में हथकरघा खोलना		300	300	8206	150	150	150	150
5– बुनकर सहकारी समितियों का गठन		6	6	66	3	3	3	3
6– हथकरघा वस्त्रोत्पादन	लाख मीटर में	60	67.4	–	[illegible].9	80.0	80.0	80.0
7– हिस्सा पूंजी ऋण	सं०	–	–	–	4	12	12	12
8– प्रबन्धकीय सहायता		–	–	–	–	3	3	3
9– बिक्री केन्द्र की स्थापना		1	1	1	–	–	–	2

"अरुण"

मद	इकाई	छठी योजनावर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजनावर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 का लक्ष्य	वर्ष 1986-87 का उपलब्धि	1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. ग्रामीण तथा नगरक्षेत्रों में भवन रहित जू0 बे0स्कूलों के भवननिर्माण हेतु अनुदान	सं0	30	-	30	70	4	-	17
2. असहायिक मान्यता प्राप्त अशासकीय सी0बे0स्कूलों को अनुरक्षण अनुदान	संख्या	6	11	3	75	वचनबद्ध वेतन		
3. ग्रामीण तथा नगरक्षेत्रों में सी0बे0 स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान		13	-	2	30	1	-	10
4. ग्रामीण क्षेत्रों में मिश्रित जू0बे0 स्कूल खोलने हेतु अनुदान	सं0	20	-	-	30	2	-	सततीकरण
5. ग्रामीण क्षेत्रों में बालक/बालिकाओं के सी0बे0 स्कूलखोलने हेतु अनुदान	सं0	11	3	-	-	1	-	सततीकरण
6. प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा6-8में प्रत्येकमाह की दर से3 वर्ष के लिये योग्यता छात्रवृत्ति	सं0	-	-	सततीकरण	-	120	-	125
7. बेसिक स्कूलों के अध्यापकोंको दक्षता पुरस्कार	सं0	6	-	2	50	20	-	10
8. निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों को उपलब्ध कराने हेतु सी0बे0स्कूलों में पाठ्यपुस्तक बैंक स्थापित करने हेतु	सं0	163	-	8	50	20	-	22

1	2	3	4	5	6	7	8	9
9. ग्रामीण क्षेत्रों के सी0बे0स्कूलों हेतु साज-सज्जा	सं0	41	41	-	12	13	-	14
10. नगरक्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 6-14 वयवर्ग के बच्चों के लिये अंशकालिक कक्षायें खोलने हेतु अनुदान	सं0	575	575	625	625	625	सततीकरण	625
11. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय का सुदृढ़ीकरण	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वर्तमान रा0 बे0 विद्यालय के भवनों एवं छात्रावासों का निर्माण	-	-	-	-	-	-	-	-

17 जू0बे0स्कूल के भवन निर्माण के स्थान- कंकलीपुर (जलीलाबाद) खानपुर (राजेपुर) गौन्टियान (राजेपुर) बरूआ, राई, रीढेचकरपुर, गूजरपुरपसारान, नयागाँव, (राजेपुर) भुन्ना (उमर्दा) हेरईपुर (उमर्दा) राजापुर, भटपुरी, खडिनी, खानपुर (सौरिख) बलीपुर (नवाबगंज) लखरौआ, (सिरोही) (मोहम्मदाबाद)

10 सीनियर बेसिक स्कूल के भवन निर्माण के स्थान- गाँधी (राजेपुर) गढ़िया, किसईजगदीशपुर, सहरोई (सौरिख) टान्डी (कमालगंज) विशुनगढ़, अकबरपुर (छिबरामऊ) खैरनगर, महदेवपुरवा (उमर्दा) खडिनी (हसेरन)

गनेश/13.9.86

विभाग- माध्यमिक शिक्षा   जी0एन0-3

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 की प्रारम्भ का स्तर	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 की लक्ष्य	वर्ष 1986-87 की अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 की लक्ष्य
1-	2	3	4	5	6	7	8	9
1-खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के वहिरशैक्षिक कार्यक्रमों तथा खेलकूद युवकों के कल्याण हेतु प्रविधान		रैली		रैली	रैली	रैली	रैली	रैली
2-उ0मा0 वि0 में वालचर योजना का प्रस्ताव	वालचर/	60	60	100	2100	50	50	50
3-सार्वजनिक पुस्तकालयों का अनुदान,	पुस्तकालय	10	10	4	4	4	4	4
4-वर्तमान राजकीय पुस्तकालय का विकास तथा नये राजकीय पुस्तकालयों की स्थापना (राजकीय पुस्तकालय)		–	–	1	1	1	1	1
5-सहायता प्राप्त उ0मा0 वि0 को छात्र तथा सेनेटरी सुविधा हेतु अनुदान		12	8	–	–	–	–	2
6-संस्कृत पाठशालाओं को विकास अनुदान		–	–	–	–	–	–	–
7-असहायिक उ0मा0 वि0 को अनुदान सूची पर लाना		–	–	–	–	–	–	–
8-ग्रामीण क्षेत्रों में बालकों के सहायता प्राप्त उ0मा0 वि0 में पढ़ रही बालिकाओं के लिए विशेष सुविधा		–	–	–	–	–	–	–

शुक्ला/13986

1	2	3	4	5	6	7	8	9
9-सहायता प्राप्त उ0मा0 वि0 में पुस्तकालयों का सम्वर्धन		-	-	-	-	-	2	-
10-लघु एवं छोटे कार्य के लिए रक्षित धनराशि		-	-	-	-	-	-	-
11-राजकीय उ0मा0 वि0 के भवनों का विस्तार एवं विद्युतीकरण तथा विशेष मरम्मत		-	-	-	-	-	1	-
12-बालक तथा बालिकाओं के ~~कक्षाय~~ कतिपय राजकीय हाई स्कूलों की इण्टर स्तर पर क्रमोन्नति के सम्बन्ध में भवन निर्माण		-	-	-	-	-	-	-
13-राजकीय इण्टर कालेजों में अतिरिक्त अनुभाग खोलना तथा नये विषयों का समावेश		-	-	-	-	-	3	-
14-राजकीय उ0मा0 वि0 में विज्ञान अध्ययन के लिए विद्यालयों तथा नवीन प्रयोगशालाओं की निर्माण		-	-	-	-	-	-	-
15-राजकीय उ0मा0 वि0 में बसों की व्यवस्था		-	-	-	-	-	1	-
16-जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का सुदृढ़ीकरण		-	-	-	-	-	1	-

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर 1	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि।	वर्ष 86-87		वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
			लक्ष्य	उपलब्धि			लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजना।									
अ- प्रौढ शिक्षा केंद्र	सं0	800	752	300	300	300	300	300	
ब- प्रतिभागी	सं0	24000	22534	9000	9000	9000	9000	9000	

यादव/

क्र0सं0	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर।	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि।	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 87-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय/अशासकीय स्कूलों में खेलकूद ग्राउंडों की स्थापना।	सं0	2	2	-	1	2	2	2
2-	विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन	सं0	8	8	-	3	3	3	3
3-	खेल कूद उपकरणों की सम्पूर्ति	सं0	76	76	-	-	-	-	-
4-	क्रीडा प्रतिष्ठानों का निर्माण	सं0	-	-	-	-	-	-	-

यादव/

विभाग -राजकीय पाली टैक्निक, भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि, जनपद फर्रुखाबाद जी0एस0-3

मद	इकाई	छठी योजना 1980-85 लक्ष्य	उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भिक स्तर	1985-86 की वास्त0 उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1- जनपद फर्रुखाबाद में पालीटैक्निक की स्थापना		भूमि अधिग्रहण	-	भवननिर्माण अनावासीय	भवननिर्माण सम्बन्धी प्रारम्भिक कार्यवाही पूरी कर ली गई (भूमिअधिग्रहण)	अनावासीय भवन का निर्माण	(ग्राउन्ड फ्लोर का निर्माण)	(सम्पूर्ण कार्य जिसमें छात्रावास आवासीय एवं अनावासीय भवन निर्माण कार्य सम्मिलित है को पूर्ण कर प्रथम वर्ष की कक्षाओं का प्रारम्भ किया जाना प्रवेश क्षमता प्रथम वर्ष में 30 छात्रों की होगी।

"अपूर्ण"

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि-जी०एन०-3, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जनपद फर्रुखाबाद।

क्र०सं०	योजना	इकाई	छठी योजना 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना के 85-86 के प्रारम्भ का स्तर	85-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1985-86 का लक्ष्य	वर्ष 1985-86 का अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	उपकेन्द्रों का भवन निर्माण	संख्या	15	15	30	-	5	5	2 नये
2-	सब्सीडियरी हैल्थ सेन्टरों की स्थापना एवं भवन निर्माण	"	2 (1)	2 1	1	1	1	1	1 पुन
3-	प्रा०स्वा०केन्द्रों का भवन निर्माण	"	4	2	2	2	2	2	2
4-	नये प्रा०स्वा०केन्द्रों की स्थापना	"	-	-	-	1	5	5	5
5-	सामुदायिक स्वा०केन्द्रों की स्था०	"	-	-	-	1	3	1	2
6-	अस्पतालों में साज सज्जा एवं आवश्यक सामिग्री (डीजल जिनरेटर)	"	2	2	3	1	1	1	1
7-	दन्त रुजालयों की स्थापना	"	2	2	4	2	-	-	2
8-	उच्चीकृत प्रा०स्वास्थ्य केन्द्रों एवं बने हुए चिकि० में बाल रुजालयों की स्था०	"	2	2	6	4	-	-	4
9-	रेडियोलौजी	"	1	1	2	-	-	-	2
10-	मैडीकल/सर्जिकल सुविधाएं-	-	-	-	-	-	1	1	2
11-	शहरी एवं ग्रामीण होम्योपैथिक चिकि० की स्थापना	-	5	5	18	3	1	1	4 नये 4 पु०
12-	राजकीय होम्यो० चिकि० में दवाओं एवं आकस्मिक व्यय का प्राविधान	-	-	-	-	-	-	-	10
13-	शहरी चिकि० मैजल संपूर्ति	-	-	-	-	-	1	-	1

विभाग-चिकित्सास्वास्थ्यएंव परिवार कल्याण क्रमश:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
नयी योजनाये-									
1-	नये प्राथस्वाकेन्द्रो की स्थापनाएंव विस्तार नवीनीकरण एंव वाउन्डरीवाल का निर्माण	-	-	-	-	-	-	-	
2-	अस्पतालो में विशिष्ट उपचारिक सेवाओ की व्यवस्थाा								
	क- पैथालाजी	-	-	-	-	-	-	3	
	ख- ई0एन0टी0	-	-	-	-	-	-	3	

"अरुण"

विभाग-क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी, भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि, जनपद फर्रुखाबाद जी0एन0-3

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 80-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 80-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ की स्थिति	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	वर्ष 1986-87 अनुमानित उपलब्धि	1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-ग्रामीण क्षेत्रों में 4 शैया युक्त आयु0 यूनानी चिकि0 की स्थापना		6	6	6	1	2	1	1
2- शहरी क्षेत्रों में 25 शैया युक्त आयु0/यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना		-	-	-	1	1	1	1
3- वर्तमान रा0आयु0/यूनानी चिकित्सालयों का प्रोन्नयन		23	23	23	25	27	27	29
4- वर्तमान रा0आयु0/यूनानी चिकित्सालयों व भवनों का निर्माण एवं पानी बिजली की व्यवस्था		-	-	-	-	2	-	2
5- क्षेत्रीय आयु0 एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय का प्रसार		-	-	-	-	-	-	-

"अरुण"

विभाग-पेय जल (जल निगम) भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जनपद फर्रुखाबाद जी0एन0-3

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 80-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 80-85 उपलब्धि	सातवीं योजना (1985-86) 85-86 के प्रारम्भ की वास्तविक का स्तर	वर्ष 1986-87 उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ग्रामीण समूही न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम								
1- ढिलावल ग्राम समूह पेय जल	संख्या	11	11	5	5	-	-	-
2- भिपल ग्राम समूह पेय जल	"	4	4	-	-	-	-	600 किमी 12 मीटर
3- उदैतापुर ग्राम समूह पेयजल	"	14	14	-	-	7	7	-
हैण्डपम्प कार्यक्रम								
4- नये समस्याग्रस्त ग्रामों में अधिकतम दो हैण्डपम्पों का लगाया जाना।	"	497	497	392	177	150	160	30
5- नये समस्याग्रस्त ग्रामों का कैबुरेशन		125	125	764	10	110	110	90

" अरुण

विभाग- ग्राम्य विकास ‡पेयजल योजना‡ भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0-3

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वर्ष की		1986-87 वर्ष का लक्ष्य	1987-88 का लक्ष्य
		लक्ष्य	उपलब्धि		वास्तविक लक्ष्य	उपलब्धि		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. हरिजन पेयजल योजना‡ग्रामीण‡	संख्या	214	223	1267	60	60	60	70
सम्पूर्ण योग		214	223	1267	60	60	60	70

गनेश/13.9.86

विभाग-ग्राम्य विकास॥आवास योजना॥ जी0 एन0-3 ॥भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 86-87 का लक्ष्य	उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. निर्बल वर्ग आवास योजना	सं0	807	920	1407	346	119	119	300

क्र०सं०	मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारंभ का स्तर।	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 87-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
वर्तमान औ०प्र०सं० का विस्तार एवं सुदृढीकरण।									
1- औ०प्र०सं० में प्रशिक्षार्थियों की सीटों में 100% से अधिक वृद्धि हो जाने के कारण कार्यशाला, थ्योरी, गणित, कला एवं सामाजिक विषयों की कक्षाओं की कमी की आपूर्ति के लिए 17 कमरों का निर्माण।									महिला शाखा में तीन व्यवसाय एवं पुरुष शाखा में तीन नए व्यवसाय एवं दो चल रहे व्यवसायों में अतिरिक्त यूनिट्स का प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाने के कारण अतिरिक्त कमरों की आवश्यकता है। 7वीं पंचवर्षीय योजना में कुल 17 कमरों का निर्माण प्रस्तावित है जिसमें से वर्ष 87-88 में 4 कमरों का निर्माण किया जायेगा।
	(अ) 24x11x12 फीट के 4 कमरे	-	प्रारंभ में 4 कमरों का निर्माण होना है		-	-	-	-	
	(ब) एक अतिरिक्त शेड का निर्माण	निर्माण कार्य चला।	शेड का निर्माण हो चुका है।			एक शैड का निर्माण	निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।		सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा
	2- संस्थान में चालू व्यवसायों के लिए साज सज्जा उपकरण एवं मशीनों आदि की आपूर्ति।	अधिकांश कमी दूर हुई	पर्याप्त मात्रा में कमी दूर हुई।			अभी इस मद में न्यूनतम आव० की आपूर्ति होना शेष है।	-	-	-
	3-(क) रेडियो व टी०वी० मैके० व्यवसाय के प्रथम यूनिट के लिए साज सज्जा उपकरण व फर्नीचर आदि की आपूर्ति से।	-		-	-	प्रथम यूनिट खुल गया है।	-	-	द्वितीय यूनिट खुल जाने से द्विवर्षीय व्यवसाय की प्रति वर्ष 16 प्रशि० के प्रशिक्षण की निरंतरता बनी रहेगी।
	(ख) एक अनुदेशक का वेतन, भत्ता छात्र वेतन प्रशि० व्यय एवं अन्य आक० व्यय की आपूर्ति से।	-	5	-	-	-	-	-	वार्षिक योजना वर्ष 85-86 में प्रारंभ किए गए व्यवसाय के अनुदेशक को वर्ष 87-88 में देय वेतन आदि का भुगतान किया जाना है।

पृ०उ० क्रमशः:----------

पिछले पृष्ठ का शेष-----

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10
(ग) रेडियो व टी0वी0 मैके0 व्यवसाय की द्वितीय यूनिट के लिए मात्र हैंड टूल्स को क्रय करने हेतु धनराशि की मांग से।	-	-	-	-	-	द्वितीय यूनिट खुल जाने से प्रवेश में निरंतरता बनी रहेगी।		
(घ) रेडियो व टी0वी0 मैके0 की द्वितीय यूनिट के लिए अनुदेशक का वेतन, भत्ते, छात्र वेतन, प्रशि0 व्यय एवं अन्य आक0व्यय आदि में व्यय की आपूर्ति से।	-	-	-	-	-	,,	,,	,,
4- इलैक्ट्रानिक्स व्यवसाय में द्वितीय यूनिट के अनुदेशक का वेतन, भत्ते छात्र वेतन, प्रशिक्षण व्यय एवं अन्य आक0व्यय आदि मदों से आवश्यक व्यय की आपूर्ति से।	-	-	द्वितीय यूनिट खुल गया है।	प्रशिक्षण प्रारंभ है।	-	,,	,,	,,
5- निदेशालय द्वारा फोर मैन अनुदेशकों, महिला शाखा हेतु स्टॉफ एवं संस्थान की क्षतिग्रस्त चहारदीवारी व अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु धनराशि की आपूर्ति से।	-	-	अनु0वर्गीय स्टाफ की कमी पूरी हो जावेगी।	स्टाफ की न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति हो जावेगी।	-	कर्मचारियों की कमी की आपूर्ति हो जावेगी।		
6-संस्थान में फर्नीचर की कमी की आपूर्ति हेतु 25 छात्रों के लिए फर्नीचर क्रय हेतु।		-	फर्नीचर की आंशिक कमी पूरी होगी।	फर्नीचर की न्यूनतम आवश्यकता पूरी होगी।	-	तीन पालियों में 25x3=75 छात्रों हेतु फर्नीचर की व्यवस्था हो जावेगी।		
7- संस्थान के पुस्तकालय हेतु फर्नीचर/स्टील रैक अलमारी इत्यादि के क्रय करने से।	-	-			-	पुस्तकालयों में वर्तमान समय में पुस्तकों को रखने की उचित व्यवस्था नहीं है, इस धनराशि की आपूर्ति से पुस्तकालय में न्यूनतम आवश्यकता पूरी हो जावेगी।		
8- संस्थान में एक हैंड पम्प लगवाने से-			पेय जल व्यवस्थाओं में सुधार होगा।					
नई योजनाएं:-								
1- महिला शाखा में चल रहे हिंदी टंकण (एकवर्षीय) व्यवसाय को हिंदी आशुलिपि (एक वर्षीय) में परिवर्तित करने से।		-	-	-	-	वर्ष 1987-88 में हिंदी टंकण (छमासीय) को हिंदी आशुलिपि (एक वर्षीय) में परिवर्तित करने से महिलाओं को भी आशुलिपि प्रशिक्षण की सुविधा प्राप्त होगी।		

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 (क) हिंदी आशुलिपि व्यवसाय हेतु एक भाषा अनुदेशक का बेतन, भत्ते, छात्रबेतन, प्रशि0व्यय अन्य आक0व्यय आदि में धनराशि की आपूर्ति से।			–	–	–	–	–	इस धनराशि का उपयोग वर्ष 86-87 87-88 में महिला शाखा हेतु हिंदी आशुलिपि व्यवसाय के अनुदेशक के बेतन एवं अन्य व्यय में भुगतान किया जायेगा।	
2- पुरूषों के लिए कैलिको प्रिंटिंग (रंगाई छपाई) एक वर्षीय व्यवसाय के खोले जाने से।			–	–	–	–	–	इस धनराशि का उपयोग वर्ष 87-88 में होना है। रंगाई छपाई व्यवसाय इस जनपद का एक प्रमुख व्यवसाय है।	
(क) साज-सज्जा, उपकरण व फर्नीचर आदि के क्रय हेतु धन की आपूर्ति से।		–	–	–	–	–	–	इस कार्य के लिए आधुनिक तकनीकी ज्ञान की प्राप्त करने की दृष्टि से यह प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाना उचित है।गा।	
(ख) अनुदेशक के बेतन, भत्ते, छात्र बेतन प्रशि0व्यय आदि के लिए धन की आपूर्ति से।		–	–	–	–	–	–	–	
3- मोटर ड्राइविंग व्यवसाय (3माह-कोर्स) के लिए अनुदेशक का बेतन, भत्ता प्रशि0व्यय आदि में व्यय की आपूर्ति से।		–	–	–	–	–	–	वर्ष 87-88 में अनुदेशक के बेतन इत्यादि के लिए धनराशि व्यय की जावेगी। 3 माह का मोटर ड्राइविंग कोर्स खोले जाने हेतु प्रस्ताव रखा गया है।	
4- क्लीनर/हैल्पर (चतुर्थ वर्ग) का बेतन व भत्ता हेतु व्यय की आपूर्ति से।			–	–	–	–	–	मोटर मैकेनिक व्यवसाय हेतु क्लीनर कम हैल्पर (चतुर्थ वर्ग) को नियुक्त करने का प्रस्ताव है।	

यादव/

विभाग-जिला हरिजन एवं समाज कल्याण अधिकारी-फर्रुखाबाद

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
I-अनुसूचित जाति कल्याण शिक्षा								
1-छात्रवृत्ति, पुस्तकीय सहायता तथा उपकरण हेतु सहायता।								
अ-जूनियर हाई स्कूल स्तर कक्षा 6 से 8								
1-निर्धनता के आधार पर-	-	-	-		903	1136	1136	1136
2-योग्यता के आधार पर -	-	-	-		1069	1136	1136	1136
ब-प्रायमरी स्तर कक्षा 1 से 5 तक								
1-निर्धनता के आधार पर-	-	-	-		3542	4166	4166	4248
2-योग्यता के आधार पर -	-	-	-		2083	3333	3333	3600
2-दशमपूर्व एवं दशमोत्तर कक्षाओं की अन्तिम परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों को विशेष पुरस्कार	50	50	50		10	50	50	63
3-विभाग द्वारा सहायता प्राप्त प्रायमरी पाठशालाओं को अनुदान	-	-	-		6	10	10	8
4-विमुक्त जातियों का कल्याण-								
छात्रवृत्ति तथा पुस्तकीय सहायता एवं उपकरण हेतु सहायता	-	-	-		-	-	-	-
ज-जूनियर हाई स्कूल स्तर (कक्षा 6 से 8 तक)								
1-निर्धनता के आधार पर	-	-	-		-	-	-	-
2-योग्यता के आधार पर योग-	170	170	170		4	40	40	60

विभाग-जिला हरिजन एवं समाज कल्याण अधिकारी फर्रुखाबाद जी0एन0-3

मद	इकाई	छठी योजनावर्ष 1980-85		सातवीं योजना 1985-86 की वर्ष 1986-87 वर्ष 1987-88 का लक्ष्य				
		लक्ष्य	उपलब्धि	1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	वास्तविक उपलब्धि	लक्ष्य	अनुमानित	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
प्राइमरी स्तर (कक्षा 1 से 5 तक)								
स-योग्यता के आधार पर	-	-	-	-	208	208	291	
द-निर्धनता के आधार पर	-	-	-	-	208	208	200	
5- पिछड़ी जाति कल्याण शिक्षा छात्रवृत्ति पुस्तकीय सहायता								
अ-जूनियर हाई स्कूल स्तर 6 से 8 तक								
1-निर्धनता के आधार पर	1498	1498	1498	-	1136	1136	1704	
2-योग्यता के आधार पर	-	-	-	-	1136	1136	1760	
ब-प्राइमरी स्तर कक्षा 1 से 5 तक	-	-	-	-	833	833	2063	
1-योग्यता के आधार पर								
2-निर्धनता के आधार पर	-	-	-	-	833	833	2063	
6- गृह निर्माण एवं ऋण की अदायगी	190	190	190	-	140	140	70	
7-खानाबदोश व अस्थिरवासी जातियों को आर्थिक सहायता	-	-	-	-	5	5	7	
8-खानाबदोश व अस्थिरवासी जातियों को कुटीर उद्योग	-	-	-	-	5	5	7	
9-अनुसूचित जातियों का कल्याण कक्षा 6 से 8 तक योग्यता के आधार पर	-	-	-	-	227	227	-	
10-गृह निर्माण एवं ऋण अदायगी	-	-	-	-	16	16	-	

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

विभाग- जिला हरिजन तथा समाज कल्याण अधिकारी फर्रुखाबाद

जी0एन0-3

मद	इकाई	छठी योजना वर्ष 1980-85 लक्ष्य	छठी योजना वर्ष 1980-85 उपलब्धि	सातवीं योजना 1985-86 के प्रारम्भ का स्तर	1986-87 की वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 1986-87 लक्ष्य	वर्ष 1986-87 अनुमानित उपलब्धि	वर्ष 1987-88 का लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
समाज कल्याण								
1-नेत्रहीन वधिर तथा शारीरिक रूप से अक्षम विकलांगों को अनुदान-			-	-	181	219	219	380
2-शारीरिक रूप से विकलांग तथा अक्षम हड्डीरोग से ग्रसित छात्रों को छात्रवृत्ति तथा व्यवसायिकछात्रवृत्ति		65	65	65	48	111	111	138
3-शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के बच्चों को छात्रवृत्ति		-	-	-	-	55	55	66
4-शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग लगवाने हेतु सहायता		-	-	-	4	2	2	5
5-निराश्रित विधवा भरणपोषण अनुदान		1548	1548	1548	1541	1243	1243	1666

शुक्ला/13986

आधारभूत आँकड़े
वर्ष - 1985-86

आधार भूत आँकडे

जिला-फर्रूखाबाद
वर्ष-1984-85

क्रमसंख्या	विवरण	कृषि वर्ष 1983-84
1.	कुल ग्रामों की संख्या जनगणना -1981	1577
2.	कुल वैर आवाद ग्रामों की संख्या जनगणना - 1971	158
3.	विकास खण्डों की संख्या (नाम सहित)	14 कायमगंज, नबावगंज, शमशाबाद, राजेपुर, बढपुर, मोहम्मदाबाद, कमालगंज, छिबरामऊ, तालग्राम, सौरिख, हसेरन, जलालाबाद, कन्नौज, उमर्दा ।
4.	तहसीलों की संख्या (नाम सहित)	4 कायमगंज, फर्रूखाबाद, छिबरामऊ, कन्नौज ।
5.	कुल भौगोलिक क्षेत्र (हजार हे0) (1980-81)	434.9
6.	भूमि उपयोगिता के लिये प्रतिवेदित क्षेत्र (हजार हे0)	428.0
7.	बनों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हे0 में)	3.3
8.	कृषि के उपयोग में लाई गई भूमि (हजार हेक्टेर में)	280.7
9.	कृषि के अतिरिक्त उपयोग में लाई गई भूमि (हजार हे0में)	40.9
10.	बंजर भूमि का क्षेत्र (हजार हे0में)	22.0
11.	कृषि योग्य बन्जर भूमि का क्षेत्र (हजार रू0 में)	21.3
12.	स्थायी चारागाह (हजार रू0 में)	3.1
13.	अन्य उद्यानों/वृक्षों की फसलों का क्षेत्र (हजार हे0में)	11.4

14.	वर्तमान परती भूमि (हजार हे0 में)	25.1	
15.	अन्य परती भूमि (हजार हे0 में)	20.6	
16.	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (हजार हे0 में)	280.7	
17.	मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हे0 में)	392.9	
	मुख्य -फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हे0 में)	1983-84 (क्षेत्र हजार हे0)	1983-84 (उत्पादन हजार टन में)
18.	उत्पादन		
1.	धान	35.6	54.5
2.	गेहूँ	133.5	307.4
3.	ज्वार	12.2	10.1
4.	बाजरा	17.6	9.1
5.	मक्का	76.9	106.8
6.	चना	16.6	19.2
7.	जौ	9.8	19.0
8.	अरहर	5.9	9.8
9.	उर्द	2.6	0.8
10.	मूँग	5.6	3.5
11.	मटर	1.6	1.8
12.	मूँगफली	7.5	4.4
13.	लाही/सरसों	10.4	8.9
19.	खरीफ फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हे0)	182.7	
20.	रबी फसलों के अन्तर्गत (हजार हे0)	218.7	
21.	जायद फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हे0)	15.0	

22.	जोतों की संख्या तथा उनके अन्तर्गत क्षेत्र	संख्या	क्षेत्रफल हजार हे0 में
	1. हेक्टेयर तक	283090	95.6
	1 से 3 हेक्टेयर के बीच	71236	128.5
	3 से 5 हेक्टेयर के बीच	12282	47.8
	5 हेक्टेयर के तथा उसके ऊपर	5303	440.0

23. जनसंख्या (000) में 1981 की जनगणना के अनुसार

		नगर	ग्रामीण	योग
1.	पुरूष	170.3	897.7	1068.0
2.	स्त्रियाँ	144.6	736.5	881.1

24. पिछडे समुदायों की जनसंख्या (1000 में)

1981 की जनगणना के अनुसार-	नगर क्षेत्र में	ग्रामीण क्षेत्र में	योग
1. अनुसूचित जाति	45.7	293.4	339.1
2. अनुसूचित जन-जाति	0.0	0.2	0.2

25. सतत् प्रवाहशील नदियां (नामसहित) गंगा, रामगंगा, काली, ईसन

26. मौसमी नदियां, नाले (नाम सहित) अरिन्द, पाण्डु, बधारनाला

27. मासिक औसत वर्षा (मिमी0) 1013

28. महत्वपूर्ण औद्योगिक उत्पादन के नाम-

1. बीडी
2. इत्र
3. कपडा छपाई
4. चीनी

29. पुलों का नाम -

क. गंगा का पुल (घटियाघाट, फर्रूखाबाद)

ख. काली नदी के पुल-मदनपुर, ऊधरनपुर, खुदागंज (रेलवे मार्ग एवं सड़कों के दो पुल)

ग. ईसन नदी के पुल -जरारी एवं तिवां

30. सड़कों की लम्बाई (कि0मी0)

क. राष्ट्रीय मार्ग	-
ख. राजकीय मार्ग	183
ग. समतल	568
घ-असमतल	186

31. विद्युत -

क. हाई टेन्सन लाइन -

1. 11 कि0वा0 (कि0मी0) 2538.8
2. 33 कि0वा0 (कि0मी0)

32. नगरों की संख्या-

1. जिसमें बिजली है (नाम सहित) 12

फर्रूखाबाद, कायमगंज, कन्नौज, छिबरामऊ, कम्पिल, शमशाबाद, कमालगंज, गुरूसहायगंज, तालगाम, सिकन्दरपुर, तिवागंज, सौरिख समधन।

2. जिसमें बिजली नहीं है (नाम सहित) शून्य

		सी0डब्लू0पी0सी0 वितरण तन्त्रों की परिभाषानुसार जाल बिछाकर
33. ग्रामों की संख्या		
1. जिसमें बिजली है	1027	379
2. जिसमें विधुतीकृत	550	1198

34. जल-सम्पूर्ति

क- नगरों की संख्या व नाम जिसमें पाइप द्वारा जल-सम्पूर्ति होती है — 9

फर्रूखाबाद, कायमगंज, कन्नौज, छिबरामऊ, शमशाबाद, कम्पिल, गुरूसहायगंज, कमालगंज, नालग्राम,

ख- नगरों की संख्या व नाम जिसमें पाइप द्वारा जल-सम्पूर्ति नहीं होती है — 3 — सिकन्दरपुर, तिर्वा, सौरिख समधन।

ग- ग्रामों की संख्या (नामसहित) — 54

युसूफपुर, भगवान, अलाउद्दीनपुर, रजलामऊ, काजीपुरवा, कुतलूपुर, मौरामपुर, मौरारा, लालपुर, अनीबोझ, मीरपुर, अकराबाद, कुबेदरपुर (खास) पनगवा, मलिकपुर, नेरा, निजामुद्दीनपुर, पट्टी मदारी, सुल्तानपुर, गोखरू, मोचीपुर, भवानीपुर, परताप सेदहा, उदैतापुर, मकदूमपुर, ददौरा, बुजुर्ग, सोरोतीप, फगवारा, जलालपुर, सिखवा, तारमऊ, पचंग, बहापुर, मोहम्मदपुर, पैथ, तेरामल्लु, खुरमपुर, आकिलपुर, धमाईश, फिरोजपुर, तारन, रामपुर मुडईरजा, रामपुर, मुडईका जिम, हुसैनसिंगनपुर, सरायशाह, मुहम्मद, बच्दाजापुर, देवरामपुर, धारमपुर, पपीहापुर, बहीरपुर, भाट, रामपुर, इन्दुआ जिज, विजाधरपुर, नरायनपुट्टी, अल्हादादपुर, खण्डेरीवार, इस्माइलपुर।

घ. ग्रामों की संख्या जिसमें पाइप द्वारा जल-सम्पूर्ति नहीं होती है। — 1564

शिक्षा	नगरक्षेत्र में	ग्राम क्षेत्रमें
क. बेसिक/जूनियर स्कूल संख्या	125	1118
ख. हायर सेकेन्डरी स्कूल संख्या	49	70
ग. कालेज संख्या	9	0
घ. विश्वविद्यालय संख्या	-	-
ङ. प्रावैधिक प्रशिक्षण संस्थायें संख्या	1	

(आई0टी0आई0 का नामदें) — औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, फर्रूखाबाद।

अ. ग्रामों की संख्या जिसमें प्राइमरी स्कूल नहीं है — 675

ब. बेसिक प्राइमरी स्कूलों की संख्या जिसके लिएभवन निर्मित नहीं हैं — 264

36. अनुसूचित बैंकों की शाखाओं की संख्या (नगर एवं प्रखण्डवार (नाम से)) विवरण पृष्ठ-19

क. नगर क्षेत्र में 33

ख. ग्रामीण क्षेत्र में 4

37. सहकारी बैंकों के नाम व संख्या (नगर एवं प्रखण्डवार) विवरण पृष्ठ-19

क. नगर क्षेत्र में 5

ख. ग्रामीण क्षेत्र में 11

38.	गोदामों की संख्या	संख्या	क्षमता (हजार टन में)
	नगर क्षेत्र में	14	1.4
	ग्रामीण क्षेत्र में	103	10.3

3. शीतगृहों की संख्या 49 ना० 80 490.9
(नगर एवं प्रखण्डवार) विवरण पृष्ठ संख्या-9

39. उर्वरक डिपो -

क. कृषि विभाग 31 5-4

ख. सहकारिता विभाग द्वारा 127 20-6

40. भूमि विकास बैंकों की शाखाओं की संख्या-

क. नगर क्षेत्र में 4

ख. ग्रामीण क्षेत्र में 2

		नगर क्षेत्र में	ग्रामीण क्षेत्र में
41.	राजकीय पशु-चिकित्सालयों/औषधालयों की संख्या	11	12
42.	राजकीय पशुपालन केन्द्रों की संख्या	1	32
43.	राजकीय एलोपैथिक अस्पताल/औषधालय की संख्या (प्राथमिक स्वा० केन्द्रों को सम्मिलित करते हुये)	15	28
44.	राजकीय एलोपैथिक अस्पताल/औषधालयों में शैय्याओं की संख्या	698	60
45.	राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल/औषधालय की संख्या	2	13
46.	राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल/औषधालय में शैय्याओं की संख्या	-	-

-7-

कृषि (हजार हे0 में) 1983-84

1.	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	280.7
2.	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	135.7
3.	सकल बोया गया क्षेत्रफल	416.5
4.	कुल खाद्यान्न फसलें	318.2
5.	कुल अखाद्यान्न फसलें	98.3
6.	खरीफ फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र(हजार हे0)	182.7
7.	रबी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र(हजार हे0)	218.7
8.	जायद फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र(हजारहे0)	15.0
9.	फसल सघनता (प्रतिशत)	145.0
10.	खरीफ के अन्तर्गत सिंचित क्षेत्र(हजार हे0)	16.6
11.	रबी के अन्तर्गत सिंचित क्षेत्र(हजार हे0)	177.9
12.	[redacted] सिंचित क्षेत्र(हजार हे0)	13.9
13.	सकल सिंचित क्षेत्र (हजार हे0)	208.4
14.	शुद्ध सिंचित क्षेत्र (हजार हे0)	182.6
15.	सिंचाई की सघनता(हजार हे0)	
	क. शुद्ध सिंचित क्षेत्र में शुद्ध बोये गये क्षेत्र से प्रतिशत	65.1
	ख. कुल सिंचित क्षेत्र में कुल बोये गये क्षेत्र में प्रतिशत	50.0
16.	कृषि योग्य भूमि का कुल प्रतिवेदित क्षेत्र से प्रतिशत	81.1
17.	शुद्ध बोये गये क्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्र से प्रतिशत	64.5
18.	विभिन्न स्रोतों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल(हजार हे0)	
	क. नहर	30.4
	ख. नलकूप	135.9
	ग. कूप [redacted]	14.1
	घ. अन्य विवरण दें(तालाब, झील, नदी, आदि)	2.1
19.	उन्नतिशील एकजोटिक किस्मों के बीज का वितरण (कुन्तल में)	
	क. कृषि विभाग द्वारा	1953.0
	ख. सहकारिता विभाग द्वारा	725.0

20. मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र/उत्पादन 1983-84

	क्षेत्र हजार हे0	उत्पादन हजार मी0टन
1. खाद्यान्न		
क. खरीफ-		
1. धान	35.6	54.5
2. ज्वार	12.2	10.1
3. बाजरा	17.6	9.1
4. मक्का	76.9	106.8
5. खरीफ दालें	2.3	0.6
6. अन्य (विवरण दीजियें)	-	-
योग- खरीफ खाद्यान्न	144.6	181.1
ख. रवी -		
1. गेहूँ	133.5	307.4
2. जौ	9.0	10.6
3. चना	16.6	19.2
4. मटर	1.6	1.8
5. अरहर	5.9	9.8
6. मसूर	0.8	0.5
7. अन्य (विवरण दीजिये)	0.0	0.0
योग-रवी खाद्यान्न	167.4	357.3
ग. जायद-		
1. मक्का	0.0	106.8
2. मूँग	5.4	3.5
3. उर्द	0.7	0.3
योग -जायदखाद्यान्न	6.1	3.8
कुल -खाद्यान्न	318.1	542.2
2. वाणिज्यिक फसलें -		
1. मूँगफली	7.5	4.4
2. लाही/सरसों	10.4	8.9
3. सूरजमुखी	0.0	0.0
4. सोयाबीन	0.0	0.0
5. अन्य तिलहन (तिलशुद्ध)	0.6	0.1
6. गन्ना	10.1	417.2
7. आलू	40.6	1031.6
8. तम्बाकू	5.0	7.1
9. अन्य (विवरण दीजिये) सनई	0.2	0.1
योग वाणिज्यिक फसलें	74.7	1469.4

21- उत्पादन दर (किलो प्रति है0)

1-	धान	1520
2-	गेहूँ	2302
3-	ज्वार	828
4-	बाजरा	519
5-	मक्का	1389
6-	जौ	2057
7-	चना	1159
8-	मटर	1167
9-	अरहर	1664
10	मसूर	641
11-	गन्ना	41300
12-	मूँगफली	503

22- रासायनिक उर्वरक का वितरण 1985-86
===================================

क-	कृषि विभाग द्वारा (हजार मी0 टन)	1.3
1-	नत्रजन	0.5
2-	फास्फेटिक	00.1
3-	पोटाश	
ख-	सहकारिता विभाग द्वारा (हजार मी0 टन)	
1-	नत्रजन	4.3
2-	फास्फेटिक	1.6
3-	पोटाश	0.7
ग-	कृषि औद्योगिक विकास निगम द्वारा (ह0 मी0 टन)-	
1-	नत्रजन	2.5
2-	फास्फेटिक	0.6
3-	पोटाश	0.4
घ-	गन्ना विभाग द्वारा (हजार मी0 टन)	
1-	नत्रजन	0.6
2-	फास्फेटिक	0.1
3-	पोटाश	0.1
ङ-	अन्य (हजार मी0 टन)	
1-	नत्रजन	28.2
2-	फास्फेटिक	8.9
3-	पोटाश	2.7

23- उर्वरक डिपो-
===========

23- उर्वरक डिपो

1- कृषि विभाग द्वारा [संख्या] 31

2- सहकारिता विभाग द्वारा[सं0] 119

3- कृषि औद्योगिक विकास निगम[संख्या] 0 7

4- गन्ना विभाग द्वारा [संख्या] 6

24- शीत गृह संख्या क्षमता[हजारमी0टन]

1- कृषि विभाग द्वारा -

2- सहकारिता विभाग द्वारा 3 7

3- कृषि औद्योगिक विभाग निगम[संख्या -

4- गन्ना विभाग द्वारा -

5- निजी 71 4401

25- कम्पोस्ट खाद का उत्पादन [हजारमी0टन] क्षेत्र [उत्पादन] हजारहै0] हजारमी0टन]

	क्षेत्र हजारहै0	उत्पादन हजारमी0टन
26- हरी खाद के अन्तर्गत	अप्राप्त	अप्राप्त
27- गोबरगैस संयन्त्रो की स्थापना[संख्या]	1559	
85-86	393	

2- भूमि संरक्षण

क- कृषि विभाग द्वारा

1- कृषि भूमि में[हजारहै0] -

2- रेवान्स में [हजारहै0] -

ख- वन विभाग द्वारा

1- कृषि ~~विभाग~~ [हजारहै0] -

2- रैवान्स में [हजारहै0] -

3- फलोपयोग एंव औद्योगिक

1- फलो/उद्यानो के अन्तर्गत क्षेत्र[हजारहै0] 0.50

2- शाक भाजी के अन्तर्गत क्षेत्र[हजारहै0] 0.3

3- फलो का उत्पादन [हजारमी0टन] अप्राप्त

4- फलो का मूल्य [हजाररू0में] -

5- आलू का उत्पादन [हजारमी0टन] 1031.6

6- पौधो सुरक्षा कार्य[हजारहै0] 109.0

7- पुराने उद्यानो का जीर्णोद्धारहजारहै0 0.2

4-8- गन्ना विकास

1-

4- 8- गन्ना विकास

1- गन्ना का क्षेत्रफल (हजार है0) 10.1
2- गन्ना का उत्पादन (हजार मी0टन) 417.2
3- गन्ना का मूल्य (हजार रू0) 117642
4- वाणिज्यिक फसलों के अन्तर्गत गन्ना का उत्पादन गुड़ के रूप में (हजार मी0टन) 41.7
5- अधिक उपज देने वाली जातियों के बीज वितरण (गन्ना) (हजार मी0टन)
क- गन्ना विभाग द्वारा 1.61
ख- सहकारिता विभाग द्वारा -
ग- कृषि विभाग द्वारा -

5- सिंचाई

1- निजी / लघु सिंचाई साधन संख्या संलग्न पृष्ठ संख्या 21
1- खण्डवार सूचना
1- पक्के कुयें " 12412
2- कूप बोरिंग " 12085
3- रहट " 9362
4- नलकूप " 17671
5- पम्पसेट 27612
6- पहाड़ी क्षेत्र में होज द्वारा -
7- कुल सिंचित क्षेत्र (हजार है0) 182.6
8- शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल में सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत 50.0
9- कुल बोये गये क्षेत्रफल से सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत 65.0

2- वृहत एवं मध्यम सिंचाई -
1- राजकीय लघु सिंचाई
क- नलकूप संख्या 383
ख- नलकूप द्वारा सिंचित क्षमता का सृजन (हजार है0) 38.3
2- कुल उपलब्ध शत सिंचन क्षमता राजकीय लघु सिंचाई द्वारा (हजार है0) 243.5
3- वृहत एवं मध्यम सिंचाई द्वारा सिंचित क्षमता का सृजन अप्राप्त
4- सिंचित क्षमता का वास्तविक उपयोग
क- राजकीय लघु सिंचाई द्वारा (हजार है0) 12.3
ख- वृहत एवं मध्यम सिंचाई द्वारा हजार है0 (नहर) 28.2

6- वन:-

1- वन विभाग के प्रबन्ध के अन्तर्गत कुल क्षेत्र [हजार है0] 05.4
2- आर्थिक महत्व के वृक्षों का क्षेत्र [हजार है0] 0.4
3- जल्दी उगने वाले वृक्षों का क्षेत्र [हजार है0] 0.09
4- सामाजिक वानिकी के अन्तर्गत क्षेत्र [हजार है0] 3.27
6- सड़कों की लम्बाई -
क- सरफेस्ड कि0मी0 267.40
ख- अनसरफेस्ड कि0मी0 -
7- वन द्वारा उत्पादित लकड़ी [हजार घ0फुट] 8425
8- उत्पादित लकड़ी का मूल्य [हजार रु0में] अप्राप्त
9- विक्रय की लकड़ी का मूल्य [हजार रु0मे] 60.5
10- पशुपालन सम्बन्धी सभी सूचनाए ब्लाक द्वारा संकलित की जाती है। पृष्ठ संख्या 21.
1- पशुचिकित्सालय /औषधालय संख्या 24
2- स्टाक मैन सेन्टर [कृत्रिम सेवा केन्द्र] 35
3- कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र 12
4- कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र 38
5- भेड़ एंव ऊन विस्तार केन्द्र -
6- राजकीय कुक्कुट फार्म 1
7- सहकारी द्वारा कुक्कुट फार्म -
8- चारे की फसलो के अन्तर्गत क्षेत्र [हजार है0] 0.4
9- विभिन्न प्रकार के जानवरो की संख्या [नामसहित]
नामसहित- गौवंशीय [महिषवंशीय -अन्य योग
263309 307739 244860 815900

8- दुग्ध एंव दुग्ध सम्पूर्ति

1- नगर क्षेत्रो में दुग्ध उपार्जन [ली0] -
2- ग्रामीण क्षेत्रो में दुग्ध उपार्जन [लाखली0] 0.112
3- नगर क्षेत्र में समितियो की संख्या -
4- नगर क्षेत्र में समितियो की संख्या ब्लाकवार 66संलग्नपृष्ठ22पर सदस्य संख्या -
5- ग्रामीण क्षेत्रो में समितियो कीसं0 ब्लाक वार 66 संलग्नपृष्ठ22पर
6- दुग्ध एकत्र करने के केन्द्र नगर मे संख्या शून्य
ब्लाकवारसंख्याग्रामीणक्षेत्र 3 राजेपुर, अमृतपुर, हनुनपुर
8- नगर क्षेत्र में प्लाइन्टरकी संख्या
चिलिया डाग, अमेठीकोहना सभी विकासखण्डराजेपुरमेहै।
9- नगर क्षेत्रो में लगे हुए प्लाइन्टस की क्षमता [लाखली0में]

9- मत्स्य

1- श्रमिक मछुआ सहकारी समितियों की संख्या	-
2- अंगुलिकाओं के वितरण (लाख में)	6.35
3- मत्स्य बीज फार्म संख्या	1
4- राजकीय जलाशय मत्स्योत्पादन कुन्तल में	260
5- भण्डारण राज्य भण्डारण निगम द्वारा संचालित	
1- वेयर हाउस की संख्या (नगर में)	3
2- वेयर हाउस की क्षमता (लाख टन में) नगर में	0.11
3- गोदाम की संख्या (नगर में)	-
4- गोदामों की क्षमता (लाख टन नगर में)	-
5- ग्रामीण वेयर हाउसेज की क्षमता में	-
6- ग्रामीण वेयर हाउसेज की क्षमता (लाख टन में)	-
7- ग्रामीण गोदामों की संख्या	-
8- ग्रामीण गोदामों की क्षमता (लाख टन)	-
9- सहकारिता (सभी मदों की सूचना लाभदायक संकलित करना है विवरण पृष्ठ सं0 23 से 26 तक)	
1- जिला सहकारी बैंक	
क- शाखायें संख्या	16
ख- जमा धनराशि (हजार रू0)	157565
ग- ऋण वितरण	
1- अल्पकालीन	22714
2- मध्यकालीन	3056
ख- भूमि विकास बैंक	
1- शाखायें संख्या	6
2- दीर्घकालीन ऋण वितरण हजार रू0 में	12693
3- प्राथमिक ऋण समितियाँ	
1- समितियों संख्या	121
2- सदस्यता संख्या	170060
3- अंशपूंजी हजार में	12386
4- जमा धनराशि	1828
5- अल्पकालीन ऋण वितरण हजार रू0 में	26244
6- मध्यकालीन ऋण वितरण हजार रू0 में	2923
3- क्रय विक्रय समितियाँ	
1- समितियों की संख्या	7
2- सदस्यता संख्या	48507
3- अंशपूंजी रू0 में	1100
4- विपणन की गयी वस्तुओं का मूल्य (हजार रू0)	

क- उर्वरक हजार रु0 में	1100
ख- बीज हजार रु0 में	-
ग- खाद्यान्न हजार रु0 में	1530
घ- अन्य	3327
4- सहकारी विपणन समितियाँ	
1- समितियाँ संख्या	4
2- सदस्यता संख्या हजार में	16
3- अंशपूंजी हजार में	1082
4- विपणन की गई वस्तुओं का मूल्य	10390
5- उपभोक्ता सहकारी समितियाँ	
1- समितियाँ संख्या	8
2- सदस्यता संख्या हजार रु0 में	1400
3- अंश पूंजी हजार रु0 में	365
4- विक्रय की गई वस्तुओं का मूल्य हजार रु0 में	2512
12- विद्युत विकास	
1- विद्युत का उपभोग किलोवाट घंटे	158302000
2- विभिन्न कार्यों में विद्युत का उपभोग	
घरेलू एवं वाणिज्यिक (किलोवाट घंटे)	14071000
औद्योगिक (किलोवाट घंटे)	39544000
ग- कृषि सिंचाई कार्यों को सम्मिलित करते हुए (किलोवाट घंटे)	91608000
घ- अन्य किलोवाट घंटे	13079000
3- उपरोक्त मदों के आधार पर प्रति व्यक्ति उपभोग 81 (1981 की जनगणना से)	
4- वितरण लाइनों की लम्बाई 31-3-85 तक	
1- हाई टेन्शन लाइन	
क- 11 किलोवाट किमी0	
ख- 33 किलोवाट किमी0	2530.0
ग- अन्य	
2- लो टेन्शन लाइन्स	2862-15
5- विद्युतीकरण ग्राम	
1- ग्रामों की संख्या	1027
2- कुल ग्रामों से प्रतिशत	65
6- हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण संख्या	525
7- औद्योगिक संयोजन	
1- ग्रामीण संख्या	1345
2- शहरी संख्या	1142
8- विद्युतीकृत नलकूपों/पम्पसेटों की संख्या	
1- राजकीय संख्या	383

2- उद्योग विभाग- 11393

(सभी मदो की सूचना ब्लाक वार संकलित करनी है अप्राप्त ग्रामीण तथा लघुउद्योग)

1- ग्रामीण एंव लघु उद्योग

1- लघुउद्योग इकाइयो की संख्या 2183

2- उपरोक्त लघुउद्योग इकाइयो में लगे व्यक्तियो की संख्या 2564

3- असंगठित क्षेत्र में लघु उद्योग इकाइयो की संख्या 151

4- औद्योगिक संस्थान 2

(1) अधिगृहीत भूमि का विकास/हक्टर हे0 -

ख- शेडो का निर्माण संख्या 19

ग- कार्यरत इकाइयो की संख्या 62

2- हथकरघा एंव वस्त्र उद्योग

(सभी मदो की सूचना ब्लाकवार संकलित करनी है अनुपलब्ध)

1- सहकारी क्षेत्र में लाये हथकरघो की संख्या 6880

2- बुनकर सहकारी समितियो का गठन संख्या 55

3- हथकरघा वस्त्र का उत्पादन लाख मी0 62.80

4- रेशम कोया का उत्पादन कि0ग्रा0 -

5- टसर कोया उत्पादन -

3- वृहत एंव मध्यम उद्योग

1- उद्योगो की संख्या 1

2- उपरोक्त उद्योग के लगे व लगे व्यक्तियो की संख्या

किसानियान चीनी सहकारी मिल कायमगंज

4- सड़क 800

सभी सूचनाए ब्लाक वार संकलित की जाती है 31-3-85तक अनुपलब्ध

1- नई सड़को का निर्माण कि0मी0 45

2- पुरानी सड़को का निर्माण कि0मी0) 12

3- पक्की सड़को का निर्माण 751

4- कच्ची सड़को का निर्माण 186

5- जिला परिषद द्वारा सड़को का निर्माण कि0मी050

6- समस्त सड़को से जुड़े ग्रामो की संख्या 364

15- (सभी सूचना नगर एंव ब्लाकवार संकलित की जाती है पृ0 27से 15शि029तक)

1-विद्यालय प्राइमरी स्कूलो की संख्या 1243

2- सीनियर बेसिक स्कूलो की संख्या 444

3- हायर सेकेन्ड्री स्कूलो की संख्या 119

4- डिग्री कालेज की संख्या 9

चिकित्सा विभाग की सेवायें

चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य सेवा पृष्ठ संख्या 29से30तक सभी सूचना तालिका एवं विस्तार अंकित की जाती है।

	ग्रामीण	नगरीय	योग
1- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें			
क- एलोपैथिक अस्पताल की संख्या	16	27	43
15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रसम्मिलित			
ख- एलोपैथिक डिस्पैन्सरी की संख्या	1	-	1
ग- होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी की संख्या	-	-	-
घ- होम्योपैथिक डिस्पेन्सरीकी संख्या	13	2	15
ङ- आयुर्वेदिक एवं यूनानी अस्पताल कीसं०	9	1	10
च- आयुर्वेदिक एवं यूनानी डिस्पेन्सरीकीसं०	21	3	24
2- शैयायें			
क- एलोपैथिक अस्पताल की संख्या	60	690	750
ख- एलोपैथिक डिस्पेन्सरी संख्या	-	-	-
ग- होम्योपैथिक अस्पताल मेंसंख्या	-	-	-
घ- होम्योपैथिक/यूनानी डिस्पेन्सरी सं०	-	-	-
1- आयुर्वेदिक अस्पताल की संख्या	36	8	44
2- आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी कीसंख्या	4	-	4
3- विभिन्न बीमारियों मेंसम्बन्धित अस्पताल/डिस्पेन्सरी			
क- टी०बी०संख्या	-	1	1
ख- छूत की बीमारी की संख्या	-	-	-
घ- कुष्ट रोग की संख्या	-	-	-
4- विभिन्न बीमारियों से सम्बन्धित अस्पतालों/डिस्पेन्सरी शैयायें			
क- टी०बी०हेतु संख्या	-	-	-
ख-फाइलेरिया	-	-	-
ग- छूतकी बीमारी संख्या	-	-	-
घ- कुष्ट बीमारी की संख्या	-	-	-
5- प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र संख्या	15		
6- परिवार कल्याण			
क- परिवार कल्याण केन्द्रसं०	10		
ख- वन्ध्याकरण	3740		
ग- पुरुष	40		
घ- स्त्री	3700		
आई- आई०यू०सी०डी०	2364		

17- पर्यटन विकास
============

1- पर्यटन आवास का निर्माण /विस्तर संख्या -

2- शैयायें संख्या -

18 प्राविधिक संख्या

1- डिग्री स्तर की संस्थाओं संख्या

क- संख्या -

ख- प्रवेश क्षमता संख्या -

ग- वास्तविक भर्ती संख्या --

2- डिप्लोमा स्तर की संस्थायें

क- संख्या -

ख- प्रवेश क्षमता संख्या -

ग- वास्तविक भर्ती संख्या -

19- जल सम्पूर्ति एंव जल निस्तारण [नगरसंख्या] नगरकानाम [जनसंख्यानाम]

	9	फर्रुखाबाद [हजार रू0] कायमगंज, शमशाबाद 1981
क- पाइपों द्वारा		छिबरामऊ, कम्पिल, अग्रापत कन्नौज गुरसहायगंज मलगंज तालग्राम
ख- हैण्डपम्प द्वारा	-	
ग- जल निस्तारण	1	छिबरामऊ 23-3
घ- शुष्क शौचालय स्वच्छ शौचालय में परिवर्तन	-	- -

2- ग्रामीण जल सम्पूर्ति

	ब्लाक का नाम	ग्रामों की सं0	जनसंख्या लाभान्वित [हजार में]
क- हैण्डपम्प द्वारा	-	-	-
ख- कुआ	-	-	-
ग- डिग्गी	-	-	-
घ- प्राकृतिक स्रोत [पर्वतीय क्षेत्र]	-	-	-

3- नगरों की संख्या जिनमें पाइप संख्या नगर का नामसिकन्दरपुरतिर्वाएंव द्वारा जल सम्पूर्ति नहीं है । सौरिख

4- ग्रामों की संख्या जिनमें पीने के पानी सुविधा नहीं है । - -

5- ग्रामों की संख्या जिसमें पिछड़ी जाति अनुसूचित जातियों के लिए पानी की सुविधा है 15 14 1610 1577

6- ग्रामों की संख्या जिसमें पिछड़ी अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए पानी की सुविधा नहीं है । - -

20- पिछड़ी जातियों ,अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों का कल्याण [हरिजनकल्याण]

1- पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्तियाँ	ग्रामीण	नगरीय	योग
अ- सामान्य कोर्स			
क- पिछड़ी जातियों संख्या	4210	322	4540
ख- अनुसूचित जातियों सं०	950	728	1678
ग- अनुसूचित जनजातियों सं०	-	-	-
ब-प्राविधिक एवं पेशेवर कोर्स			
क- पिछड़ी जातियों संख्या	-	31	31
ख- अनुसूचित जातियों की सं०	-	35	35
ग- अनुसूचित जनजातियाँ	-	-	-

21- आवास विकास -

1- आवास विकास परिषद द्वारा

क- भूमि अर्जन (हे०) -

ख- भूमि विकास -

ग- उच्च वर्ग आय वर्ग गृह निर्माण -

घ- मध्य आय वर्ग गृह निर्माण संख्या -

ङ- अल्प आय वर्ग गृह निर्माण संख्या -

च- दुर्बल आय वर्ग गृह निर्माण संख्या -

2- जनपद में विकास प्राधिकरणों द्वारा

क- भूमि अर्जन हे० -

ख- भूमि विकास हे० -

ग- उच्च आय वर्ग गृह निर्माण सं० -

घ- मध्यम आय वर्ग गृह निर्माण -

ङ- अल्प आय वर्ग गृह निर्माण सं० -

च- दुर्बल आय वर्ग गृह निर्माण सं० -

3- अन्य श्रोतों द्वारा सामुदाइक विकास विभाग द्वारा निर्बल (नाम दें) आवास योजना -

क- भूमि अर्जन -

ख- भूमि विकास हे० -

ग- उच्च आय वर्ग गृह निर्माण -

घ- मध्यम वर्ग गृह निर्माण सं० -

ङ०-अल्प आय वर्ग गृह निर्माण संख्या-

च- दुर्बल आय वर्ग गृह निर्माण संख्या 1068

क्र0सं0	विकास खंड	राष्ट्रीयकृत बैंक	सहकारी बैंक	शीतगृह संख्या	क्षमता हजार मी0टन
1	2	3	4	5	6
1-	कायमगंज	-	1	2	8790
2-	नवाबगंज	-	1	1	7756
3-	रामसावाद	-	1	1	6358
4-	राजेपुर	-	1	-	-
5-	बढ़पुर	-	-	10	51636
6-	मोहम्मदावाद	1	1	5	31542
7-	कमालगंज	-	1	5	23287
8-	छिबरामऊ	-	-	5	34235
9-	तालग्राम	1	1	3	16637
10-	सौरिख	-	1	-	-
11-	हसेरन	-	1	-	-
12-	जलालावाद	1	1	6	49917
13-	कन्नौज	-	-	3	22101
14-	उमर्दा	1	1	1	6654
योग ग्रामीण-		4	11	42	251913
योग नगरीय-		33	5	36	225502
योग जनपद -		37	16	78	477415

क्र०सं० विकास खण्ड सिंचाई कूप रहटपपसैट

(20)

क्र०सं०	विकास खण्ड	सिंचाई कूप	रहट	पपसैट भूस्तरीय	बोरिंग	निजी नलकूप	राज० सिंचाई नल कूप	सिंचित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	कमालगंज	2078	1914	9	16[illegible]2	814	8	12461
2-	नवाबगंज	1222	1117	33	2461	588	23	11739
3-	शमशाबाद	2250	2159	20	2314	863	24	13486
4-	राजेपुर	2187	2039	19	2059	85	-	9701
5-	बढपुर	515	246	5	1130	1359	17	7020
6-	मोहम्मदाबाद	250	131	9	1726	3404	101	21157
7-	कमालगंज	524	63	5	2275	2378	54	17395
8-	छिबरामऊ	903	568	11	2280	1687,	28	16362
9-	तालग्राम	649	94	18	1585	1539	49	12745
10-	सौरिख	235	214	12	1556	662	1	11324
11-	हसेरन	811	360	1	1116	554	-	8640
12-	जलालाबाद	12	12	4	1911	1047	16	8243
13-	कन्नौज	332	80	19	1507	1612	62	11031
14-	उमर्दा	444	365	9	3036	1079	-	20066
योग ग्रामीण-		12412	9362	174	27430	17671	383	181370
योग नगरीय -		-	-	-	-	-	-	1241
योग जनपद-		12412	9362	174	27430	17671	383	182611

क्र०सं०	विकास खण्ड	ब,स तथा द श्रेणी के पशु चिकित्सालय सम्मिलित	पशु सेवा केंद्र अंतर्गत ग्राम समूह इकाइयां सम्मिलित	कृतिम गभा० केंद्र	कृत्रिम गभा० उप केंद्र
1	2	3	4	5	6
1-	कायमगंज	-	2	5	1
2-	नवाबगंज	1	3	1	2
3-	शमशाबाद	1	3	-	1
4-	राजेपुर	1	3	1	1
5-	बढपुर	1	1	1	2
6-	मोहम्मदाबाद	1	6	1	6
7-	कमालगंज	-	4	-	3
8-	छिबरामऊ	-	-	-	1 4
9-	तालग्राम	1	-	-	1
10-	सौरिख	-	2	-	2
11-	हसेरन	3	2	1	3
12-	जलालाबाद	1	2	-	3
13-	कन्नौज	1	2	-	3
14-	उमर्दा	1	2	1	3
योग ग्रामीण		12	32	6	32
योग नगरीय		11	1	6	6
योग जनपद		23	33	12	38

क्र0सं0	विकास खंड	दुग्ध एवं दुग्ध सम्पूर्ति		
		समिति संख्या	सदस्यता संख्या	दुग्ध एकत्रीकरण केंद्र
1	2	3	4	5
1-	कायमगंज	17	750	-
2-	नवाबगंज	12	614	-
3-	शमसाबाद	13	810	-
4-	राजेपुर	13	949	3
5-	बढपुर	-	-	-
6-	मोहम्मदाबाद	10	535	-
7-	कमालगंज	-	-	-
8-	छिबरामऊ	-	-	-
9-	तालग्राम	-	-	-
10-	सौरिख	-	-	-
11-	हसेरन	-	-	-
12-	जलालाबाद	-	-	-
13-	कन्नौज	-	-	-
14-	उमर्दा	-	-	-
योग ग्रामीण-		65	3658	3
योग नगरीय		1	73	-
योग जनपदीय-		66	3731	3

(23)

क्रमांक विकास खण्ड		सहकारी बैंक शाखाएं	जमा धनराशि	ऋण वितरण (हजार रु०) अल्प कालीन	मध्य कालीन	भूमि विकास बैंक शाखाएं	दीर्घ कालीन ऋण हजार रु० में।
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	कायमगंज	–	1620	3436	300	–	687
2-	नवाबगंज	1	3408	1672	55	–	885
3-	शमशाबाद	–	2947	1355	58	–	566
4-	राजेपुर	1	3258	1429	135	–	1095
5-	बढ्पर	–	5725	2100	93	–	153
6-	मोहम्मदाबाद	1	10970	1060	–	1	1909
7-	कमालगंज	–	6918	1860	122	–	1374
8-	छिबरामऊ	–	14799	2499	543	–	850
9-	तालग्राम	–	325	2101	267	–	154
10-	सौरिख	–	5912	857	346	–	495
11-	हसेरन	1 –	2383	520	328	–	455
12-	जलालाबाद	1	1261	877	252	–	1455
13-	कन्नौज	–	16612	1196	148	–	979
14-	उमर्दा	–	12292	1743	40[illegible]	–	936
योग ग्रामीण-		5	157465	22714	3056	1	12693
योग नगरीय-		11	–	–	–	5	–
योग जनपद-		16	157465	22714	3056	6	12693

क्र0सं0	विकास खण्ड	प्राथमिक ऋण समितियाँ			ऋण वितरण (हजार रू0में)		
		समिति संख्या	सदस्यता संख्या	अंश पूंजी हजार रू0में	जमा धन	अल्प कालीन	मध्य कालीन
1	2	3	4	5	6	7	8
1–	कायमगंज	6	12723	1069	172	4109	360
2–	नवाबगंज	9	10293	519	47	1236	180
3–	शमसाबाद	9	12205	863	452	1805	104
4–	राजेपुर	14	12417	610	147	1790	36
5–	बढ़पुर	9	6925	775	67	255	24
6–	मोहम्मदाबाद	14	15257	1114	132	1700	54
7–	कमालगंज	10	26677	1783	221	4034	212
8–	छिबरामऊ	6	15334	1282	137	2450	–
9–	तालग्राम	4	11143	860	57	2370	417
10–	सौरिख	3	863	587	34	783	360
11–	हसेरन	3	6096	383	69	792	–
12–	जलालाबाद	9	7274	646	92	909	419
13–	कन्नौज	12	11810	952	124	1681	923
14–	उमर्दा	13	13060	935	77	2322	826
योग ग्रामीण		121	1700 60	12386	1828	26244	3923
योग नगरीय		–	–	–	–	–	–
योग जनपद		121	170060	12386	1824	26244	3923

शुक्ला/24986

25

क्र0सं0	विकास खंड	क्रय विक्रय समितियां			विपणन की गई वस्तुओं का मूल्य			
		संख्या	सदस्यता संख्या	अंशपूंजी रु0में	उर्वरक	बीज	खाद्यान्न	अन्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	कायमगंज	1	6671	586	282	-	623	474
2-	नवाबगंज	-	-	-	-	-	-	-
3-	शमशाबाद	-	-	-	-	-	-	-
4-	राजेपुर	-	-	-	-	-	-	-
5-	बढ़पुर	1	6580	42	512	-	36	1211
6-	मोहम्मदाबाद	1	260	88	20	-	171	292
7-	कमालगंज	1	10293	112	-	-	38	103
8-	छिबरामऊ	1	10802	7	35	-	314	257
9-	तालग्राम	1	1667	96	44	-	85	244
10-	सौरिख	-	-	-	-	-	-	-
11-	हसेरन	-	-	-	-	-	-	-
12-	जलालाबाद	-	-	-	-	-	-	-
13-	कन्नौज	1	4235	169	207	-	271	746
14-	उमर्दा	-	-	-	-	-	-	-
योग ग्रामीण-		7	40507	1100	1100	-	1538	3327
योग नगरीय-		-	-	-	-	-	-	-
योग जनपद-		7	40507	1100	1100	-	1538	3327

क्र0सं0	विकासखंड	सहकारी विद्यायन		अंश पूंजी	विद्यायन की गई- वस्तुओं का मूल्य (ह0रू0)	उपभोक्ता सहकारी समितियां			विक्रय की गई वस्तुओं का मूल्य (ह0 रूपये में)
		संख्या	सदस्य संख्या			संख्या	सदस्य संख्या	अंश पूंजी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	कायमगंज	-	-	-	-	1	-	2	65
2-	नवाबगंज	1	-	327	2883	-	-	-	-
3-	रामशावाद	-	-	-	-	-	-	-	
4-	राजेपुर	-	-	-	-	-	-	-	
5-	बढपुर	1	6	439	2500	2	1300	350	
6-	मोहम्मदावाद	-	-	-	-	-	-	-	
7-	कमालगंज	1	10	109	2461	1	100	1	
8-	छिबरामऊ	1	-	217	2521	1	-	4	170
9-	तालग्राम	-	-	-	-	-	-	-	
10-	सौरिख	-	-	-	-	1	-	6	60
11-	हसेरन	-	-	-	-	1	-	2	40
12-	जलालावाद	-	-	-	-	-	-	-	
13-	कन्नौज	-	-	-	-	-	-	-	-
14-	उमर्दा	-	-	-	-	-	-	-	-
योग ग्रामीण		4	16	1092	10390	8	1400	365	2512
योग नगरीय-		-	-	-	-	-	-	-	-
योग जनपद-		4	16	1092	10390	8	1400	365	25

क्रमांक	विकास खण्ड	प्रायमरी संख्या	सी0बे0स्कू0 संख्या	उच्च मा0 वि0संख्या	डिग्री कालेज संख्या
1	2	3	4	5	6
1-	कायमगंज	75	18	4	-
2-	नवाबगंज	71	20	6	-
3-	शमशाबाद	91	22	5	-
4-	राजेपुर	85	21	3	-
5-	बढपुर	63	25	-	-
6-	मोहम्मदाबाद	119	45	13	-
7-	कमालगंज	93	33	3	-
8-	छिबरामऊ	91	30	5	-
9-	तालग्राम	76	20	4	-
10-	सौरिख	70	18	9	-
11-	हसेरन	64	23	3	-
12-	जलालाबाद	62	18	4	-
13-	कन्नौज	66	18	2	-
14-	उमर्दा	112	43	9	-
योग ग्रामीण-		1138	354	70	-
योग नगरीय-		103	49	49	9
योग जनपद-		1241	403	119	9

क्र0	विकास खंड	भर्ती छात्र संख्या				ग्रामों की संख्या	
		प्रा0 स्कूल संख्या	सी0वे0 स्कूल सं0	उ0मा0 वि0सं0	डिग्री कालेज	जिनमें प्रा0 स्कूल नहीं हैं	जिनमें सी0 वे0 स्कूल हैं।
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	कायमगंज	10836	3302	1975	-	78	141
2-	नवाबगंज	11692	3277	2943	-	21	74
3-	शमशाबाद	13259	5468	3255	-	83	136
4-	राजेपुर	11364	3135	2002	-	54	123
5-	बढ़पुर	11737	8350	-	-	26	79
6-	मोहम्मदाबाद	23034	10659	8731	-	25	73
7-	कमालगंज	20034	4514	3330	-	80	142
8-	छिबरामऊ	18720	4677	4110	-	41	120
9-	नालग्राम	15666	4264	3724	-	30	83
10-	सौरिख	12470	3890	4507	-	27	85
11-	हसेरन	10444	3646	1324	-	6	46
12-	जलालाबाद	10311	3302	1615	-	17	67
13-	कन्नौज	10385	3035	2809	-	78	115
14-	उमर्दा	20142	6838	5967	-	32	83
योग ग्रामीण-		200094	68417	46292	-	508	1367
योग नगरीय-		21748	17236	23114	5694	-	-
योग जनपद-		221842	85653	69406	5694	598	1367

क्र0सं0	विकास खण्ड	अनुसूचित/अनु0 जनजाति के छात्रों की संख्या		चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा		
		प्रायमरी स्कूल	सीनियर बे0 स्कूल	एलोपैथिक अस्पताल	एलोपैथिक औषधालय	होम्योपैथिक औष0
1	2	3	4	5	6	7
1-	कायमगंज	2274	235	1	-	1
2-	नवाबगंज	2236	441	1	-	2
3-	शमशाबाद	2239	470	2	-	2
4-	राजेपुर	1138	390	1	-	2
5-	बढपुर	2880	1278	1	-	-
6-	मोहम्मदाबाद	3097	1956	2	-	1
7-	कमालगंज	2666	556	2	-	2
8-	छिबरामऊ	3113	423	-	1	1
9-	तालग्राम	2215	695	-	-	-
10-	सौरिख	2258	645	-	-	1
11-	हसेरन	1535	402	2	-	-
12-	जलालाबाद	1937	970	1	-	-
13-	कन्नौज	1994	475	-	-	1
14-	उमर्दा	3846	1010	2	-	-
	योग ग्रामीण-	33428	9946	15	1	13
	योग नगरीय-	3247	2808	27	-	2
	योग जनपद-	36675	12754	42	1	15

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No.....................
Date.....................

(29)

क्र0सं0	विकास खण्ड	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं						यूनानी चिकित्सालय
		यूनानी चिकित्सालय एवं औषधालय	आयुर्वैदिक औषधालय एवं चिकित्सा0	एलोपैथिक चिकित्सालय	एलो0 औषधालय	आयुर्वेद के चिकि0	औषधालय	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1-	कायमगंज	-	2	4	-	-	-	-
2-	नवाबगंज	-	-	4	-	-	-	-
3-	शमशाबाद	-	1	8	-	4	-	-
4-	राजेपुर	-	3	4	-	12	-	-
5-	बढ़पुर	-	-	4	-	-	-	-
6-	मोहम्मदाबाद	1	2	8	-	-	-	-
7-	कमालगंज	1	5	8	-	4	-	-
	छिबरामऊ	-	2	-	-	4	-	-
9-	तालग्राम	1	4	-	-	12	-	4
10-	सौरिख	-	1	-	-	-	-	-
11-	हसेरन	-2	28	8-	-4	4	-	-
12-	जलालाबाद	-	4*	-	-	-	-	-
13-	कन्नौज	-	2	-	-	-	-	-
14-	उमर्दा	2	2	8	-	-	-	8
	योग ग्रामीण	5	30	60	-	40	-	12
	योग नगरीय	-	4	698	-	8	-	-
	योग जनपद-	5	34	758	-	48	-	12

NIEPA DC
D03806